@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 29 जुलाई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 263 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मनु ने रचा इतिहास, ओलंपिक में शूटिंग में भारत को पदक दिलाने वाली पहली महिला

सिम्मी कौर बब्बर

पेरिस, 28 जुलाई। मनु भाकर ने रविवार 28 जुलाई को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। हरियाणा की 22 साल की इस निशानेबाज ने चेटरौक्स शूटिंग सेंटर में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद इन खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं। टोक्यो में दिल टूटने के तीन साल बाद भारत की इस सबसे प्रसिद्ध और प्रतिभाशाली निशानेबाजों में से एक ने अपने सपनों को पूरा किया और देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने जबरदस्त वापसी की और कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण और रजत पदक दक्षिण कोरिया की दो खिलाड़ियों ने जीता। ओह ये जिन 243.2 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक और किम येजी ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पदक अपने नाम किया। मनु भाकर क्वालिफिकेशन राउंड में भी तीसरे स्थान पर रही थीं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग में भारत के पदक के 12 साल के सूखे को भी खत्म किया। 2012 लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में पदक जीता था। यह शूटिंग में भारत का पांचवां पदक है। मनु से पहले चारों एथलीट्स पुरुष थे। वह राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और विजय कुमार के क्लब में शामिल हो गईं। महज नौ माह पहले तक मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल की भारतीय टीम में भी शामिल नहीं थीं। बीते वर्ष वह हांगझोऊ एशियाई खेलों में खेलीं, लेकिन इस इवेंट की टीम में नहीं थीं। यह वह इवेंट है जो उनके दिल के सबसे करीब है। एशियाड से पहले मनु भाकर ने पिछले सारे विवादों को भुलाकर कोच जसपाल राणा का हाथा थामा तो इसकी एक वजह 10 मीटर एयर पिस्टल में वापस प्रभुत्व स्थापित करना था। एशियाड के बाद मनु का समर्पण और जसपाल का साथ काम आया। मनु ने न सिर्फ 10 मीटर एयर पिस्टल की ओलंपिक टीम में जगह बनाई बल्कि शनिवार को क्वालिफाइंग दौर में 580 का विश्वस्तरीय स्कोर कर तीसरे स्थान पर रहते हुए इस इवेंट के फाइनल में भी जगह बनाई। मनु 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और 70 से अधिक राष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2021 में हुए ओलंपिक में वह सातवें स्थान पर रहीं। 2023 में मनु ने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। वह पेरिस ओलंपिक में 21 सदस्यीय भारतीय शूटिंग टीम से कई व्यक्तिगत स्पर्धाओं में हिस्सा लेने वाली एकमात्र एथलीट हैं। हरियाणा के झज्जर में जन्मीं मनु भाकर ने स्कूल के दिनों में टेनिस, स्केटिंग और मुक्केबाजी समेत कई खेलों में हिस्सा लिया। मुक्केबाजी खेलते वक्त मनु के आंख पर चोट लग गई थी। इसी के बाद उनका बॉक्सिंग में सफर खत्म गया। हालांकि, मनु के अंदर खेलों को लेकर एक अलग जुनून था, जिसके चलते वह एक बेहतरीन निशानेबाज बनने में कामयाब रहीं। अब उन्होंने देश को गौरवान्वित किया है। मनु कभी कबड्डी के मैदान में उतरीं तो कभी कराटे में हाथ आजमाया। शूटिंग को प्राथमिक रूप से चुनने से पहले मनु ने स्केटिंग, मार्शल आर्ट्स, कराटे, कबड्डी सब खेला। 16 साल की उम्र में मनु ने 2018 में आईएसएसएफ विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और दो स्वर्ण पदक जीते। उसी साल मनु ने राष्ट्रमंडल खेलों और यूथ ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया। दोनों प्रतियोगिताओं में मनु ने स्वर्ण पदक हासिल किया। मनु के पिता राम किशन भाकर ने उनका हमेशा साथ दिया। पिता ने मनु को पूरा समर्थन दिया। जिस खेल में उन्हें आगे बढ़ने का मन था उसी में बढ़ने दिया। बहुत से विद्यार्थियों की तरह मनु भी नौवीं कक्षा तक डॉक्टर बनना चाहती थीं। वह खेल में शुरू से अच्छी रही लेकिन पढ़ाई पर मुख्य ध्यान रहा। 10वीं में मनु के जीवन का अलग मोड़ आया, जब कक्षा में टॉप करने के साथ उनका चयन शूटिंग के लिए राष्ट्रीय टीम में हुआ। उनके कोच अनिल जाखड़ के कहने पर मनु ने शूटिंग को एक मौका दिया और 11वीं में जब वह 16 साल की थी तब आईएसएसएफ विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेल और यूथ ओलंपिक खेल में स्वर्ण पदक जीतकर अपना नाम बनाया।

जल्दी ही बीकानेर को मिलेगी वंदे भारत ट्रेन की सौगात: केंद्रीय कानून मंत्री

बीकानेर, 28 जुलाई। पिछले कई वर्षों में रेलवे की ओर से बीकानेर मंडल में काफी रेल सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। अब रेलवे बीकानेर मंडल की रेल सुविधाओं में बढ़ोतरी करते हुए एक और बड़ी सौगात देने जा रहा है। बीकानेर दौरे पर आए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने आज इस संबंध में एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान बताया कि दो महीने बाद यानी अक्टूबर महीने से बीकानेर रेलवे स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन संचालित होना शुरू हो जाएगी। हालांकि यह ट्रेन कहां के लिए चलेगी इस बारे में अभी पता नहीं चल पाया है लेकिन जानकारों का मानना है कि संभवतः यह आधुनिक ट्रेन बीकानेर से दिल्ली के बीच चलाई जाएगी। गौरतलब है कि बीकानेर के बाशिंदों द्वारा पिछले काफी समय से मांग की जा रही थी कि वंदे भारत ट्रेन बीकानेर रेलवे स्टेशन से भी चलाई जाए। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल भी लगातार इस ओर प्रयास कर रहे थे। ऐसे में अब वंदे भारत ट्रेन संचालित किए जाने की घोषणा बीकानेर और आसपास क्षेत्रों के लोगों के लिए खुशी की खबर है।

खराब शहरी नियोजन की कीमत चुका रहे लोग: राहुल गांधी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 28 जुलाई। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग संस्थान में हादसे को लेकर लोकसभा में विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में जलभराव में मृत तीन विद्यार्थियों की मौत पर शोक जताया। राहुल ने कहा कि लोग असुरक्षित निर्माण, खराब शहरी नियोजन (टाउन प्लानिंग) और संस्थानों की गैर जिम्मेदारी की कीमत चुका रहे हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली में एक इमारत के बेसमेंट में जलभराव के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की मौत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ दिन पहले बारिश के दौरान बिजली का झटका लगने से एक छात्र की मौत हो गई थी। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई। साथ ही कहा कि बुनियादी ढांचे का यह पतन सिस्टम की विफलता है। लोग असुरक्षित निर्माण, खराब टाउन प्लानिंग और हर स्तर पर संस्थानों की गैरजिम्मेदारी की कीमत अपनी जान गंवाकर चुका रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि सुरक्षित और आरामदायक जीवन प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनको सुरक्षित

जीवन जीने का माहौल दे। कोचिंग सेंटर में हुई घटना को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सरकार और एमसीडी पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है। बल्कि मानव निर्मित त्रासदी है। बेसमेंट में कोचिंग सेंटर कैसे चल रहा था? क्या उनके पास लाइसेंस था? क्या उनके पास सब कुछ था। एमसीडी के कागजात? हमें इन सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे पर सवाल उठाना और आरोप-प्रत्यारोप करना बहुत आसान है। मगर इससे आम आदमी को परेशानी हो रही है। राष्ट्रीय राजधानी की सरकार असंवेदनशील है और यह गलत है। शनिवार की शाम को कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से एक छात्र और दो छात्राओं की मौत हो गई। इनकी पहचान श्रेया यादव, तान्या सोनी और नेविन डेल्विन के रूप में हुई है। तीनों के परिजनों को सूचना दे दी है। छात्रा श्रेया यादव यूपी के अंबेडकर नगर की रहने वाली थी। जबकि छात्रा तान्या तेलंगाना की रहने वाली थी। छात्र नेविन केरल का रहने वाला था। वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। करीब आठ महीने से वह सिविल सर्विस की तैयारी कर रहा था। हादसे के बाद कोचिंग सेंटर के मालिक और कॉर्डिनेटर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। दोनों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

लोगों को लूट कर बनाया तिहाड़ जेल से भी बड़ा महल

सौरभ शर्मा

चंडीगढ़, 28 जुलाई। विधानसभा हलका गिद्दड़बाहा के गांव दोदा में शनिवार को मालवा नहर प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने पहुंचे सीएम भगवंत मान ने लोगों को संबोधित करते हुए बादल परिवार और शिरोमणि अकाली दल पर जमकर कटाक्ष किए। सीएम मान ने कहा कि बीते दिनों मैंने मोहाली के सिसवां में सुखबीर बादल के आलीशान होटल सुख विलास में हुई करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी का मामला उजागर किया था। जल्द ही सुख विलास पैलेस होटल पर बड़ी कार्रवाई करने जा रहा हूं। सीएम ने कहा कि सरकार करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी को लेकर कार्रवाई करेगी। सीएम ने बादल परिवार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नहरें तो बादलों के खेतों में जाकर खत्म हो जाती हैं। लोगों से लूट कर गांव बादल में तिहाड़ जेल से भी बड़ी दीवारों वाला महल तैयार किया गया है। इनको क्या पता नहर और मोघे क्या हैं। आज उनकी छाती पर यह नहर बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बादल परिवार ने कभी नहीं सोचा कि किसानों को नहर बनाकर दी जाए। मैं तो संगरूर से आया हूं, लेकिन संगरूर से आकर बादल के पैतृक जिले के लोगों के लिए सोच रहा हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पास से राजस्थान फीडर व सरहिंद फीडर नहर गुजरती है। राजस्थान फीडर से वे पानी नहीं ले सकते। पुराने कानून बने हुए हैं, लेकिन इधर से पानी पाकिस्तान को जा रहा है। ये कहां लिखा है कि इंटरनेशनल स्तर पर पानी जा सकता है, लेकिन वह नहीं ले सकते। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। आजादी के बाद पहली नहर बनने जा रही है। जो काम 40 साल पहले हो जाना चाहिए था, वह अब हो रहा है, इस बात का दुख भी लगता है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) पर राजनीतिक प्रहार करते हुए सीएम मान ने कहा कि पार्टी ने पंथ के मुद्दों का सहारा लेकर लोगों से कई वर्षों तक वोट लिए। लोग कांग्रेस को भी वोट डालते रहे, लेकिन किसी ने नहीं सोचा कि नहर बनाई जाए। पंथ के नाम पर वोट लेने लोग फिर आएंगे। अकाली दल बादल अब दुहाई दे रहा है कि क्षेत्रीय पार्टी को बचा लें। असल में यह अपने परिवार को बचाने की बात कर रहे हैं। सांसद हरसिमरत कौर बादल पर कटाक्ष करते हुए मान ने कहा कि अब संसद में बीबा जी कह रहीं हैं कि राजस्थान को जाने वाले नहरी पानी का मुद्दा उठा रहीं हैं

मणिपुर के लोग पूछ रहे यहां कब आएंगे प्रधानमंत्री: जयराम रमेश

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 28 जुलाई। दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में शामिल होने पहुंचे मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह पर कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि क्या सीएम बीरेन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हिंसाग्रस्त मणिपुर की स्थिति बताई। साथ ही क्या मणिपुर आने के लिए कहा? कांग्रेस के महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में दो बैठकों में भाग लिया। पहले नीति आयोग और दूसरी भाजपा शासित राज्यों के सीएम-डिप्टी सीएम की बैठक में वह शामिल हुए। रमेश ने कहा कि मणिपुर के लोग पूछ रहे हैं कि क्या एन बीरेन सिंह ने पीएम से अलग से मुलाकात की? मुख्यमंत्री ने तीन मई 2023 की रात से जल रहे मणिपुर की स्थिति के बारे में पीएम को बताया? वहीं मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में उन्होंने पार्टी को मजबूत करने और इसकी विचारधारा को बनाए रखते हुए राष्ट्र की सेवा करने की भावना व्यक्त की। साथ ही नीति आयोग की बैठक में देश की प्रगति में तेजी लाने और बाधाओं को दूर करने की रणनीति बनाई गई। मणिपुर में पिछले एक साल से ही हिंसा जारी है। दरअसल, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पिछले साल तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। शनिवार को दिल्ली में नीति आयोग की बैठक हुई थी। इसमें 10 राज्य नहीं शामिल हुए थे, जबकि 26 राज्यों ने इसमें हिस्सा लिया था। जो राज्य नहीं शामिल हुए थे उनमें केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और पुद्दुचेरी हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने निचली अदालतों की कार्य प्रणाली पर उठाए सवाल

बंगलूरू, 28 जुलाई। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बार फिर से निचली अदालत के न्यायाधीशों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि अपराध के महत्वपूर्ण मुद्दों पर याचिकाकर्ता को जमानत न दिया जाना बेहद संदेहास्पद लगता है। मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी मामले की बारीकियों को देखने के लिए मजबूत सामान्य ज्ञान की भावना की आवश्यकता है। डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'जिन लोगों को निचली अदालतों से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें असल में जमानत नहीं दी जाती। इस वजह से याचिकाकर्ता को उच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। इसके अलावा जिन लोगों को उच्च न्यायालय से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें वहां जमानत नहीं मिलती और इस वजह से उन्हें सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करनी पड़ती है। इस देरी से उन लोगों को परेशानी होती है, जिन्हें मनमाने तरीके से गिरफ्तार किया गया है।' दरअसल, भारत के मुख्य न्यायाधीश बर्कले सेंटर में मनमानी गिरफ्तारियों से जुड़े एक सवाल के जवाब में ये बातें कहीं। संवाद के दौरान एक व्यक्ति ने कहा, 'हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं, जहां पहले किसी के द्वारा कोई कृत्य किया जाता है और उसके बाद माफी मांगी जाती है। यह तब सच हो जाता है जब नागरिक संस्थाओं द्वारा राजनीति से प्रेरित होकर कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, और विपक्षी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार किया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि ऐसी सभी तरह की कार्रवाइयां इस भरोसे के साथ की जातीं हैं कि न्याय मिलने में देरी होगी। इसके जवाब में सीजेआई ने कहा, 'हमें उन लोगों पर भरोसा करना सीखना होगा, जो इस कानून प्रणाली का हिस्सा हैं।

लोकसभा के बाद विधानसभा चुनाव में इस रणनीति को अपनाएगी सपा: अखिलेश

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 28 जुलाई। समाजवादी पार्टी पीडीए के डी को मजबूत करेगी। यानी, दलितों पर फोकस बढ़ाएगी। इसके लिए फैजाबाद (अयोध्या) के सांसद अवधेश प्रसाद का चेहरा आगे किया जाएगा। प्रदेश में जगह-जगह उनकी बैठकें लगाई जाएंगी। आवश्यकता के हिसाब से प्रदेश के बाहर भी भेजा जाएगा। कुल मिलाकर अक्तूबर में होने वाले विधानसभा उपचुनावों और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 22 फीसदी दलित वोटरों पर पार्टी की नजर है। यूपी में सपा ने सबसे ज्यादा 37 लोकसभा सीटें जीती हैं और इसी बढ़त को विधानसभा चुनाव में भी बनाए रखने की रणनीति के साथ पार्टी आगे बढ़ रही है। यही वजह है कि अखिलेश यादव राजनीतिक रूप से सभी अहम फैसले इस तरह से ले रहे हैं, ताकि वोट बैंक में वृद्धि हो सके। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के लिए अपने

चाचा व पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल यादव के नाम पर विचार न करना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव में सपा को 33.59 प्रतिशत मत मिले थे। इस मत प्रतिशत को बढ़ाने के लिए उनकी नजर दलित मतदाताओं पर लगातार बनी हुई है। प्रदेश में मुस्लिम और यादव मतदाता उसके साथ मजबूती से खड़े हैं। लोकसभा चुनाव में कुर्मी समेत अन्य पिछड़ी जातियों के अलावा दलितों के भी एक हिस्से का उसे साथ मिला। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अब इन्हीं दलित जातियों पर अधिकाधिक फोकस कर रहे हैं। यही वजह है कि वे अवधेश प्रसाद के राजनीतिक बयानों को खुद अपने एक्स एकाउंट से पोस्ट कर रहे हैं। सपा सूत्रों के मुताबिक, पार्टी एक पूरी टीम तैयार कर रही है, जो दलितों के बीच जाकर काम करेगी। इसमें अनुसूचित जाति के नेताओं को मुख्य रूप से शामिल किया गया है। पिछड़े व अगड़े स्थानीय नेता उनकी पर्दे के पीछे से रहकर मदद करेंगे। सपा की रणनीति है कि सिर्फ प्रदेश में ही नहीं, बल्कि अयोध्या से जीते अवधेश प्रसाद को देश के दूसरे हिस्सों में भी भेजकर दलित मतदाताओं को अपने पक्ष में किया जाए। अब इसमें सपा कितना सफल होगी, यह तो भविष्य ही बताएगा।

ओल्ड राजेंद्र नगर कोचिंग सेंटर हादसा: हिरासत में मालिक और कॉर्डिनेटर

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 28 जुलाई। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग संस्थान में हादसे के बाद कोचिंग सेंटर के मालिक और कॉर्डिनेटर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। दोनों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। शनिवार की शाम को कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से एक छात्र और दो छात्राओं की मौत हो गई। इनकी पहचान श्रेया यादव, तान्या सोनी और नेविन डेल्विन के रूप में हुई है। तीनों के परिजनों को सूचना दे दी है। छात्रा श्रेया यादव यूपी के अंबेडकर नगर की रहने वाली थी। जबकि छात्रा तान्या तेलंगाना की रहने वाली थी। छात्र नेविन केरल का रहने वाला था। वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। करीब आठ महीने से वह सिविल सर्विस की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने तीनों के परिवारों को सूचित कर दिया गया है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त एम हर्षवर्धन ने बताया मरने वालों की पहचान हो गई है। इसमें एक लड़की यूपी के अंबेडकर नगर और छात्र केरल का रहने वाला है, जबकि दूसरी छात्रा तेलंगाना की रहने वाली है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 105, 106(1), 152, 290 और 35 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। उधर, कोचिंग संस्थान में बचाव अभियान का काम लगभग पूरा हो गया है। कुछ ही पानी बाकी बचा है। बेसमेंट समेत इमारत पूरी तरह खाली हो गई है। कोई वहां नहीं फंसा है। हादसे के बाद दिल्ली की मेयर ने भवन उपनियमों का उल्लंघन कर चल रहे कोचिंग सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है। दिल्ली फायर सर्विसेज के निदेशक अतुल गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि हमें कल शाम 7.12 बजे घटना की जानकारी मिली। हमने मौके पर पांच दमकल गाड़ियां भेजीं। जब हम वहां पहुंचे तो देखा कि बेसमेंट में पानी भर गया था। सड़क और बेसमेंट का लेवल बराबर हो गया था। जब सड़क पर पानी कम हुआ तो पानी निकालने और पंपिंग का काम शुरू हुआ। तीन शव बरामद हुए। बिल्डिंग को फायर एनओसी दी गई थी और बेसमेंट का इस्तेमाल स्टोरेज और

पार्किंग के लिए किया जाना था। मालिक ने इसका दुरुपयोग किया। हम उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे और अब हम उनकी एनओसी वापस लेंगे। दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने एमसीडी कमिश्नर को आदेश दिया है कि दिल्ली भर में ऐसे सभी कोचिंग सेंटर जो एमसीडी के अधिकार क्षेत्र में हैं और बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधियां चला रहे हैं जो भवन उपनियमों का उल्लंघन कर रहे हैं और मानदंडों के अनुसार नहीं हैं, उनके खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस घटना के लिए एमसीडी के कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं, इसकी पहचान करने के लिए तत्काल जांच की जाएगी। यदि कोई अधिकारी दोषी पाया जाता है, तो उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उधर, कोचिंग संस्थान के बाहर आरएएफ की यूनिट को तैनात किया गया है। ओल्ड राजेंद्र नगर घटना पर दिल्ली मेयर शैली ओबेरॉय ने कहा कि कल बहुत ही दुखद घटना हुई... जैसी ही घटना की जानकारी मिली मैं तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। वहां पर ह्रष्ठक्रस्न की टीम बचाव अभियान कर रही थी। दुःख की बात है कि इस घटना में तीन बच्चों की मौत हो गई। मैंने कमिश्नर ह्रष्ठ को एक पत्र लिखा है जिसमें वो संस्थान जो ह्रष्ठ के क्षेत्राधिकार में आते हैं और वहां पर कानून के विरोध बेसमेंट में कोचिंग सेंटर चल रहे हैं उस पर सख्त कार्रवाई हो। अगर इस मामले ह्रष्ठ अधिकारी शामिल मिलते हैं तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई हो। अगर ऐसे गैर कानूनी तरीके से कोचिंग सेंटर चल रहे हैं तो उस पर कार्रवाई होगी और अधिकारी पर भी कार्रवाई होगी ऐसे समय में हमें आरोप-प्रत्यारोप नहीं करना चाहिए बल्कि कार्रवाई करनी चाहिए। उधर, दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, वहां जो हुआ है वह कोई हादसा नहीं बल्कि हत्या है। बेसमेंट में लाइब्रेरी कैसे चल रही थी? पहले जो जांच बिठाई गई थी उसका क्या हुआ? ये छात्र देश का भविष्य हैं... काफी घंटे हो गए हैं इस घटना को लेकिन दिल्ली के मंत्रियों में वहां (घटना स्थल पर) जाने की हिम्मत नहीं हो रही है। इस पूरे घटना में आप लोग (दिल्ली सरकार) शामिल हैं। लोग लगातार नाले की सफाई कराने को कह रहे थे, आप क्या कर रहे थे? क्क सरकार ने पूरी दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। उनकी (छात्रों की) क्या गलती है, जो पूरे देश से पढ़ने के लिए दिल्ली आते हैं? आप लोगों को शर्म आनी चाहिए। ओल्ड राजेंद्र नगर हादसा 7 दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, वहां जो हुआ है वह कोई हादसा नहीं बल्कि हत्या है। बेसमेंट में लाइब्रेरी कैसे चल रही थी? पहले जो जांच बिठाई गई थी उसका क्या हुआ? ये छात्र देश का भविष्य हैं... काफी घंटे हो गए हैं इस घटना को लेकिनज् दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर कोचिंग सेंटर की घटना पर डीसीपी सेंट्रल एम हर्षवर्द्धन ने कहा कि कल शाम एक बेसमेंट में पानी भर जाने की वजह से कुछ लोगों के फंसे होने की खबर मिली। बचाव अभियान शुरू किया गया, जिसमें दिल्ली पुलिस और दिल्ली फायर सर्विस के साथ-साथ एनडीआरएफ भी शामिल थी। खोज और बचाव अभियान के बाद बेसमेंट से 3 शव बरामद किए गए। उन तीनों की पहचान कर ली गई है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। श्रेया यादव यूपी के अंबेडकर नगर जिले की मूल निवासी हैं, तान्या सोनी का स्थायी पता तेलंगाना है और केरल के एर्नाकुलम निवासी नेविन डालविन था। बीएनएस की धारा 105, 106 (1), 115 (2), 290 और 35 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह मामला कोचिंग संस्थान और इमारत के प्रबंधन और उन लोगों के खिलाफ है जो उस जगह के नाले के रखरखाव के लिए जिम्मेदार थे अभी तक हमने उस कोचिंग सेंटर के मालिक और समन्वयक को हिरासत में लिया है इसमें जो दोषी पाए जाएंगे

मध्य चीन में भूस्खलन से छह लोगों की मौत, छह घायल

एजेंसी

बीजिंग। मध्य चीन के हुनान प्रांत के एक गाँव में बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद छह लोग मृत पाए गए और छह अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। भूस्खलन प्रांत के हेंगयांग शहर के यूलिन गांव में सुबह स्थानीय समयानुसार लगभग आठ बजे हुआ जिससे गांव में एक घर का हिस्सा ढह गया। अधिकारियों ने मलबे के नीचे 18 लोगों के दबे होने की आशंका जतायी है। बचावकर्मियों को रविवार सुबह स्थानीय समयानुसार 10:30 बजे तक 12 लोग मिले, जिनमें से छह की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल थे। राहत एवं बचाव के प्रयास जारी हैं।

इजराइल के गोलान हाइट्स में हमले में 12 की मौत

यरुशलम। इजरायल के नियंत्रण वाले गोलान हाइट्स के मजदल शम्स शहर में गोलाबारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। टाइम्स ऑफ इजरायल अखबार ने इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगरी के हवाले से यह जानकारी दी। अखबार के मुताबिक इजरायल एम्बुलेंस सेवा (एमडीए) ने बताया कि गोलान हाइट्स में हमले में 10 लोग मारे गए हैं। बाद में टाइम्स ऑफ इजरायल अखबार ने श्री हगरी का हवाला देते हुए बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। उधर, लेबनानी आंदोलन हिजबुल्लाह ने मजदल शम्स शहर पर गोलाबारी में शामिल होने से इनकार किया। इसके बावजूद, इजरायली अधिकारियों ने हिजबुल्लाह और लेबनान के खिलाफ युद्ध की घोषणा करना शुरू कर दिया।

सूडान के एल फ़ैशर पर अर्धसैनिक बलों के हमले में मारे गये 25 लोग

खार्तूम। पूर्वी सूडान में उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर के पड़ोस में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा तोपखाने की गोलाबारी में कम से कम 25 लोग मारे गए। राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम खतिर ने बताया, आरएसएफ मिलिशिया ने एल फशर के कई इलाकों में हिंसक तोपखाने गोलाबारी की, जिसमें 25 से अधिक लोग मारे गए और 50 से अधिक घायल हो गए।' ख़तीर ने आरएसएफ पर एल फ़ैशर में नागरिकों पर गोलाबारी करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हथियारों का उपयोग करने का आरोप लगाया। खतीर ने कहा, 'वहां असामान्य रूप से जले हुए घायल लोग हैं। इसका कारण रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल हो सकता है।' आरएसएफ ने अभी तक हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तान में 38 आतंकवादी गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) की पुलिस ने जुलाई में पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में 38 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। सीटीडी के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रांत के शहरों में चलाये गये खुफिया-आधारित अभियानों में गिरफ्तारियां की गईं। प्रवक्ता ने कहा, 'सीटीडी ने इस महीने के दौरान पूरे प्रांत में 449 खुफिया-आधारित अभियान चलाए।' सीटीडी अधिकारी के अनुसार, गिरफ्तार आतंकवादी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और प्रतिबंधित इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह के सदस्य है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अभियान में पुलिस ने बड़ी मात्रा में विस्फोटक, हथगोले, हथियार, मोबाइल फोन और विदेशी तथा स्थानीय मुद्रा भी जब्त किए हैं।

गांधीजी का अहिंसा का संदेश मौजूदा समय में भी प्रासंगिक : जयशंकर

गांधीजी का अहिंसा का संदेश मौजूदा समय में भी प्रासंगिक : जयशंकर

एजेंसी

टोक्यो। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मौजूदा समय में समय में भू-राजनीतिक संघर्ष और तनाव के मद्देजनर महात्मा गांधी का वह संदेश, जिसमें उन्होंने कहा था कि समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आते हैं और कोई भी युग युद्ध का युग नहीं होना चाहिए, उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय था।

श्री जयशंकर ने जापान की राजधानी टोक्यो में एडोगावा के फ्रीडम प्लाजा में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया और इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, गांधीजी के संदेश कालातीत हैं। मैं आज कहूंगा कि ऐसे समय में जब हम दुनिया में इतना संघर्ष, इतना तनाव, इतना ध्रुवीकरण, इतना रक्तपात देख रहे हैं, गांधीजी का वह संदेश बहुत महत्वपूर्ण है, जिसमें उन्होंने कहा था समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आते हैं, कोई भी युग युद्ध का युग नहीं होना चाहिए। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना 80 साल पहले था। गांधीजी को सतत विकास का मूल पैगम्बर बताते हुए विदेश मंत्री ने कहा, स्थायित्व, जलवायु प्रेम, हरित विकास, हरित नीतियों के संदर्भ में, गांधीजी सतत विकास के मूल पैगम्बर थे। वे प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने के सबसे बड़े पैरोकार थे। इसलिए गांधीजी का संदेश केवल सरकारों के लिए नहीं है, बल्कि हर किसी को अपनी जीवन शैली में अपनाना चाहिए। निश्चित रूप से, गांधीजी समावेशिता के पैरोकार थे और यही हम आज भारत और दुनिया भर में देख रहे हैं। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी की उपलब्धियां उनके समय से कहीं अधिक आगे की हैं, समय बीतने के साथ उनका महत्व और भी बढ़ गया है। इससे पहले भारतीय दूतावास ने एक्स पर कहा, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर दो दिवसीय यात्रा पर जापान पहुंचे और राजदूत सिबी जॉर्ज ने उनका स्वागत किया। दूतावास ने कहा, श्री जयशंकर टोक्यो के एडोगावा में फ्रीडम प्लाजा में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। विदेश मंत्री लाओस के वियनतियाने से टोक्यो पहुंचे हैं, जहां उन्होंने दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान)-संबंधी कई बैठकों में भाग लिया और कई विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

टोक्यो में, विदेश मंत्री सोमवार को क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। वहीं आज अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

चीन का बदायूं जारान रेगिस्तान यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल

एजेंसी

बीजिंग। चीन के बदायूं जारन रेगिस्तान - टावर्स ऑफ सैंड एंड लेक्स को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। चीन के राष्ट्रीय वानिकी एवं चरागाह प्रशासन के अनुसार, भारत की राजधानी नयी दिल्ली में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46वीं बैठक यह निर्णय लिया गया। उत्तर-पश्चिमी चीन के अति-शुष्क क्षेत्र में स्थित बदायूं जारन रेगिस्तान देश का तीसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान और दूसरा सबसे बड़ा ड्रिफ्टिंग रेगिस्तान है।

रेगिस्तान की उल्लेखनीय विशेषताओं में दुनिया का सबसे ऊंचा, स्थिर रेत का मेगा-ड्यून शामिल है, जिसकी सापेक्ष ऊंचाई 460 मीटर है, अंतर-ड्यूनल झीलों की उच्चतम सांद्रता, तथाकथित गायन रेत और हवा से नष्ट हुए भू-आकृतियों का सबसे बड़ा विस्तार शामिल है। प्रशासन ने कहा कि चीन प्राकृतिक विरासत स्थलों के संरक्षण तथा प्रबंधन को और बढ़ाएगा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करेगा और वैश्विक पारिस्थितिक सभ्यता को बढ़ावा देगा।

चार घंटे की घेराबंदी के बाद बीआरयूआर कुलपति समेत 20 को बचाया

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश में आरक्षण के विरोध लेकर चल रहे प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को बेगम रोकेया विश्वविद्यालय, रंगपुर में आग लगा दी जिससे के कुलपति सहित बीस लोग चार घंटे तक वीसी के आवास में फंसे रहे।

अधिकारियों ने मीडिया को यह जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक दोपहर को हुए इस हमले में वीसी प्रोफेसर डॉ. एमडी हसीबुर राशिद के आवास पर तोड़फोड़ की गई। आगजनी में फंसे हुए लोगों में वीसी, उनका परिवार, विश्वविद्यालय के कोषाध्यक्ष, शिक्षक संघ के महासचिव और प्रॉक्टर शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमलावर जिन्हे बाहरी बताया गया है, आवास में लूटपाट की और भूतल में आग लगा दी। प्रोफ़ेसर डॉ. हसीबुर रशीद ने बताया, 'मैं विश्वविद्यालय के कोषाध्यक्ष, प्रॉक्टर, शिक्षक संघ के महासचिव और अधिकारियों के साथ मौजूदा स्थिति के बारे में बैठक कर रहा था जब उन्होंने हमला किया। हम सभी जान बचाने के लिए दूसरी मंजिल पर चले गये। अग्निशमन सेवा सहित विभिन्न अधिकारियों को फोन करने के बावजूद, मेरे घर और विश्वविद्यालय के आसपास हुड़दगियों के कारण कोई नहीं आ सका। उन्होंने आगे कहा, आखिरकार, मैंने मदद के लिए गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को फोन किया। जब उन्होंने फोन रिसीव किया, तो मैंने अपनी जान की गुहार लगाई। फिर पुलिस, बीजीबी और आरएबी की एक टीम पहुंची, हमें बचाया और सीधे सर्किट हाउस ले गई। परिणामस्वरूप, हम निश्चित मृत्यु से बच गये।

चार घंटे की घेराबंदी के बाद बीआरयूआर कुलपति समेत 20 को बचाया

एजेंसी

ढाका। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने अमेरिका द्वारा मध्यम दूरी की मिसाइलों की तैनाती को लेकर फिलीपींस को चेतावनी देते हुए कहा है कि इस तरह के कदम से क्षेत्रीय तनाव बढ़ सकता है और हथियारों की होड़ शुरू हो सकती है।

फिलीपींस के एक सैन्य अधिकारी ने बाद में कहा, 'अमेरिका ने इस साल की शुरुआत में संयुक्त सैन्य अभ्यास के तहत फिलीपींस में अपना 'टाइफ़ोन मिसाइल सिस्टम' तैनात किया था। अभ्यास के दौरान इसे दागा नहीं गया था,' हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह देश में कितने समय तक रहेगा।

विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, 26 जुलाई को विएंतियाने में एक बैठक के दौरान श्री वांग ने फिलीपींस के विदेश सचिव एनरिक मनालो से कहा, 'चीन-फिलीपींस संबंध अब एक चौराहे पर हैं और बातचीत और परामर्श ही सही रास्ता है। श्री वांग ने कहा कि दोनों देशों के बीच स्वस्थ संबंध बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि फिलीपींस ने दोनों पक्षों की आम सहमति और अपनी प्रतिबद्धताओं का बार-बार उल्लंघन किया है।श्री वांग ने कहा, यदि फिलीपींस अमेरिका की मध्यम दूरी की मिसाइल प्रणाली को लागू करता है, तो इससे क्षेत्र में तनाव और टकराव पैदा होगा तथा हथियारों की होड़ शुरू हो जाएगी, जो पूरी तरह से फिलीपींस के लोगों के हितों और इच्छाओं के अनुरूप नहीं है।'

चीन और फिलीपींस विवादित दक्षिण चीन सागर में टकराव में उलझे हुए हैं और उनके बीच टकराव और भी तनावपूर्ण हो गया है, क्योंकि बीजिंग उन जलक्षेत्रों पर अपना दावा कर रहा है, जिनके बारे में मनीला का कहना है कि वे उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के भीतर हैं। श्री वांग ने कहा कि चीन ने हाल ही में फिलीपींस के साथ रेनाई जियाओ - जिसे द्वितीय थॉमस शोल के रूप में भी जाना जाता है - तक मानवीय आपूर्ति के परिवहन और पुनःपूर्ति पर एक अस्थायी व्यवस्था की है, ताकि समुद्री स्थिति की स्थिरता बनाए रखी जा सके।

तुर्की के हवाई हमलों में इराक में 25 कुर्द आतंकवादी ठिकाने नष्ट

एजेंसी

अंकारा। (आईएएनएस) तुर्की की सेना ने उत्तरी इराक में सीमा पार अभियान के तहत हवाई हमले किए, जिसमें प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के 25 ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। देश के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हवाई हमलों का उद्देश्य तुर्की सुरक्षा बलों के खिलाफ हमलों को विफल करना और देश की सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

इसमें कहा गया कि उत्तरी इराक के गारा, कंदील और असोस क्षेत्रों में पीकेके द्वारा गुफाओं, आश्रयों, बंकरों, डिपो और अन्य सुविधाओं सहित लक्ष्यों का उपयोग किया गया था। बयान के अनुसार, इस अभियान में बड़ी संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया गया। तुर्की के अधिकारी अक्सर अपने बयानों में 'निष्प्रभावी करना' शब्द का प्रयोग यह दर्शाने के लिए करते हैं कि कथित 'आतंकवादियों' ने या तो आत्मसमर्पण कर दिया है, या उन्हें मार दिया गया है, या उन्हें पकड़ लिया गया है। तुर्की सुरक्षा बल अक्सर उत्तरी इराक में सीमा पार अभियान चलाते हैं, यह क्षेत्र पीकेके आतंकवादियों के ठिकानों और ठिकानों पर स्थित है, जहां से वे तुर्की के खिलाफ हमले करते हैं। पीकेके को तुर्की, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, तथा इसने तीन दशकों से अधिक समय से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह किया है। 2024 में वैल्यूएशन आसमान छूने के साथ, कई निवेशक स्टॉक में ज़्यादा पैसे लगाने को लेकर असहज हैं। सुनिश्चित नहीं हैं कि आगे कहाँ निवेश करें? हमारे सिद्ध पोर्टफोलियो तक पहुँच प्राप्त करें और उच्च-संभावित अवसरों की खोज करें। अकेले 2024 में, ProPicks के ,I ने 2 स्टॉक की पहचान की जो 150फीसदी से ज़्यादा बढ़े, 4 अतिरिक्त स्टॉक जो 30फीसदी से ज़्यादा उछले, और 3 और जो 25त्न से ज़्यादा चढ़े। यह एक प्रभावशाली ट्रैक रिकॉर्ड है। डॉव स्टॉक, एसएंडपी स्टॉक, टेक स्टॉक और मिड कैप स्टॉक के लिए तैयार किए गए पोर्टफोलियो के साथ, आप विभिन्न धन-निर्माण रणनीतियों का पता लगा सकते हैं।

द. चीन में हानजियांग नदी में इस साल पांचवीं बार आई बाढ़

एजेंसी

बीजिंग। दक्षिण चीन में पर्ल रिवर बेसिन केहानजियांग नदी में इस साल पांचवीं बार बाढ़ आई है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार भारी बारिश के कारण नदी की मुख्यधारा पर स्थित सान्हे बांध में जल स्तर 42.01 मीटर तक पहुंच गया। मंत्रालय बाढ़ की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और बाढ़ को रोकने के लिए नदी के किनारे तीन जलाशयों से कुल 220 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी को छोड़ने की व्यवस्था की है। पूर्वोत्तर चीन में दूसरी सोंगहुआ नदी में शनिवार को इस साल पहली बाढ़ आई। इसके ऊपरी हिस्से में स्थित फेंगमैन जलाशय में पानी का प्रवाह 9,010 क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड हो गया। मंत्रालय ने स्थानीय अधिकारियों से जलाशयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, छोटी और मध्यम आकार की नदियों में बाढ़ का प्रबंधन करने और पहाड़ी बाढ़ को रोकने का आग्रह किया है। जुलाई के अंत से अगस्त की शुरुआत तक मूसलाधार बारिश के कारण चीन के कई हिस्सों में अचानक बाढ़ ला दी है।

मध्य चीन में भूस्खलन से छह लोगों की मौत, छह घायल

एजेंसी

बीजिंग। मध्य चीन के हुनान प्रांत के एक गाँव में बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद छह लोग मृत पाए गए और छह अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूस्खलन प्रांत के हेंगयांग शहर के यूलिन

गांव में रविवार सुबह स्थानीय समयानुसार लगभग आठ बजे हुआ जिससे गांव में एक घर का हिस्सा ढह गया। अधिकारियों ने मलबे के नीचे 18 लोगों के दबे होने की आशंका जतायी है। बचावकर्मियों को सुबह स्थानीय समयानुसार 10:30 बजे तक 12 लोग मिले, जिनमें से छह की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल थे। राहत एवं बचाव के प्रयास जारी हैं।

चीनी विदेश मंत्री ने अमेरिकी मिसाइल की तैनाती पर फिलीपींस को चेतावनी दी

एजेंसी

वियनतियाने। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने फिलीपींस के विदेश सचिव एनरिक मनालो से मुलाकात की और अमेरिकी मध्यवर्ती मिसाइल प्रणाली की तैनाती पर फिलीपींस को चेतावनी दी।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य श्री वांग ने कहा कि चीन और फिलीपींस समुद्र पार करीबी और अच्छे पड़ोसी हैं और पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग और आम विकास दोनों देशों के बुनियादी हितों में हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में चीन-फिलीपींस संबंधों के सकारात्मक और नकारात्मक सबक ने बार-बार साबित किया है कि अच्छे संबंध बनाना आसान नहीं है, लेकिन उन्हें समाप्त करना आसान है। श्री वांग ने कहा कि वर्तमान में चीन-फिलीपींस संबंध गंभीर कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जो इस तथ्य में निहित हैं कि फिलीपींस पक्ष ने बार-बार दोनों पक्षों की सहमति और अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन किया है, लगातार समुद्री अधिकारों के उल्लंघन को आगे बढ़ाया है और जनता की राय की अटकलों को बढ़ाया है।

श्री वांग ने कहा कि चीन इस बारे में गंभीर रूप से चिंतित है और इसका कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा कि अगर फिलीपींस अमेरिकी मध्यवर्ती मिसाइल प्रणाली अपनाता है, तो यह क्षेत्रीय तनाव और टकराव उत्पन्न करेगा, जिससे हथियारों की दौड़ शुरू हो जाएगी, जो पूरी तरह से फिलिपींस के लोगों के हितों और आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं है। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि चीन ने हाल ही में समुद्री स्थिरता बनाए रखने के लिए रेनाई जियाओ को मानवीय आपूर्ति के परिवहन और पुनःपूर्ति के लिए फिलीपींस के साथ एक अस्थायी व्यवस्था की है। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि फिलीपींस को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना और अपनी स्थिति को बदलने से बचना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो चीन निश्चित रूप से इसका कड़ा जवाब देगा। श्री वांग ने कहा कि चीन-फिलीपींस संबंध अब एक चौराहे पर हैं और बातचीत और परामर्श के अलावा संघर्ष और टकराव से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि फिलीपींस चीन-फिलीपींस संबंधों के भविष्य के बारे में गंभीरता से विचार करेगा और चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को जल्द से जल्द सही रास्ते पर लेकर आएगा। अपनी ओर से श्री मनालो ने कहा कि फिलीपींस और चीन के बीच पारंपरिक मित्रता का लंबा इतिहास रहा है और उन्होंने समान व्यवहार और पारस्परिक लाभ के आधार पर एक व्यापक रणनीतिक सहकारी संबंध स्थापित किया है। श्री मनालो ने कहा कि समुद्री मुद्दों के कारण दोनों पक्षों के सामने आने वाली कठिनाइयों और चुनौतियों के बावजूद, फिलीपींस बातचीत और परामर्श के माध्यम से स्थिति को सामान्य बनाने और रचनात्मक रूप से मतभेदों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि दक्षिण चीन सागर पर द्विपक्षीय परामर्श तंत्र की हालिया बैठक, जिस दौरान दोनों पक्ष समुद्री स्थिति का प्रबंधन करने के लिए सहमत हुए, अपनी-अपनी स्थिति से समझौता किए बिना दोनों पक्षों की सद्भावना को दर्शाता है। श्री मनालो ने कहा कि फिलीपींस आम सहमति को लागू करने के लिए तैयार है, यह देखते हुए कि अगले वर्ष फिलीपींस और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ है और फिलीपींस आपसी विश्वास बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों में सुधार लाने के लिए चीन के साथ संचार को ईमानदार और व्यावहारिक रूप से मजबूत करने के लिए तैयार है।

लाओस ने जारी किया अयोध्या के रामलला पर डाक टिकट

एजेंसी

वियनतिएन। दक्षिण पूर्वी एशिया के देश लाओस ने भारत के साथ अपने सभ्यतागत जुड़ाव को प्रदर्शित करते हुए विश्व का पहला ऐसा डाक टिकट जारी किया है

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

चार घंटे की घेराबंदी के बाद बीआरयूआर कुलपति समेत 20 को बचाया

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश में आरक्षण के विरोध लेकर चल रहे प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बेगम रोकेया विश्वविद्यालय, रंगपुर (बीआरयूआर) में आग लगा दी जिससे के कुलपति (वीसी) सहित बीस लोग चार घंटे तक वीसी के आवास में फंसे रहे। अधिकारियों ने मीडिया को यह जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक मंगलवार दोपहर को हुए इस हमले में वीसी प्रोफेसर डॉ. एमडी हसीबुर राशिद के आवास पर तोड़फोड़ की गई। आगजनी में फंसे हुए लोगों में वीसी, उनका परिवार, विश्वविद्यालय के कोषाध्यक्ष, शिक्षक संघ के महासचिव और प्रॉक्टर शामिल थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हमलावर जिन्हे बाहरी बताया गया है, आवास में लूटपाट की और भूतल में आग लगा दी। प्रोफ़ेसर डॉ. हसीबुर रशीद ने बताया, मैं विश्वविद्यालय के कोषाध्यक्ष, प्रॉक्टर, शिक्षक संघ के महासचिव और अधिकारियों के साथ मौजूदा स्थिति के बारे में बैठक कर रहा था जब उन्होंने हमला किया। हम सभी जान बचाने के लिए दूसरी मंजिल पर चले गये। अग्निशमन सेवा सहित विभिन्न अधिकारियों को फोन करने के बावजूद, मेरे घर और विश्वविद्यालय के आसपास हुड़दगियों के कारण कोई नहीं आ सका। उन्होंने आगे कहा, आखिरकार, मैंने मदद के लिए गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को फोन किया। जब उन्होंने फोन रिसीव किया, तो मैंने अपनी जान की गुहार लगाई। फिर पुलिस, बीजीबी और आरएबी की एक टीम पहुंची, हमें बचाया और सीधे सर्किट हाउस ले गई। परिणामस्वरूप, हम निश्चित मृत्यु से बच गये।

सिलहट में बीएनपी व जमात कार्यकर्ताओं सहित 139 गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश के सिलहट में सरकारी नौकरी में आरक्षण सुधार की मांग को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात कार्यकर्ताओं सहित लगभग 139 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मीडिया को यह जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में डिप्टी-कमिश्नर मोहम्मद सैफुल इस्लाम के हवाले से बताया गया कि आरक्षण सुधार के लिए छात्रों के प्रदर्शन के दौरान झड़प, बर्बरता और आगजनी से संबंधित 11 मामलों में पुलिस ने शनिवार सुबह तक 139 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्टों के मुताबिक गिरफ्तार लोगों में बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ता शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि मामलों में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और विशेष अधिकार अधिनियम के तहत पुलिस पर हमला तथा बाधा शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि छह मामले कोतवाली पुलिस स्टेशन में, चार जलालाबाद पुलिस स्टेशन में और एक मामला दक्खिन सूरमा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है।

संसद की प्राथमिक भूमिका संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संसद की प्राथमिक भूमिका संविधान तथा लोकतंत्र की रक्षा करना है और कोई भी कार्यवाही समीक्षा से परे है।

श्री धनखड़ ने आज राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय मुद्दों और हितों को राजनीतिक विचारों से ऊपर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद की मूल भूमिका संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना है। संसद से अधिक गंभीर लोकतंत्र का संरक्षक कोई नहीं हो सकता। उन्होंने सांसदों से कहा, यदि लोकतंत्र पर कोई संकट आता है, यदि लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला होता है, तो आपकी भूमिका निर्णायक होती है। श्री धनखड़ ने कहा कि संसद की मूल मुख्य और निर्णायक भूमिका दो हैं । इनमें

संविधान का सृजन और संरक्षण करना तथा प्रजातन्त्र की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा के लिए कोई भी विषय वर्जित नहीं है, बशर्ते उचित प्रक्रिया का पालन किया जाए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सदन की प्रक्रिया के नियमों में निर्धारित उचित प्रक्रिया का पालन किए जाने पर किसी भी विषय, किसी भी व्यक्ति, किसी भी व्यक्ति और अध्यक्ष के आचरण पर भी चर्चा की जा सकती है। संसद की स्वायत्तता और अधिकार पर जोर देते हुए श्री धनखड़ ने कहा, संसद अपनी प्रक्रिया और अपनी कार्यवाही के लिए सर्वोच्च है। सदन में, संसद में कोई भी कार्यवाही समीक्षा से परे है, चाहे वह कार्यपालिका हो या कोई अन्य प्राधिकारी। उन्होंने कहा कि संसद के अंदर जो कुछ भी होता है, उसमें अध्यक्ष के अलावा किसी को भी हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। यह कार्यपालिका या किसी अन्य संस्था का नहीं हो सकता। उन्होंने

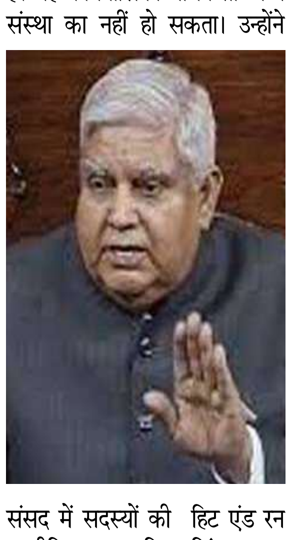

संसद में सदस्यों की हिट एंड रन रणनीति पर अत्यधिक चिंता व्यक्त की उन्होंने कहा कि एक सदस्य संसद में बोलने से पहले मीडिया को बाइट देता है, संसद में केवल ध्यान और मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए बोलता है और फिर अन्य सदस्यों की बात सुने बिना सदन से बाहर निकल जाता है और फिर बाहर जाकर मीडिया को बाइट देता है। यह बहुत ही चिंताजनक है।

उन्होंने कहा, इससे बड़ी विभाजनकारी गतिविधि कोई और नहीं हो सकती। आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का एक दर्दनाक, हृदय विदारक और सबसे काला अध्याय बताते हुए श्री धनखड़ ने जोर दिया कि उस दौरान भारतीय संविधान केवल एक कागज़ तक सीमित रह गया था, जिसमें मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन किया गया था और नेताओं को अन्यायपूर्ण तरीके से जेल में डाला गया था। राज्यसभा के सभापति ने देश में संसदीय प्रणाली की मौजूदा स्थिति पर दुख जताते हुए कहा कि ऐसा समय आता है जब राष्ट्रीय मुद्दों और हितों को राजनीतिक विचारों से ऊपर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की स्थिति चिंताजनक है और संसद में व्यवधान और गड़बड़ी को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र की मूल भावना पर हमला है। गरिमा को नुकसान पहुंचाना लोकतंत्र की जड़ों को हिलाना है। लोकतंत्र के लिए इससे बड़ा कोई खतरा नहीं हो सकता कि यह धारणा बनाई जाए कि अशांति और व्यवधान संसद और राष्ट्र की प्रतिष्ठा की कीमत पर राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए राजनीतिक हथियार हैं।

विचार-विमर्श और संवैधानिक मूल्यों एवं स्वतंत्रता के केंद्र के रूप में संसद की भूमिका पर श्री धनखड़ ने विशुद्ध राजनीतिक दृष्टिकोण से हटकर राष्ट्रवाद और देश के व्यापक कल्याण पर केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

नोएडा में भाजपा का बजट विश्लेषण

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के नोएडा जिला कार्यालय में केंद्रीय बजट 2024 पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा के महामंत्री और एमएलसी सुभाष यदुवंशी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ महिला आयोग की अध्यक्षा बिमला बाथम, क्षेत्रीय मंत्री बिजेंद्र नागर और जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता भी मंच पर मौजूद थे। एमएलसी सुभाष यदुवंशी ने कहा कि यह बजट देश के हर प्रदेश की आवाज को प्रतिबिंबित करता है। मोदी सरकार ने युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की है। उन्होंने विशेष रूप से मातृशक्ति, कृषि विकास, युवा सशक्तीकरण और गरीब कल्याण पर केंद्रित नीतियों की सराहना की। जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बजट की नौ प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला, जिनमें कृषि में उत्पादकता, रोजगार सृजन, समावेशी विकास, विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार और अनुसंधान शामिल हैं।

ठगी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । दक्षिण पश्चिमी जिले के घिटोरनी में एक छात्र से 15 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। वारदात करने वाला जालसाज भी एक छात्र ही था जोकि जेईई की तैयारी कर रहा था। इसने पीड़ित को क्रिप्टो करेंसी में निवेश से ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम दे डाला। फिलहाल पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस ने इसे उत्तराखंड के काठगोदाम से गिरफ्तार कर लिया है। इसके पास से पुलिस को एक मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड व पासबुक बरामद हुआ है। पुलिस पकड़े गये आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि 23 जुलाई को घिटोरनी निवासी ऋतिक सिंह ने पुलिस को 15 लाख रुपए की ठगी की शिकायत दी थी। शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि ऋतिक एक छात्र है और इसके पिता सुरक्षा गार्ड का काम करते हैं। इसने अपनी आगे की पढ़ाई को जारी रखने व अपने परिवार की मदद करने के लिए अपने मेहनत से कमाए रुपये निवेश किए थे। आरोपित के बैंक खातों की जानकारी निकालने पर खाता उत्तराखंड के काठगोदाम निवासी 18 वर्षीय प्रियांशु रावत के नाम से दर्ज मिला। लेकिन उसका मोबाइल नंबर बंद आ रहा था।

लूटपाट के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। कापसहेड़ा पुलिस ने लूट के एक मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान गुरुग्राम के न्यू पालम विहार निवासी करन व मुरादाबाद (उ.प्र) निवासी आकाश के रूप में हुई है। इनके पास से लूट की वारदात में इस्तेमाल तमंचा व स्कूटी के अलावा दो कारतूस बरामद किया गया है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि 20 जुलाई को कापसहेड़ा थाने में लूट की पीसीआर कॉल मिली। कॉल पर मिली सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस को शिकायतकर्ता राजस्थान के अलवर निवासी बबली चौधरी मिले। वे टैक्सीचालक हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह सुबह 8.30 बजे धौला कुआं पेट्रोल पंप के पास गुरुग्राम जाने वाली सवारियों का इंतजार कर रहे थे कि तभी तीन लोग आकर उनकी टैक्सी में बिजवासन जाने के लिए सवार हुए। जाते हुए टैक्सीचालक ने देखा कि पीछे एक स्कूटी सवार उनका पीछा कर रहा है। पीड़ित ने तीनों को बिजवासन पहुंचाया तो उतरते ही तीनों लड़कों ने पीड़ित से लड़ना शुरू कर दिया। यह देखते ही स्कूटी चालक पिस्टल लेकर वहां आ गया और पीड़ित से उनकी सारी कमाई व अन्य सामान उन्हें सौंपने के लिए कहने लगा। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित का मोबाइल फोन व टैक्सी लूट ली और पीड़ित किसी तरह जान बचाकर वहां से बचकर भागे और वहां से गुजर रहे एक टैक्सी चालक की मदद से आरोपियों का पीछा करने लगे। थोड़ी दूर जाकर ढेर सारे पशुओं के आने की वजह से आरोपितों को टैक्सी रोकना पड़ा और फिर वे टैक्सी वहीं छोड़कर भाग गए।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मोची रामचैत के लिए भेजी सिलाई मशीन

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यूपी के सुल्तानपुर में मोची रामचैत से मुलाकात करने के बाद एक कदम उठाया है। उन्होंने रामचैत के लिए जूते सिलने की मशीन भिजवाई है। इसकी जानकारी कांग्रेस से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए दी। कांग्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा, जननायक राहुल गांधी जी कल सुल्तानपुर (यूपी) में मोची रामचैत जी से मिले थे, उनके काम की बारीकियों को समझा था। अब उनके लिए जूते सिलने की मशीन भिजवाई है, जिससे रामचैत जी को जूते की सिलाई में आसानी होगी। ऐसे हैं आपके राहुल, जन-जन के राहुल। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को मानहानि मामले में सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट में पेश हुए थे। कोर्ट से निकलने के बाद एयरपोर्ट जाने के दौरान वह एक मोची की दुकान पर रुके थे। राहुल गांधी ने इस दौरान मोची से बातचीत की थी और उनका हालचाल भी जाना था।

मंत्रियों की 'आपत्तिजनक' टिप्पणियों को लेकर गोगोई ने बिरला को पत्र लिखा

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर ''गिरते संसदीय आचरण'' पर चिंता जताई और सदन में कुछ मंत्रियों द्वारा विपक्षी नेताओं के खिलाफ कथित तौर पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियो का उल्लेख भी किया।

गोगोई ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ और रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के खिलाफ धमकी भरी एवं असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया। बिरला को लिखे अपने पत्र में असम के जोरहाट से कांग्रेस सांसद ने लोकसभा अध्यक्ष से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की और उम्मीद जताई कि वह संसद सदस्यों के खिलाफ ''निंदनीय टिप्पणियां''

करने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं आपको लोकसभा में संसदीय आचरण के गिरते स्तर के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने के लिए लिख रहा हूं। यह मौजूदा सत्र के कई उदाहरणों से पता चलता है। अक्सर, सरकार के मंत्री ही विपक्षी दलों के सदस्यों के खिलाफ असंसदीय, आपत्तिजनक और धमकी भरे बयान देते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि 26 जुलाई को केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ ''धमकी भरी भाषा'' का इस्तेमाल किया। गोगोई ने आरोप लगाया कि 25 जुलाई को रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख और राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी का जिक्र करते हुए ''असंसदीय भाषा'' का इस्तेमाल किया।लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता ने सदन में अपने हस्तक्षेप के दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा ''सांप्रदायिक भाषा'' का उपयोग करने का उदाहरण भी दिया। उन्होंने बिरलला को लिखे पत्र में कहा, ''यह जानकर निराशा हुई कि संसदीय कार्य मंत्री ने सदन में मौजूद होने के बावजूद जब ये घटनाएं हुईं तो अपने सहयोगियों को नहीं रोका।' उनका कहना है, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस सरकार ने संसद की प्रक्रियाओं, परंपराओं और मर्यादाओं को लगातार नजरअंदाज किया है और विपक्ष की आवाज के लिए कोई जगह नहीं छोड़ी है।'' गोगोई ने कहा कि सदन का प्रत्येक सदस्य अपने मतदाताओं की आवाज का प्रतिनिधित्व करने के लिए समान जिम्मेदारी रखता है और इस बात पर जोर दिया कि मतभेद के परिणामस्वरूप इसका अनादर नहीं होना चाहिए।

दिल्ली सरकार और एमसीडी के स्कूलों में हुआ मेगा पीटीएम का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार व एमसीडी के सभी स्कूलों में उत्सव के रूप में मेगा पीटीएम का आयोजन किया गया। दिल्ली सरकार के स्कूलों में अभिभावकों का कॉन्फिडेंस और उनके चेहरे की खुशी ये साबित कर रही थी कि इन स्कूलों में उनके बच्चों के भविष्य की शानदार नींव डाली जा रही है और बच्चों को वर्ल्ड-क्लास एजुकेशन दी जा रही है, तो दूसरी तरह एमसीडी के स्कूलों में अभिभावक इस विश्वास के साथ आए थे कि अब दिल्ली सरकार के स्कूलों की तरह एमसीडी में भी उनके बच्चों के स्कूल शानदार बनेंगे और उन्हें बेहतरीन शिक्षा मिल सकेगी। मेगा पीटीएम के मौक़े पर शिक्षामंत्री आतिशी ने गवर्नमेंट बॉयज़ सीनियर सेकेंड्री स्कूल, गढ़ी, कालकाजी व नगर निगम प्राथमिक को-एड विद्यालय, ईस्ट ऑफ़ कैलाश में आयोजित हो रहे पीटीएम में शामिल होकर पेरेंट्स व बच्चों के साथ बातचीत की। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज दिल्ली सरकार और एमसीडी के सभी स्कूलों में मेगा पीटीएम एक उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है और मुझे इस बात की खुशी है कि मेगा पीटीएम में अभिभावक बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे है। शिक्षकों से बच्चों के लर्निंग, उनके प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं।

स्वर्गीय रामनिवास जी की प्रथम पुण्यतिथि कांस्टीट्यूशन क्लब नई दिल्ली में मनायी गयी

अंकित मित्तल

नई दिल्ली। दिनांक 23.7.24 को कर्नाटक के पूर्व केंद्रीय वाणिज्य मंत्री एवम् पूर्व मुख्यमंत्री स्व.राम कृष्ण हेगडे द्वारा स्थापित लोक शक्ति पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय रामनिवास जी की प्रथम पुण्यतिथि कांस्टीट्यूशन क्लब नई दिल्ली में मनायी गयी जिसमें देश भर से शुभचिंतक, मित्र, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकत्रित हुए और स्वर्गीय रामनिवास जी को नम आंखों से श्रृद्धांजलि दी। इस अवसर पर सभी वक्ताओं में श्री रामनिवास यादव जी के आदर्शों पर चलने और उनके अधूरे रह गए मिशन को पूरा करने का संकल्प लिया। स्वच्छ छवि और विलक्षण प्रतिभा की धनी श्री राम निवास जी का पिछले वर्ष 23 जुलाई 2023 को हृदय गति रुक जाने से दिल्ली में निधन हो गया था। पुण्य स्मृति सभा मे उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में स्वर्गीय रामनिवास जी की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन यादव , पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र सिंह बघेल, उत्तर प्रदेश के रिटायर्ड अपर पुलिस महानिदेशक आईपीएस विजेंद्र सिंह. अखिल भारतीय लोधी महासभा के नेता और लोक शक्ति पार्टी के संयोजक श्री महेंद्र सिंह लोधी, वरिष्ठ चिकित्सक डा. एस एन गौतम, राम नगीना जी,सरदार मुकेश सैनी एडवोकेट, पार्टी के प्रदेश संयोजक/यूथ ब्रिगेड के प्रभारी अमरदीप वर्मा, प्रजापति महासभा के नेता नीरज प्रजापति, इंद्रपाल सिंह वर्मा एडवोकेट, महेश लोधी, सुमित रमन ,वेदपाल शास्त्री जी जयपाल शास्त्री, चौधरी विजेंद्र सिंह एडवोकेट , उदय प्रकाश एडवोकेट, और जयपाल शास्त्री आदि मौजूद रहे ।संचालन कार्यक्रम के संयोजक अनिल वर्मा एडवोकेट और ऐडवोकेट गोखलेश यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन रामनिवास जी के पुत्र एडवोकेट नकुल देव ने किया।

विपक्षी गठबंधन को खुश करने के लिये झूठ फैला रही हैं ममता: सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का माइक्रोफोन बंद किये जाने के दावे को 'मिथ्या प्रचार' बताया और कहा कि वह विपक्षी इंडिया गठबंधन को खुश करने के लिये ऐसा कर रही हैं।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि सुश्री बनर्जी ने बैठक में अपने पूरे समय का उपयोग किया और अपनी बात रखी।उन्होंने इस विषय पर कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश के सोशल मीडिया पर जारी बयान के जवाब में कहा, ÷ लेकिन अब जब वह बाहर बेबुनियाद बातें कह रही हैं, तो मैं केवल यही निष्कर्ष निकाल सकती हूँ कि वह इंडिया गठबंधन को खुश रखने की कोशिश कर रही हैं। ÷

वित्त मंत्री ने कहा, जयराम आप तो वहां (बैठक में) थे भी नहीं। हम सभी ने माननीय मुख्यमंत्री को सुना। उन्होंने अपने पूरे निर्धारित समय तक बोला। हमारी टेबल के सामने लगी

स्क्रीन पर (वक्ताओं का) समय दिखता था। कुछ दूसरे मुख्यमंत्रियों ने अपने निर्धारित समय से ज़्यादा समय तक बात की। उनके अनुरोध पर, बिना किसी शोर-शराबे के उन्हें अतिरिक्त समय दिया गया। माइक बंद नहीं किये गये, किसी के लिये नहीं, खास तौर पर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के लिये नहीं।

श्रीमती सीतारमण ने कहा, ममता जी ने मिथ्या बातें फैलाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि वह (ममता) बैठक शामिल हुईं। मुझे खुशी तब हुई, जब उन्होंने कहा कि वह बंगाल और वास्तव में पूरे विपक्ष के लिये बोल रही हैं। मैं (सीतारमण) उनकी बातों से सहमत या असहमत हो सकती हूँ। लेकिन अब जब वह बाहर बेबुनियाद बातें कह रही हैं, तो मैं केवल यही निष्कर्ष निकाल सकती हूं कि वह इंडिया गठबंधन को खुश रखने की कोशिश कर रही हैं। श्री रमेश ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में नीति आयोग की बैठकों को एक तमाशा करार देते हुये कहा था , आज पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के साथ इस तरह का व्यवहार, हालांकि नीति आयोग के लिये विशिष्ट है, अस्वीकार्य है। श्री रमेश ने कहा है कि नीति आयोग का काम इसके गठन के समय से ही स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण रहा है, और यह पेशेवर और स्वतंत्र से बिलकुल अलग है। यह सभी अलग-अलग और असहमतिपूर्ण दृष्टिकोणों को दबाता है, जो एक खुले लोकतंत्र का सार है।

केजरीवाल सरकार दिल्ली की कानून व्यवस्था भी ठीक कर सकती है - आम आदमी पार्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में हो रही अपराध की घटनाओं पर केंद्र सरकार के गृह मंत्री और दिल्ली के एलजी को घेरा है। पार्टी की प्रवक्ता रीना गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली में पुलिस की कमी है, दिल्ली पुलिस के बजट को भी कम कर दिया गया है और लगातार अपराध की घटनाएं बढ़ती जा रही है। गृह मंत्री और एलजी दिल्ली को अपराध की राजधानी बनाकर ही मानेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वी दिल्ली में पिछले तीन महीने में 20 हत्या की घटनाएं हुई है। जिस तरह की यह घटनाएं है, वह पहले चंबल में हुआ करती थी। दिल्ली की इस बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था के लिए जिम्मेदार बीजेपी के एलजी वीके सक्सेना हैं। पिछले साल देश के 19 शहरों में एक सर्वे हुआ था। इस सर्वे में सामने आया था कि दिल्ली देश का सबसे असुरक्षित शहर है। एनआरसीबी का रिकॉर्ड बताता है कि पिछले वर्ष दिल्ली में हर रोज 23 चोरी की घटनाएं, 15 अपहरण और 3 बलात्कार के केस हुए हैं। उन्होंने कहा कि अपराध के मामले में देश की राजधानी दिल्ली अव्वल दर्जे पर पहुंच चुकी है। लेकिन, बीजेपी के एलजी साहब को इसकी कोई चिंता नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार ने दिल्ली पुलिस के बजट को 500 करोड़ रुपए कम कर दिया। पहले दिल्ली की गलियों में रात को बीट कांस्टेबल गश्त लगाया करते थे, अब यह बंद हो चुका है। इसके पीछे दिल्ली पुलिस में जवानों की कमी है। दिल्ली पुलिस में 14 हजार से ज्यादा पद खाली पड़े हैं।

अभाविप प्रतिनिधिमंडल ने एनटीए में सुधार के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति को दिए सुझाव

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में सुधार के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष डॉ के राधाकृष्णन को दिल्ली में एक विस्तृत सुझाव पत्र दिया। इसमें एनटीए की कार्यप्रणाली तथा जेईई, नीट, यूजीसी-नेट जैसी विभिन्न परीक्षाओं में सुधार के बिषयों को प्रमुखता से रखा गया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपने सुझाव पत्र में एनटीए में प्रशासनिक सुधार, परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाने, परीक्षा के आयोजन के लिए उच्च स्तरीय आधारभूत संरचना के विकास जैसे विषयों से जुड़े सुझाव दिए हैं। इनमें प्रमुख रूप से राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में पर्याप्त संख्या में स्थायी कर्मचारियों की नियुक्ति, शासकीय संस्थानों को ही परीक्षा केंद्र बनाने, नीट-यूजी की परीक्षा जेईई की तर्ज पर दो चरणों में आयोजित करने, परीक्षाओं के आयोजन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाने, ओएमआर शीट को एनटीए वेबसाइट पर अपलोड करने आदि हैं अभाविप ने अपने सुझाव-पत्र में कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के आयोजन में इंटरनेट सुरक्षा, एआई आधारित प्रॉक्टरिंग एल्गोरिथम अपनाने, गुणवत्तापूर्ण व सही अनुवाद, पेपर लीक से जुड़े कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, उत्तर कुंजी की घोषणा के दौरान नगण्य त्रुटियां सुनिश्चित करने, तय समय में शिकायत निवारण, परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बैंक को बनाने के लिए विषय विशेषज्ञ टीम के गठन आदि विषयों को भी प्रमुखता से रखा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का स्पष्ट मत है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की विश्वसनीयता को लेकर छात्रों के मन में संदेह को दूर कर परीक्षाओं के प्रति छात्रों के विश्वास बहाली को लेकर आवश्यक कदम शीघ्र उठाए जाने चाहिए। एनटीए तथा परीक्षाओं के आयोजन से जुड़ी अन्य संस्थाओं में वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप उचित सुधार शीघ्र हों। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि विद्यार्थी परिषद द्वारा बीते दो सप्ताह में मानविकी, मेडिकल, इंजीनियरिंग, विज्ञान आदि विषयों के छात्रों से विस्तृत संवाद कर तय किए गए

Name Change
I hitherto known as Shalu D/O: Laxmi Narain, R/O 213/2B ,Street No-11,Than Singh Nagar,VTC: Anand Parbat,PO: Karol Bagh, District: Central Delhi, Delhi,-110005,have changed my name and shall hereafter be known Shalu Narain.

Name Change
I,Sudhir Kumar Sharma S/o,Jai Bhagwan,R/o Wz 932,Gali No1,Ramesh Nagar Ratan Park Basai Darapur Ramesh Nagar West Delhi -110015 have changed my name from Sudhir Kumar Sharma to Sudhir Kumar for all future purposes.

Name Change
I, NITIN JAIN S/O J P JAIN R/O C-68 PREM KUTIR APARTMENT, SECTOR-9, ROHINI, SECTOR-7, NORTH WEST DELHI, DELHI-110085 have changed the name of my minor daughter AISHNA JAIN alias AISHNA aged 13 years and she shall hereafter be known as SHUBHI JAIN.

Name Change
I, hitherto known as DEEPANSHU TALIB S/o VICKY TALIB residing at A-3 / 58-59, Rohini, Sector – 11, North West Delhi, Delhi -110085 have changed my name and shall hereafter be known as DEEPANSHU RIJWANI. I have changed only my name not my religion

Name Change
I, Rameshidevii w/o Chhagan Bhat R/o E-3/1492, Block-E, Transit Camp, Anand Parbat, New Delhi -110005, have changed my name to Rameshwari for all future Purposes

Name Change
I Mohd Saleem S/O late Ali sher R/O J -15A J-EXT gali no.- 9 Laxmi nagar delhi-110092 have changed my name Md Saleem to Mohd Saleem for all future purposes

Name Change
I, AZEEM KHAN S/O ABDUL SALAM KHAN residing at 7848, 3RD FLOOR, NAI BASTI BARA RAO, DELHI - 110006 have changed my name to MOHD AZEEM KHAN for all future purposes

Name Change
I, BHAGYASHREE wife of NO-2807655H Rank-HAV Name- PATOLE SOPAN MADHUKAR R/O VILL-ASHAPUR, PO-THANGOAN, TEH-SINNAR, DIST-NASHIK, MAHARASHTRA-422103 have changed my name from BHAGYASHREE to BHAGYASHREE SOPAN PATOLE for all future purposes vide affidavit dated 27/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
It is for general information that I, MUKESH S/o BHOJ RAJ, R/o House No.- 211, Gali No.-2, Bishan Vihar, Chauhan Patti, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as MUKESH KUMAR and TANUJ GAUTAM in my minor son namely TANUJ KUMAR aged 16 years in his school record. The actual name of mine and my minor son are MUKESH and TANUJ KUMAR, which may be amended accordingly.

Name Change
I Rajindra Singh S/o budh ram R/o 756 Maidan Gadhi Delhi 110068 have changed my name to Rajender Singh for all future purposes.

Name Change
I ADRASH KUMARI W/0 MOHIT KUMAR R/0 1188 A DABUA COLONY FARIDABAD HARYANA HAVE CHANGE NAME TO ADARSH KUMARI FOR ALL

Public Notice
My client Sh. Balbir Singh S/o sh.Mahender Singh and smt.Parkash Kaur W/o Sh.Balbir Singh, R/O- H.No-53 and 53C, Khasra No.-18/8 and 18/7, Nihal Vihar, Nangloi, New Delhi-110041, has disowned his Son Heera Singh, his wife including Preeti Kaur and their child Gurdeep Singh, from them all moveable-immovable properties and sever all relation with them due to them disobedience & very disturbed and anguished about continued misbehavior, irresponsible conduct. My client will not be responsible for them any acts.
AKANKSHA KAUR ADVOCATE
A-389, D.D.A COLONY,
TILAK NAGAR
NEW DELHI 110018.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, JC-344355K, NB SUB,-ANIL BISHT Residing at NEAR NIMBUCHAUR PRIMARY SCHOOL, VILL-DURGAPUR, PO-NIMBUCHAUR, TEHSIL-KOTDWARA, DSITT-PAURI, UTTARAKHAND-246149, in my service records my mother's (KALAWATI DEVI) date of birth wrongly written as 16/04/1961 instead of her correct date of birth 24/05/1962 vide Affidavit dated 27/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, Trina D/O Swapan Kumar Naskar, F-55, DDA flat, Bindapur, Pocket-3, D.K Mohan Garden, Uttam nagar, New Delhi 110059, have Changed my name from TRINA to TRINA NASKAR.

Name Change
I, RAHUL Son of KAMAL SINGH, residing at Rajeev Garden, Agraula, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, hereby undertake that I, RAHUL want to change my name to RAJNI and gender as Female. I, RAHUL henceforth be known as RAJNI D/o KAMAL SINGH. The above statement made by me is true & correct to the best of my knowledge and belief.

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Smt. Lalita Devi, has agreed to create mortgage the described property in favour of MY CLIENT AADHAR HOUSING FINANCE LIMITED, Uttam Nagar Branch, Delhi, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely 1. Sh. Ashish Kumar 2.Sh. Akshay Rana has agreed to sell their property "Portion of Plot No. 5. Land Area Measuring 37.77 Sq. Yds., Out of Khasra No. 63/4, Situated in Village Hastsal, Colony Mohan Garden, Block-R, Uttam Nagar, New Delhi-110059". Hence any other co-sharer(s) Sh. Satish Kumar, Smt. Renu, Smt. Seema Dawar, Sh. Hukum Chand Bairwa, Smt. Ranju Gupta, Sh. Ram Kumar Gupta or any previous owners of the property, having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange mortgage equitable or deposit of title deed otherwise, gift, trust, inheritance, family arrangement maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, falling which the claim or claims, if any, of such persons shall be considered to have been waived and/or abandoned any my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the property.
Dated : 26-07-2024
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

Name Change
I, Kokila Desingu W/o kamalan Balagopalan R/O C-56, Pocket 2, Kendriya Vihar 2, Sector 82, Noida 201304 have changed my name from Kokila Desingu to Kokila Kamalan for all future purposes.

Name Change
I, hitherto known as SANJEEV KUMAR alias SANJEEV GOLA alias SANJEEV KUMAR GOLA S/o AMARJEET residing at 255, Shalimar Village Behind CC Market, North West Delhi, Delhi - 110088 have changed my name and shall hereafter be known as SANJEEV KUMAR GOLA.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्री नरेंद्र अरोड़ा उत्तर प्रदेश के ग्राम बेहटा हाजीपुर परगना लोनी तहसील और जिला गाजियाबाद में मधुबन कॉलोनी में स्थित खसरा नंबर 1834 में से 45 वर्ग गज का फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट खरीद रहे हैं। श्रीमती उर्मिला देवी से, स्वर्गीय श्रीमती सोना देवी की कानूनी उत्तराधिकारी की मृत्यु 19.10.2019 को हुई और उन्हें उक्त संपत्ति बिक्री विलेख दिनांक 28.01.2015, दस्तावेज़ संख्या 1816, खंड संख्या 29085 पृष्ठ संख्या 33-52 एसआर-जीजेडबी के माध्यम से खरीदी गई थी। IV, हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसका वित्तपोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में पीरामल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड) शाखा शाहदरा, दिल्ली द्वारा किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change
I, Vaishali Maitray D/o, Sudhir Kumar,R/o Wz 932,Gali No1,Ramesh Nagar Ratan Park Basai Darapur Ramesh Nagar West Delhi -110015 have changed my name from Vaishali Maitray to Vaishali Maitrey for all future purposes.

Name Change
I, Alka D/o Robert Samuel R/o H. No. C-22/8, 3rd Floor, B-Side, Gali No. 9, Sadh Nagar, Palam Colony, New Delhi-110045, have changed my name to Alka William for all future purposes

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री अंशदीप सिंह 00K 1.21Mls (आकार 20.6 फीट × 16 फीट) की फ्रीहोल्ड कमर्शियल प्रॉपर्टी शॉप के मालिक हैं, जिसका म्यूनिसिपल नंबर BS-11/16 फिरोजपुर सिटी पंजाब है। विक्रय विलेख दिनांक 03.04.2023, संख्या 2023-24/116/1/19 के आधार पर आज तक और उसका मूल विक्रय विलेख खो गया है/गुम हो गया है/ क्रमांक 3088 दिनांक 14.08.1991 को गुइचियन सिंह के पुत्र गुइमेल सिंह द्वारा उसके पक्ष में निष्पादित किया गया है। गुइबचन सिंह पुत्र हाकम सिंह और अन्य और विक्रय विलेख / विट संख्या 462 दिनांक 25.04.2011 को गुइबचन सिंह पुत्र हाकम सिंह और अन्य ने राकेश कुमार की पत्नी सुएश रानी के पक्ष में निष्पादित किया, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि कोई अन्य व्यक्ति ऐसा नहीं करता है उक्त संपत्ति पर उनका कोई अधिकार है, और इसका वित्त पोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा नोएडा उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

हरियाणा को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए 14 हजार करोड़ देगी मोदी सरकार : बिप्लब देब

कांग्रेस करती झूठ की बुनियाद पर राजनीति, बजट पर भी प्रदेशवासियों को कर रही गुमराह

एजेंसी

हिसार। हरियाणा विधानसभा चुनाव सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने कहा है कि केंद्र सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए हरियाणा को 14 हजार करोड़ रुपये देगी। उन्होंने इस बार के केंद्रीय बजट की खूबियां गिनाने के साथ-साथ कांग्रेस द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार पर भी हमला बोला।

बिप्लब कुमार देव जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ की बुनियाद पर राजनीति करती है और लोगों को बड़े-बड़े सपने दिखाकर गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बजट पर भी हरियाणा की जनता को गुमराह करने का घटिया खेल खेल रही है, जबकि केंद्र सरकार ने हरियाणा का बजट में भी विशेष ध्यान रखा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगभग 48 लाख करोड़ का बजट पेश किया है। यह बजट 2013-2014 के यूपीए सरकार के 16 लाख करोड़ के बजट से तीन गुणा अधिक है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 2024-25 के बजट में कैपिटल एक्सपेंडिचर भी 18.2 प्रतिशत बढ़ाया है। जब बजट का कैपिटल एक्सपेंडिचर बढ़ाया जाता है तो इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार की बुनियाद मजबूत होती है।

बिप्लब देव ने कहा कि मोदी सरकार ने युवाओं के लिए बजट में रोजगार का प्रावधान भी किया है जो यह प्रमाणित करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर वर्ग का ख्याल रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का 2024-25 का यह बजट भारत को सशक्त बनाने वाला बजट है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग बजट पर अफवाह और भ्रम की

स्थिति पैदा कर रहे हैं कि यह बजट सिर्फ बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए है। उन्होंने कहा कि बजट पूरे देश के विकास के लिए होता है। अलग-अलग योजनाओं के लिए सभी राज्यों को पौने पांच लाख करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। हरियाणा को भी 14 हजार करोड़ रुपये अलग-अलग स्कीमों के लिए मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए हरियाणा को 400 करोड़ रुपये मिलेंगे। बजट को बारीकी से बनाया गया है और हरियाणा में जो बाढ़ आती है उसके लिए भी 500 करोड़ का प्रावधान किया गया है। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद तथा विधानसभा चुनाव सह प्रभारी ने कहा कि बजट में मोदी सरकार ने बड़ी मात्रा में रोजगार की गारंटी दी है। देश की टॉप 500 कंपनियों में युवाओं को इंटरशिप का मौका दिया गया है। अब गांव का पढ़ा लिखा युवा भी टॉप कंपनियों में इंटरशिप कर सकता है और उसकी नौकरी भी उन्हीं कंपनियों में लग सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में रोजगार की कमी नहीं है, कमी सिर्फ कौशल की है। मोदी सरकार का युवाओं को तकनीकी आधार पर ट्रेंड करने का लक्ष्य है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए श्री देब ने कहा कि कांग्रेस की बुनियाद झूठ पर टिकी हुई है। कांग्रेस के लोग बड़े-बड़े सपने दिखाते हैं जो सुनकर तो अच्छा लगता है, लेकिन हकीकत में कुछ नहीं होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की झूठ और गलतफहमी फैलाने का परिणाम है कि 10 साल की हुड्डा सरकार को हरियाणा के लोगों ने एक झटके में उखाड़ फेंका था।

मीडिया प्रभारी सुरेश गोयल धूपवाला ने बताया कि इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डा. कमल गुप्ता, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, पूर्व जिला अध्यक्ष आशा खेदड़, जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर रतेरिया, प्रदेश सचिव कैप्टन भूपेंद्र सिंह, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री गायत्री यादव, जगदीश जिंदल व जगमोहन मित्तल आदि उपस्थित रहे।

युवाओं को खेल गतिविधियों के माध्यम से नशे से दूर रखने के हर संभव प्रयास किए जा रहे है - पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण

एजेंसी

सिरसा। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण के निर्देशानुसार हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत जिला पुलिस की ओर से युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने व उन्हें नशे से दूर रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है। इसी कड़ी में रानियां थाना क्षेत्र के गांव बणी में पुलिस टीम ने युवाओं को नशे दूर रहकर शिक्षा व खेल गतिविधियों में अपनी बेहतर प्रतिभा का प्रदर्शन कर मां-बाप तथा इलाके का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने कहा कि नशे जैसी सामाजिक बुराई को जड़ मूल से समाप्त करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। इसलिए जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में पूर्ण सहयोग करें। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने युवाओं व खिलाड़ियों से आह्वान करते हुए कहा कि युवा प्रण ले की न तो वे नशा करेंगे और न ही अपने आसपास नशा बिकने देंगे। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस की नशे के खिलाफ मुहिम से जुड़ कर अपने आसपास के लोगों को भी नशे के खिलाफ जागरुक करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशा कोई भी हो वह सिर्फ लोगों के स्वास्थ्य को तो खराब करता ही है,बल्कि नशे की लत में लोग अपने घर परिवार को भूल कर नशे की पूर्ति के लिए अपराध के दल-दल में फसते चले जाते है।

पूर्व की सरकार से वर्तमान सरकार ने दस गुणा अधिक विकास कार्य किए- कंवरपाल

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवरपाल ने यमुनानगर जिला के गांव किशनपुरा में करीब 2 करोड़ 78 लाख रुपए के विकास कार्यों के उद्घाटन व शिलान्यास किये। इस अवसर पर उन्होंने पोंटा साहिब रोड से किशनपुरा गांव तक डेढ़ किलोमीटर लंबी 95 लाख 26 हजार रूपये की लागत में बनी सड़क व 8 लाख रुपए की लागत से बने आंगनबाड़ी भवन का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने भूमि पूजन कर एक करोड़ 40 लाख रुपए से बनने वाले सद्भावना मंडप (बारात घर) का शिलान्यास किया। साथ ही उन्होंने किशनपुरा से गांव कड़कोली तक 34 लाख 88 हजार रुपये से बनने वाले पक्के रास्ते का भी शिलान्यास किया।कृषि मंत्री ने इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 10 साल पहले जितने कार्य पूर्व की सरकार में हुए थे, वर्तमान सरकार के कार्यकाल में उससे 10 गुना ज्यादा हुए हैं। उन्होंने बताया कि बिना पर्ची खर्ची के योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी युवाओं को मिल रही है।

जगाधरी में जनता दरबार लगाकर कृषि मंत्री ने सुनी जन समस्याएं

यमुनानगर। हरियाणा के कृषि मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने जनता की समस्याओं का हल करने के लिए आज जगाधरी विधानसभा के प्रताप नगर, छछरौली और जगाधरी शहर में जनता दरबार लगाया। इस दौरान उन्होंने जनता की समस्याओं को सुन मौके पर उसका समाधान किया। वहीं जनता दरबार में आए लोगों ने भी जनता दरबार की सराहना की। जगाधरी विधानसभा के गांव चिकन और इसी तरह गांव बागपत के ग्रामवासियों के साथ जनता दरबार में आए बागपत के सरपंच ने बताया की जो भी मुद्दे हमने कृषि मंत्री के सामने रखे उसका समाधान हो गया।वही लोगों ने कहा कि जनता दरबार में हमारी सुनवाई हो रही है। गौरतलब है कि हर शुक्रवार को कृषि मंत्री कंवर पाल गुर्जर जगाधरी की जनता से रूबरू होकर उनकी समस्याओं का समाधान करते है।वही जनता को कृषि मंत्री का ये अंदाज लोगो को खूब पसंद आ रहा है और वहां समस्याएं लेकर आने वाले लोग संतुष्ट होकर जा रहे है। वही तीनों जगह जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनते हुए कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने अधिकारियों को ये निर्देश दिए की जनता के कामों के किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

स्टार टीचर ऑफ निपुण अवॉर्ड से सम्मानित होंगे शिक्षक

जींद। राजकीय स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए प्रयासरत शिक्षा विभाग ने नई पहल शुरू की है, इसके तहत शिक्षण क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को स्टार टीचर ऑफ निपुण अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। बेहतर शिक्षकों के चयन के लिए इसके लिए जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारी अपने नेतृत्व में कमेटी का गठन करेंगे। यह कमेटी शिक्षकों की तरफ से कक्षा कक्ष में करवाई जाने वाली गतिविधियों व अन्य कार्यों का मूल्यांकन करेगी। इसके आधार पर शिक्षकों को अंक प्रदान किए जाएंगे। इन्हीं अंकों के आधार पर प्रत्येक खंड से पांच शिक्षकों का चयन किया जाएगा। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की तरफ से शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें सम्मानित करने का निर्णय लिया है। इससे शिक्षकों में परीक्षा परिणाम में सुधार लाने की होड़ बढ़ेगी और विद्यार्थियों को बेहतर करवाने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को स्टार टीचर ऑफ निपुण अवार्ड से स मानित किया जाएगा।

रेंज के पुलिस कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए बी-1 परीक्षा आयोजित

एजेंसी

हिसार। हिसार रेंज में सिपाही से मुख्य सिपाही की पदोन्नति के लिए होने वाली ऑनलाइन बी-1 परीक्षा का आयोजन हुआ। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर लैब में हुई इस परीक्षा का एडीजीपी सहित अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण किया।

हिसार रेंज के सभी छह जिलों से 527 पुलिस कर्मचारी इस परीक्षा के लिए पात्र रहे जिनमें से 523 पुलिस कर्मचारियों ने इस परीक्षा में भाग लिया। हुई इस परीक्षा के दौरान एडीजीपी ने परीक्षा केंद्र चेक किया। परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से करवाने के लिए एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया था। इस कमेटी में भिवानी के पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला व हिसार के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण इसके सदस्य हैं।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. एम. रवि किरण ने कहा कि बी-1 की परीक्षा, पुलिस में पदोन्नति की पहली सीढ़ी है। हर पुलिस कर्मचारी में आगे बढ़ने व पदोन्नति पाने का जज्बा होता है। पदोन्नति की यह पहली सीढ़ी है जो

पुलिस अधिकारी बनने के सपनों का साकार करती है। इस परीक्षा में पास होने वाले अभ्यार्थियों का इसके बाद फिजिकल व परेड टेस्ट लिया जाएगा। बी-1 परीक्षा में चयन होने उपरांत 4/6 माह के कोर्स के लिए पुलिस ट्रेनिंग कॉलेजों में भेजा जाता है, जहां इन्हें नैतिक मूल्यों, अनुशासन के साथ अनुसंधान की बारीकियों बारे भी पढाया जाता है। इस पदोन्नति परीक्षा में 523 पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया। इस प्रतिभागियों में से जिला हिसार से 132, पुलिस जिला हांसी से 120, जिला जींद से 100, जिला फतेहाबाद से 86, जिला सिरसा से 70 व पुलिस जिला डबवाली से 15 प्रतिभागी शामिल रहे। इस परीक्षा को सुनियोजित ढंग से संपन्न करवाने के लिए 21 व 22 जुलाई को एक मॉक टेस्ट का भी आयोजन किया गया था। रेंज के प्रत्येक जिले से एक-एक उप पुलिस अधीक्षक नोडल अधिकारी के रूप में अपनीङ्कअपनी टीम सहित इस परीक्षा का आयोजन करवाने के लिए पहुंचे।

पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने किया ऐलान, इस बार नहीं लड़ेगे विधानसभा चुनाव

एजेंसी

रोहतक। पूर्व सहकारिता मंत्री एवं प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष मनीष ग्रोवर ने कहा कि वह विधानसभा चुनाव नहीं लडेंगे़ बल्कि संगठन में रह कर काम करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से सक्रिय राजनीति में रहे है और पार्टी जो संगठन के लिए जो जिम्मेदारी उन्हें दी जाएगी, उसके दिन वह दिन रात एक कर देगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव न लडऩा उनका निजी फैसला है और न ही उनके परिवार से कोई चुनाव लड़ेगा।

पूर्व मंत्री ग्रोवर अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे हरियाणा मांगे हिसाब को लेकर भी पलटवार करते हुए कहा कि पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा व सांसद दीपेन्द्र हुड्डा समय व दिन तय कर ले। अपना भी हिसाब ले आएं। आमने-सामने बैठकर जनता के बीच में हिसाब दिया जाएगा। उन्होंने मौजूदा विधायक बीबी बतरा पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस विधायक बताए कि उन्होंने शहर के लिए कौन से कार्य किए है, यहां तक

कि शहर के लिए कोई प्रोजेक्ट लाने के लिए प्रयास तक नहीं किए, खाली यह दिखाते है कि वह अधिकारियों के साथ मीटिंग कर रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दस साल में पूरे प्रदेश में अभूतपूर्व विकास कार्य करवाएं है, उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर इतना विकास होने के बावजूद भी कांग्रेस नेता किस मुंह से हिसाब मांग रहे है, उन्हें शर्म आनी चाहिए। पूर्व सांसद डॉ. अरविंद शर्मा का भी क्रिया जिक्रपूर्व सांसद डॉ. अरविंद शर्मा को लेकर उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में अरविंद के लिए दिन रात मेहनत की, जबकि अरविंद शर्मा ने उन पर व्यक्ति कई बार टिप्पणियां की थी, लेकिन उन्होंने पहले ही कहा था कि जो भी कमल का फूल लेकर आएगा ग्रोवर उसके साथ खड़ा रहेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में भी पार्टी जिसे कमल का फूल देकर भेजेगी, उसके लिए दिनरात एक कर जीत दर्ज कराएंगे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिला में 12 अगस्त को चलाया जाएगा एक दिवसीय सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम - उपायुक्त

एजेंसी

सिरसा। उपायुक्त उपायुक्त आर.के. सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर देश व प्रदेश में चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिला में 12 अगस्त को एक दिवसीय सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त उपायुक्त आर.के. सिंह देर सायं स्थानीय लघु सचिवालय स्थित वीडियो कॉफ्रेंस कक्ष में आयोजित अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक पेड़ मां के नाम अभियान को जनभागीदारी बनाने के लिए जिला के सभी शिक्षण संस्थाओं, सभी विभागों तथा सभी सामाजिक संगठनों को

शामिल करें। ताकि जिला के लोगों को ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया जा सके।

उपायुक्त ने डीएफओ को निर्देश दिए कि इस दिन जिला के अलग-अलग स्थानों पर ये कार्यक्रम आयोजित करने के लिए रूपरेखा तैयार करें और वहां पर पौधारोपण करने के लिए पौधे उपलब्ध करवाना सुश्चित करें। उन्होंने जिलावासियों का आह्वान किया कि 12 अगस्त को जिला में आयोजित किए जा रहे एक दिवसीय सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम में बढ़ चढक़र भाग लें ताकि प्रकृति को बचाने में अहम अपना योगदान दे सके। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन के लिए पेड़ों का होना बहुत ही जरूरी है क्योंकि पेड़ ही है जो हमें जीने के लिए मुफ्त आक्सीजन उपलब्ध करवाते हैं। इसलिए इनकी रक्षा करना जरूरी है।

चुनाव से पहले कच्चे कर्मचारियों को पक्का करेगी हरियाणा सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश के अस्थायी कर्मचारियों को सरकार स्थायी कर सकती है। इसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा गठित कमेटी ने रात चंडीगढ़ में कई घंटे तक मंथन किया। नौ वरिष्ठ अधिकारियों वाली इस कमेटी में आठ आईएएस अधिकारी हैं। देररात तक चली बैठक में सभी विभागों में कार्यरत कच्चे कर्मचारियों का पूरा ब्योरा तलब कर ऐसी पालिसी बनाने पर सहमति बनी है, जिसे कि न्यायालय में चुनौती नहीं मिल पाए। फिलहाल पांच साल, 10 साल, 15 साल और 20 साल से कार्य कर रहे कच्चे कर्मचारियों के बारे में ब्योरा इकट्ठा कर इस पर मंथन आरंभ कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने नौ वरिष्ठ अधिकारियों की कमेटी का गठन किया है, जिसमें आइएएस वियजेंद्र कुमार, डी सुरेश, विकास गुप्ता, डा. अमित अग्रवाल, जे गणेशन, पंकज, डा. आदित्य दहिया, जितेंद्र कुमार व राजेंद्र वर्मा को बतौर सदस्य शामिल किया है। अधिकारियों की कमेटी को कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के तमाम विकल्पों पर जल्दी रिपोर्ट देने को कहा गया है। इस रिपोर्ट को पांच अगस्त को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भी रखा जा सकता है।

हरियाणा पुलिस के बेड़े में शामिल हुए 978 जवान

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा पुलिस के बेड़े में 978 जवान और शामिल हो गए हैं। इन जवानों को साइबर अपराधों, अपराधियों से निपटने से लेकर तकनीक तक में श्रेष्ठ प्रशिक्षण दिया गया। भौंडसी स्थित रेक्रूट ट्रेनिंग सेंटर में 90वें बैच के ये सभी जवान भव्य दीक्षांत परेड के साथ ही हरियाणा पुलिस में शामिल हो गए।

दीक्षांत समारोह में इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन कुमार डेका ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। उन्होंने परेड टुकडिय़ों का निरीक्षण कर उनकी सलामी ली। कार्यक्रम में हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में तपन कुमार डेका ने परेड टुकडिय़ों का निरीक्षण करने उपरान्त प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पुलिस की नौकरी व्यवस्था न होकर एक जनसेवा है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में शामिल सभी सिपाही स्नेह व बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने अत्यन्त चुनौतीपूर्ण पुलिस सेवा को अपना जीवन यापन का जरिया बनाया है। कड़ी मेहनत व लगन से अपना प्रशिक्षण कुशलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के उपरांत अब आपकी वास्तविक परीक्षा शुरू होने जा रही है। जिसमें प्रशिक्षण के दौरान सिखाई गई पुलिस सेवा की

बारीकियां आपके दैनिक सेवाओं में आने वाली चुनौतियों के निवारण में सहायक बनेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में दीक्षांत परेड एक गौरवशाली क्षण है। यह जीवन में केवल एक बार ही आता है। इसलिए वे प्रशिक्षण के दौरान बताई गई सभी बातों को अपने जीवन में अमल करें। तपन कुमार डेका ने कहा कि पुलिस का कार्य बहुत ही चुनौती भरा है। इसलिए जवानों का आचरण और उनकी क्षमता भी असाधारण होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की नौकरी में समाजसेवा के साथ-साथ देश सेवा का जज्बा भी होना चाहिए। आईबी निदेशक ने समारोह में बैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित किया व साइबर क्राईम स्वच्छता एवं जागरूकता और शिष्टाचार नामक बुकलैट का विमोचन भी किया।

हरियाणा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने दीक्षांत परेड में शामिल जवानों को बधाई देने के साथ ही उन्हें भविष्य में प्रभावी ढंग से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के गुर बताए। उन्होंने बैच में शामिल 978 जवानों के प्रशिक्षण से जुड़ी जानकारी सांझा करते हुए बताया कि इनमें से 303 जवान स्नातकोत्तर तथा 646 जवान स्नातक हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खुशहाल प्रदेश का निर्माण करने में हरियाणा पुलिस बल ने अपने मूल कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन करते हुए कई मंजिले तय कर ली हैं।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना से बुजुर्गों को मिल रहा लाभः मोहन लाल बड़ौली

सोनीपत से अयोध्या धाम के लिए 47 तीर्थ यात्रियों को लेकर जाने वाली वोल्वो बस को किया रवाना

एजेंसी

सोनीपत। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राई के विधायक मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना प्रदेश के लाखों बुजुर्गों के लिए वरदान साबित हो रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह के मार्गदर्शन में इस योजना के तहत 60 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों को विभिन्न तीर्थों की यात्रा करवाई जा रही है।

सोनीपत से अयोध्या धाम के लिए 47 बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों की बस को हरी झंडी दिखाते हुए उन्होंने इस योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस योजना का अन्य प्रदेश भी अनुसरण कर रहे हैं। यह योजना बुजुर्गों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर प्रदान कर रही है, जिसका लाभ अब तक बड़ी संख्या में बुजुर्ग

उठा चुके हैं। इस योजना में उन परिवारों को शामिल किया गया है जिनकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपए या इससे कम है।

यात्रा पर जाने वाले बुजुर्गों के चेहरे खुशी से खिले हुए थे।

उन्होंने मुख्यमंत्री, प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन का आभार जताया। बस में सवार विनोद गुप्ता, रणबीर सिंह, रामकंवार, रत्तन सिंह, सूरजमल, दयावती, सुमित्रा, संतोष, शीला, जयपाल, हवासिंह, अजीत सिंह और चांदराम ने सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि अगर सरकार अपने खर्च पर उन्हें अयोध्या नहीं भेजती तो वे रामलला के दर्शन करने का सपना नहीं देख पाते। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, एसडीएम अमित कुमार, जीएम रोडवेज संजय कुमार और डीआईपीआरओ राकेश गौतम सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।सिहाग, एमई संदीप बैनीवाल, एई सुमित कुमार, जेई प्रवीन चौहान, जेई संदीप काजल आदि शामिल रहे।

हरियाणा में डाक्टरों ने संभाली डयूटी, एनएचएम कर्मचारियों ने बनाए रखी दूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में दो दिन की हड़ताल के बाद प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में तैनात डाक्टर जहां काम पर लौट आए वहीं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारी आज लगातार दूसरे दिन भी हड़ताल पर रहे। हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार की मुश्किलें आने वाले दिनों में और बढ़ सकती हैं। नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले प्रदेश की सभी नर्सिंग ऑफिसर ने एक व दो अगस्त को हड़ताल का ऐलान किया है। हरियाणा में पिछले चार दिनों से स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह से चरमराई हुई हैं।

दो दिन तक हड़ताल के बाद हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन ने शुक्रवार रात 12 बजे हड़ताल समाप्त करने का ऐलान कर दिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश ख्यालिया ने बताया कि सीएम के अतिरिक्त प्रधान सचिव अमित अग्रवाल के साथ देर रात तक वार्ता हुई। इस दौरान सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया है कि वे हमारी सभी मांगें 15 अगस्त से पहले पूरी कर देंगे। सरकार और एसोसिएशन के बीच 9 दिन में दूसरी बार सहमति बनी है। इससे पहले 18 जुलाई को डॉक्टरों के विशेष कैडर का गठन, एसएमओ के सभी पद प्रमोशन से भरने, बॉन्ड राशि 1 करोड़ से 50 लाख रुपये करने

समेत कई मांगों पर सहमति बन गई थी, लेकिन अधिसूचना जारी न करने के कारण डॉक्टर्स 25 जुलाई को हड़ताल पर चले गए थे। 15 अगस्त तक सहमति के बाद प्रदेश के सभी डाक्टर काम पर लौट आए।

डाक्टरों के दो दिन बाद हड़ताल से वापस आने के कारण अस्पतालों में जहां ओपीडी में भारी भीड़ रही वहीं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत काम करने वाले कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। इसके चलते अस्पतालों में कई सहयोगी सेवाएं आज भी बाधित रहीं। डाक्टरों का सहयोग करने वाले एनएचएम कर्मचारी अस्पतालों के बाहर प्रदर्शन करते रहे।

हरियाणा में सात जिलों के उपायुक्त समेत 15 आईएएस व दो एचसीएस बदले

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के सात जिलों के उपायुक्तों का तबादला कर दिया है। जारी आदेशों में कुल 15 आईएएस व दो एचसीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद की ओर से जारी आदेशों के मुताबिक युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग, सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभागों के प्रधान सचिव, हरियाणा सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड के सीईओ तथा हरियाणा आय वृद्धि बोर्ड के ओएसडी विजेंद्र कुमार को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा मानव संसाधन विभाग के प्रधान सचिव का कार्यभार सौंपा गया है। इसके साथ ही डी.सुरेश को आवास आयुक्त हरियाणा भवन, नई दिल्ली और उच्चतर शिक्षा विभाग का प्रधान सचिव लगाया गया है। अतिरिक्त आवास आयुक्त हरियाणा भवन, नई दिल्ली और नगर निगम फरीदाबाद की आयुक्त ए. मोना श्रीनिवास को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड, फरीदाबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का कार्यभार सौंपा गया है।पंचकूला के उपायुक्त और श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड पंचकूला के मुख्य प्रशासक यश गर्ग को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और हरियाणा वित्त निगम के प्रबंध निदेशक का कार्यभार सौंपा गया है। लोकसभा चुनाव के दौरान पंचकूला उपायुक्त रहे सुशील सारवान को बदला गया था, उन्हें उद्योग विभाग के एमडी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब उन्हें कुरुक्षेत्र का उपायुक्त नियुक्त किया गया है। अंबाला उपायुक्त डॉ. शालीन की जगह पार्थ गुप्ता को डीसी लगाया गया है। इसके साथ ही चरखी-दादरी उपायुक्त मनदीप कौर को फतेहाबाद का उपायुक्त लगाया गया है।

Name Change

I, YOGENDER SINGH SANDHU S/o SULTAN SINGH R/o 1812, Gagsina, NA, Gagsina (16), Kamal Haryana - 132114 have changed the name of my minor son VIHAAN SANDHU aged 6 years and he shall hereafter be known as YUVRAJ SANDHU.

आरईसी का मुनाफा 16.57 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की वित्त पोषण कंपनी आरईसी लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 3460.19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 2968.05 करोड़ रुपये की तुलना में 16.57 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अजय कुमार देवांगन ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की जानकारी देते हुये कहा कि आरईसी की आय जून 2024 में 13092.44 करोड़ रुपये हो गयी है जो एक साल पहले इसी अवधि में 11,108.16 करोड़ रुपये रही थी।

एनटीपीसी का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर 5,506 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी का एकीकृत शुद्ध लाभ जून तिमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर 5,506.07 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से अधिक आय के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को सूचना में कहा कि एक साल पहले की समान अवधि में उसका शुद्ध मुनाफा 4,907.13 करोड़ रुपये था।कुल आय जून तिमाही में बढ़कर 48,981.68 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 43,390.02 करोड़ रुपये थी। कंपनी का खर्च आलोच्य तिमाही में बढ़कर 41,844.18 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 2023-24 की इसी तिमाही में 36,963.61 करोड़ रुपये था।

एनटीपीसी का एकीकृत रूप से बिजली उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 114 अरब यूनिट रहा। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में यह 104 अरब यूनिट था। कंपनी का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 4,511 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 4,066 करोड़ रुपये था। कुल आय वित्त वर्ष बढ़कर 45,053 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में 39,681 करोड़ रुपये थी।

14.6 फीसदी बढ़ा आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा

मुंबई। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 11,059 करोड़ रुपये का शुद्ध एकल लाभ अर्जित किया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 9648.20 करोड़ रुपये की तुलना में 14.6 फीसदी अधिक है। बैंक ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि जून 2024 को समाप्त इस तिमाही में शुद्ध ब्याज आय7.3 प्रतिशत बढ़कर 19,553 करोड़ रुपये हो गई। बैंक की शुद्ध ब्याज़ मार्जिन पहली तिमाही में 4.36 प्रतिशत रही, जबकि वित्तीय वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 4.78 प्रतिशत थी। बैंक ब्याज आय 38,995.78 करोड़ रुपये रही है जो वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही की 33,327.61 करोड़ रुपये की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। बैंक की कुल आय बढ़कर 45,997.70 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 38,762.86 करोड़ रुपये रही थी।

आदित्य बिड़ला ग्रुप इंद्रिया ब्रांड के साथ उतरा आभूषण बाजार में

नई दिल्ली । आदित्य बिड़ला ग्रुप ने ब्रांडेड रत्न एवं आभूषण बाजार में प्रवेश करते हुये इंद्रिया ब्रांड के तहत राजधानी दिल्ली में दो शोरूम सहित देश में चार शोरूम के साथ कारोबार की आज शुरूआत की। समूह ने भारत में 6.7 लाख करोड़ रुपये के तेजी से बढ़ते आभूषण बाजार में कदम रखा है। समूह अपने दमदार ब्रांड इक्विटी और बाज़ार की गहरी समझ का लाभ उठाते हुए अपने कंज्यूमर पोर्टफोलियो को मजबूत बना रहा है। अगले 5 सालों में भारत के तीन सबसे बड़े ज्वैलरी रिटेलर बनने के लक्ष्य के साथ 5,000 करोड़ रुपये के निवेश से इस महत्वाकांक्षी उद्यम को शुरू किया है, जो भारत में रिटेल ज्वैलरी कारोबार के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने के लिए आदित्य बिड़ला समूह के इरादे को दर्शाता है।

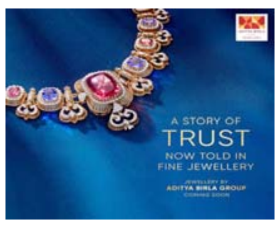

नेस्ले इंडिया को अप्रैल-जून तिमाही में 746.6 करोड़ रुपये का हुआ मुनाफा

एजेंसी
मुंबई/नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पिछले 10 साल में अपने निर्धारित रास्ते पर आगे चलती रही है। उन्होंने बाजार को भरोसा दिलाया कि गठबंधन सरकार होने के कारण उसे चिंता करने की जरूरत नहीं है।

पीयूष गोयल ने यहां प्रभुदास लीलाधर ग्रुप के 80 साल पूरा होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि देशवासियों के सुनहरे भविष्य और विकसित भारत के निर्माण के लिए हमारे पास लक्ष्य, सामर्थ्य और पूरी योग्यता है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि आज केवल देश में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के निवेशकों में भारत को लेकर जिज्ञासा और भरपूर उत्साह है, जो आने वाले समय में हमें 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगले पांच साल के लिए यह एक मजबूत सरकार होगी, जो 'राष्ट्र प्रथम' पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो राष्ट्रीय हितों के लिए काम करेगी और कभी भी हमारे सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की लड़ाई भी मजबूत रहेगी और आगे चलकर विश्व में भारत की स्थिति भी मजबूत होगी। गोयल ने कहा कि जहां तक इस सरकार की प्राथमिकताओं का सवाल है, मुझे लगता है कि यह एक ऐसी सरकार होगी जो पिछले 10 वर्षों में हमारे द्वारा तय किए गए रास्ते पर आगे बढ़ेगी।

पीएनबी का जून तिमाही में मुनाफा दोगुने से ज्यादा होकर 3,252 करोड़ रुपये

एजेंसी
नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून में बैंक का मुनाफा दोगुने से ज्यादा होकर 3,252 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में पीएनबी का शुद्ध लाभ 1,255 करोड़ रुपये रहा था। पीएनबी ने शेयर बाजार को बताया कि अप्रैल-जून में उसकी कुल आय बढ़कर 32,166 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 28,579 करोड़ रुपये रही थी। बैंक की ब्याज आमदनी पहली तिमाही में बढ़कर 28,556 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 25,145 करोड़ रुपये थी। बैंक ने बताया कि उसकी सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) जून, 2024 तक घटकर सकल अग्रिम का 4.98 फीसदी रह गईं, जो पिछले वित्?त वर्ष पूर्व समान तिमाही में 7.73 फीसदी थी। शुद्ध एनपीए घटकर अप्रैल-जून तिमाही के बाद 0.60 फीसदी रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के बाद 1.98 फीसदी रहा था। इसके अलावा जून, 2024 के अंत तक बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) भी बढ़कर 15.79 फीसदी हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 15.54 फीसदी था।

मनोज मित्तल ने सिडबी के सीएमडी का कार्यभार संभाला

एजेंसी
नई दिल्ली। मनोज मित्तल ने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) का कार्यभार संभाल लिया है। मित्तल की नियुक्ति को केंद्र सरकार ने मंजूरी प्रदान की थी। इससे पहले वे भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (आईएफसीआई) के प्रबंध निदेशक थे। आधिकारिक बयान के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के निदेशकों की तलाश करने वाली संस्था वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) ने मनोज मित्तल को सिडबी के चेयरमैन और एमडी के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश केंद्र सरकार से 10 अप्रैल को की थी। मित्तल को वित्तीय सेवा क्षेत्र में 33 साल से ज्यादा का अनुभव है। उलेखनीय है कि मनोज मित?तल आईएफसीआई के एमडी और सीईओ तथा सिडबी में उप- प्रबंध निदेशक के तौर पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

एनसीसीएफ दिल्ली-एनसीआर में सोमवार से 60 रुपये किलो बेचेगा टमाटर

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (दिल्ली-एनसीआर) में टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच केंद्र सरकार ने लोगों को राहत देने के लिए रियायती दर पर टमाटर बेचने का फैसला किया है। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) से 60 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर टमाटर बेचेगा। हालांकि, राजधानी दिल्ली में टमाटर का खुदरा भाव 60-80 रुपये प्रति किलोग्राम तक है।

एनसीसीएफ ने जारी बयान में कहा कि उपभोक्ता को 60 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर टमाटर मिलने की सुविधा 29 जुलाई को शुरू होगी। ये सुविधा आने वाले दिनों में धीरे-धीरे दिल्ली-एनसीआर के अन्य जगहों तक विस्तारित की जाएगी।

संघ ने बताया कि सब्सिडी वाले टमाटर कृषि भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी कॉलोनी, हौज खास, संसद मार्ग, आईएनए मार्केट और नोएडा, रोहिणी और गुरुग्राम सहित अन्य स्थानों पर उपलब्ध होंगे।

वहीं, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 27 जुलाई को दिल्ली में खुदरा टमाटर की कीमतें 77 रुपये प्रति किलोग्राम थीं। लेकिन गुणवत्ता और स्थानीयता के आधार पर कुछ क्षेत्रों में इसका भाव 80 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक है। सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब उत्पादक केंद्रों में हाल में हुई बारिश की वजह से आपूर्ति में व्यवधान आने के कारण टमाटर की कीमतों में उछाल आया है। एनसीसीएफ ने कहा कि ये हस्तक्षेप उपभोक्ताओं पर बढ़ती खाद्य कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों को रेखांकित करता है। इस पहल का उद्देश्य बाजार को स्थिर करना और उपभोक्ताओं को लागत में पर्याप्त राहत प्रदान करना है।

अबतक 5 करोड़ से ज्यादा आईटीआर दाखिल, ई-फाइलिंग दिक्कतों पर इंफोसिस को निर्देश जारी

एजेंसी
नई दिल्ली। आयकर विभाग को 26 जुलाई, 2024 तक आकलन वर्ष 2024-25 के लिए 5 करोड़ से अधिक इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) प्राप्त हो चुके हैं। ये आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष में दाखिल किए गए आईटीआर से 8 फीसदी ज्यदा है। विभाग के मुताबिक ई-फाइलिंग पोर्टल पर आ रही दिक्कतों के लिए इंफोसिस को निर्देश जारी किए गए हैं। हालांकि, आईटीआर दाखिल करने की निधारिंत तिथि बढ़ाने के बारे में विभाग ने कोई जानकारी नहीं दी है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि ई-फाइलिंग पोर्टल पर 26 जुलाई, 2024 तक आकंलन वर्ष 2024-25 के लिए 5 करोड़ से अधिक आईटीआर पहले ही प्राप्त हो चुके हैं। यह पिछले वित्त वर्ष में दाखिल किए गए इनकम टैक्स रिटर्न से 8 फीसदी अधिक है। आयकर विभाग ने कहा कि 26 जुलाई को ही 28 लाख से अधिक आईटीआर प्राप्त हुए हैं। विभाग ने ई-फाइलिंग पोर्टल पर आयकरदाताओं को रिटर्न फाइल करने में आ रही दिक्कतों को लेकर जारी बयान में कहा कि इंफोसिस ई-फाइलिंग पोर्टल के संचालन के लिए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का

प्रौद्योगिकी भागीदार है। उन्हें निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने बताया कि इंफोसिस ने ई-फाइलिंग पीक अवधि के दौरान निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित की हैं। उल्लेखनीय है कि आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2024 है। पिछले कुछ दिनों से मीडिया में ई-फाइलिंग साइट पर आ रही दिक्कतों की खबरें मीडिया में चल रही हैं कि आयकर रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख बढ़ाया जा सकता है। लेकिन, आयकर विभाग ने ऐसा कोई संकेत नहीं दी है। ऐसे में आपने अभी तक आईटीआर रिटर्न दाखिल नहीं किया है, तो जल्दी करें, नहीं तो आपको तय तिथि के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करने पर पेनाल्टी देनी पड़ सकती है।

भारत का इस्पात उत्पादन 2030 तक 30 करोड़ टन पार कर जाएगा, इस्पात सचिव ने जताई संभावना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि इस्पात का घरेलू उत्पादन 2030 तक 30 करोड़ टन को पार कर जाने की संभावना है। इस्पात सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में कमी के प्रयासों के कारण मंत्रालय को क्षमता विस्तार में कोई बाधा नहीं दिख रही है और वह जल्द ही एक मसौदा रोडमैप जारी करेगा जिसमें इस्पात क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए जनता की राय मांगी जाएगी।

उन्होंने कहा, 'सरकार की ओर से बुनियादी ढांचे को बढ़ावा दिए जाने और इसमें करीब 10 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद के साथ इस्पात की मौजूदा मांग मजबूत बनी हुई है।' भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स (बीसीसी) के सदस्यों को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा, 'जीडीपी भी मजबूती से बढ़ रही है और सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों से बुनियादी ढांचे पर लगातार जोर देने के साथ, इस्पात की मांग मजबूत बनी रहेगी।' 2023-24 के दौरान तैयार इस्पात उत्पादन 138.5 मिलियन टन था, जो वर्ष-दर-वर्ष 12.4 प्रतिशत अधिक है। 300 मिलियन टन की स्थापित क्षमता प्राप्त करने के लिए, 12 प्रतिशत की सीएजीआर की आवश्यकता होगी। बीसीसी के अध्यक्ष एनजी खेतान ने कहा कि जनवरी से अप्रैल 2024 तक इस्पात उत्पादन 4.95 करोड़ टन रहा, जो 8.5 प्रतिशत की छलांग है। सिन्हा ने यह भी कहा कि कुछ इस्पात निर्माता उत्पादन और बिक्री के आंकड़ों की सही जानकारी नहीं दे रहे हैं और मंत्रालय को लगता है कि उनके आंकड़ों और वास्तविकता में अंतर है। उन्होंने कंपनियों से नीति निर्धारण का समर्थन करने के लिए सही ढंग से रिपोर्ट करने का आग्रह किया। इस्पात विनिर्माताओं ने लौह अयस्क की कमी, सस्ते इस्पात आयात और नीतिगत कमियों जैसी कई विपरीत परिस्थितियों की शिकायत की है। पूर्वी भारत के इस्पात निर्माताओं ने इस क्षेत्र में लौह अयस्क की कमी के बारे में गंभीर चिंता जताई और भारतीय इस्पात उद्योग में 53 मिलियन टन लौह अयस्क की कमी को दूर करने के लिए कई कदम सुझाए। उद्योग से इस्पात आयात की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर, सिन्हा ने कहा कि मात्रा में आयात खपत का केवल 5 प्रतिशत है, लेकिन वियतनाम से हॉट-रोल्ड कॉइल के बारे में शिकायतें हैं, जिसे वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत व्यापार उपचार महानिदेशालय ने उठाया है। कार्बनीकरण को समाप्त करने की रूपरेखा के बारे में सिन्हा ने कहा कि सरकार ने इस पर 14 कार्यबल गठित किए हैं और अंतर-मंत्रालयी चर्चा के बाद रिपोर्ट को जनता की प्रतिक्रिया के लिए जल्द ही जारी किया जाएगा। यह रोडमैप स्टील उद्योग में हाइड्रोजन के बढ़ते उपयोग और कार्बन कैप्चर पर केंद्रित है। सरकार के लिए अल्पकालिक लक्ष्य कार्बन तीव्रता में लगभग 20 प्रतिशत की कमी का लक्ष्य है। वर्तमान में, औसत कार्बन तीव्रता 2.5 टन प्रति टन इस्पात उत्पादन है।

इस्पात सचिव ने बताया कि स्वदेशी हरित प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए प्रयोगशालाओं, आईआईटी, प्राथमिक और द्वितीयक इस्पात निर्माताओं और उपकरण निर्माताओं के साथ एक संघ की योजना बनाई गई है।

ट्रंप ने अमेरिका को बिटकॉइन सुपरपावर बनाने का किया वादा, क्रिप्टो सलाहकार परिषद स्थापित करने की घोषणा की

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है। राष्ट्रपति जो बाइडन इस दौड़ से बाहर हो चुके हैं। जो बाइडन की जगह डेमोक्रेटिक ने अब उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार के तौर पर उतारा। राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में कमला हैरिस की एंट्री के बाद से मुकाबला कड़ा हो गया। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को बिटकॉइन सुपरपावर बनाने का वादा किया। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह व्हाइट हाउस में दोबारा लौटे तो पूरे उद्योग के लाभ के लिए पारदर्शी नियामक मार्गदर्शन तैयार करने के लिए एक सलाहकार परिषद नियुक्त करेंगे। हालांकि, उन्होंने डिजिटल मुद्रा के औपचारिक संघीय रिजर्व का प्रस्ताव देने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने बिटकॉइन सम्मेलन को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के अध्यक्ष गैरी जेन्सलर को बर्खास्त करने और रणनीतिक राष्ट्रीय बिटकॉइन भंडार बनाने का वादा किया। 78 वर्षीय ट्रंप ने कहा, मैं यह सुनिश्चित करने के लिए योजना बना रहा हूं कि अमेरिका ग्रह की क्रिप्टो

राजधानी और दुनिया की बिटकॉइन महाशक्ति होगा। बता दें कि बिटकॉइन दुनिया की व्यापक रूपसे अपनाई जाने वाली पहली क्रिप्टोकरेंसी है।

ट्रंप ने कमला हैरिस को लेकर दी चेतावनी

ट्रंप ने इसकी भी चेतावनी दी कि अगर उप राष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति बनती है तो बिटकॉइन निवेशकों को कुचल दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ÷वे (डेमोक्रेटिक) आपका गला घोंटना चाहते हैं। वे आपको व्यवसाय से बाहर करना चाहते हैं। हम ऐसा होने नहीं देंगे। और अब आपकी सरकार बिटकॉइन से जुड़ी नौकरियों और व्यवसायों को दूसरे देशों में भागते हुए चुपचाप देखती नहीं रहेगी, क्योंकि अमेरिका के कानून बहुत सख्त हैं। हम अमेरिका में सभी बिटकॉइन नौकरियां रखेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप वार्षिक क्रिप्टोकरेंसी कॉन्फ्रेंसी को संबोधित करने वाले प्रमुख पार्टी उम्मीदवार हैं। उन्होंने बिटकॉइन और क्रिप्टो राष्ट्रपति सलाहकार परिषद स्थापित करने का वादा किया। ट्रंप ने कहा, मुझे दुनिया में कहीं भी बिटकॉइन कार्यक्रम को संबोधित करने वाला पहला अमेरिकी राष्ट्रपति होने पर गर्व है। राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप ने बिटकॉइन को पैसा नहीं माना था। उन्होंने बिटकॉइन की आलोचना भी की थी, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी रणनीति बदल दी। ट्रंप ने आगे कहा, अमेरिका और अमीर होगा। दुनिया बेहतर होगी। कई लोगों को क्रिप्टो व्यवसाय में लाया जाएगा। जिन लोगों का कहना है कि बिटकॉइन डॉलर के लिए खतरा है, उनकी कोई कहानी होगी। वर्तमान में अमेरिकी सरकार का व्यवहार डॉलर के लिए खतरा है।÷ उनका कहना है कि अमेरिका के वित्तीय भविष्य को खतरा क्रिप्टो से नहीं है। खतरा केवल खरबों डॉलर की बर्बादी, अनियंत्रित मुद्रास्फीति और खुली सीमाओं से है।

मस्क ने जुकरबर्ग को फिर दी लड़ाई की चुनौती, बोले- किसी भी जगह, किसी भी वक्त लड़ लें

एजेंसी
वाशिंगटन। टेक जगत के दो बड़े दिग्गज एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग के बीच एक बार फिर शब्दों की लड़ाई छिड़ गई है। अब मस्क ने मेटा के सीईओ से मार्क जुकरबर्ग से किसी भी जगह, किसी भी समय, किसी भी नियम के साथ लड़ने की बात कही है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है।

दरअसल अमेरिकी संसद में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण कार्यक्रम के दौरान मस्क ने एक बार फिर मार्क जुकरबर्ग के खिलाफ प्रतिक्रिया की। मस्क ने कहा कि मैं जुकरबर्ग से किसी भी जगह, किसी भी समय, किसी भी नियम के साथ लड़ूंगा। मस्क का बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद जुकरबर्ग का बयान आया। उन्होंने कहा कि क्या हम वास्तव में ऐसा कर रहे हैं? वहीं दोनों टेक दिग्गजों के बीच फिर शुरू हुए शब्द वार को लेकर प्रतिक्रियाएं आने लगीं। यूजर्स ने लिखा कि कोई जुक से पूछेगा तो वह यही कहेंगे कि मस्क गंभीर नहीं हैं। इसलिए इस पर चर्चा

नहीं करनी चाहिए। एक यूजर ने लिखा कि ऐसा लग रहा है कि दोनों दिग्गज अपनी प्रतिद्वंद्विता को बढ़ा रहे हैं, लेकिन डिजिटल वर्चस्व की लड़ाई शारीरिक लड़ाई में बदल रही है। एक अन्य यूजर ने यह तक कहा कि मुझे लगता है कि दोनों गोपनीय तौर पर अच्छे दोस्त हैं।

पिछले साल केज फाइटिंग के लिए कहा था

मार्क जुकरबर्ग और एलन मस्क के बीच प्रतिस्पर्धा लगातार चर्चा में रही है। पिछले साल मस्क ने जुकरबर्ग को केज फाइटिंग के लिए चेताया था। मेटा के थ्रेड्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की लॉन्चिंग के बाद 52 वर्षीय मस्क और 39 वर्षीय जकरबर्ग के बीच सार्वजनिक प्रतिद्वंद्विता तेज हो गई। थ्रेड्स को लेकर कहा जा रहा है कि यह एक्स (पूर्व में ट्विटर) की कॉपी है। खास यह है कि मस्क ने चुनौती मेटा के एआई मॉडल के लिए जुकरबर्ग की प्रशंसा के अगले दिन आई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.35 प्रतिशत उतरकर 76.44 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड भी 1.52 प्रतिशत की तेजी लेकर 82.36 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

फेड रिजर्व की बैठक के निर्णय का बाजार पर रहेगा असर

एजेंसी
मुंबई। चालू वित्त वर्ष के बजट में कैपिटल गेन टैक्स में बढ़ोतरी किए जाने से बिकवाली का दबाव बढ़ने के बावजूद सप्ताह के अंतिम दिन हुई वैल्यू लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह करीब एक प्रतिशत चढ़े शेयर बाजार पर अगले सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक में ब्याज दर में कटौती को लेकर होने वाले निर्णय के साथ ही घरेलू स्तर पर वाहन बिक्री, औद्योगिक उत्पादन के आने वाले आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 728.07 अंक अर्थात 0.9 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 81332.72 अंक के नये शिखर पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 303.95 अंक यानी 1.24 प्रतिशत मजबूत होकर 24834.85 अंक सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर बंद हुआ समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे मिडकैप 1446.64 अंक अर्थात 3.13 प्रतिशत चढ़कर 47706.67 अंक और स्मॉलकैप 1812.55 अंक यानी 3.5 प्रतिशत उछलकर 54294.35 अंक पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह 30-31 जुलाई को अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। इस बैठक के नतीजे पर बाजार की नजर रहेगी। फेडरल रिजर्व के अधिकारियों से व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही है कि वे अगले बुधवार को होने वाली बैठक में केंद्रीय बैंक की प्रमुख ब्याज दर को स्थिर रखेंगे। हालांकि कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि जुलाई में कटौती करने का सही समय है। इसके अलावा अगले सप्ताह जुलाई के वाहन बिक्री का आंकड़ा जारी होने वाला है। साथ ही जून का औद्योगिक उत्पादन आंकड़ा तथा टाटा स्टील, मारुति, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, सन फ़ार्मा, टाइटन, कोल इंडिया, गेल, आईओसी, भेल, बीईएल, फाइजर, अदाणी पावर, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, डाबर और एस्कॉर्ट्स जैसी दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का परिणाम आने वाला है। अगले सप्ताह बाजार की चाल निर्धारित करने में इन कारकों की भी अहम भूमिका रहेगी।

ज्यादा सेंसिटिव बच्चे को इन तरीकों से सिखाएं इमोशन्स को कंट्रोल करना

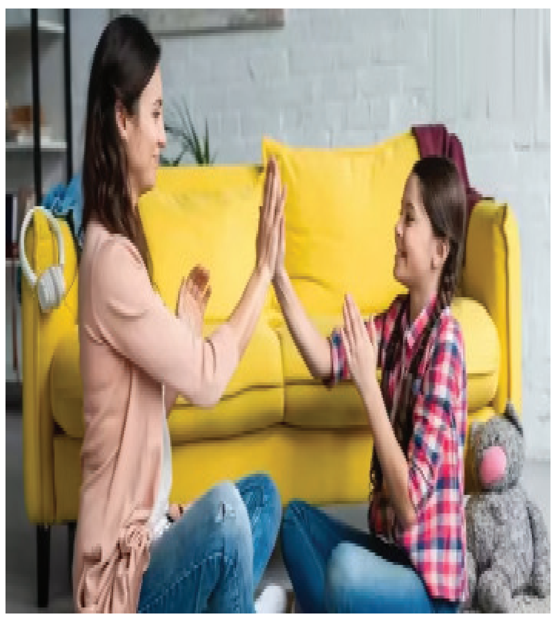

हर बच्चे का अपना व्यक्तित्व होता है और उनकी इमोशनल क्षमता भी अलग-अलग होती है। कुछ बच्चे बहुत सेंसिटिव होते हैं जो हर बात को दिल पर ले लेते हैं। कई बार वे इसकी वजह से काफी आक्रामक भी हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप उनकी भावनाओं को समझें और उन्हें सिखाएं कि कैसे वे अपनी भावनाओं को हेल्दी तरीके से जता सकते है।

वैसे तो सभी बच्चे प्यारे होते हैं, लेकिन हर बच्चों का अपना अलग-अलग व्यक्तित्व होता है। कुछ बच्चे विनम्र होते हैं, कुछ चंचल, तो कुछ बहुत अधिक सेंसिटिव होते हैं। अत्यधिक संवेदनशील या सेंसिटिव बच्चे बहुत ही भावुक स्वभाव के होते है। ये हर चीज को बहुत ही गहराई से से महसूस करतें हैं और उतनी तेजी इसपर अपनी प्रतिक्रिया भी व्यक्त करते हैं, जिनमें कभी-कभी इनकी आक्रामकता भी सामने आ जाती है। महत्वपूर्ण बात तो यह है कि किसी भी बच्चे में मौजूद अत्यधिक सेंसिटिविटी उनकी कमजोरी नहीं, बल्कि उनकी ताकत है, जो उसकी क्षमताओं को दर्शाता है। जिसे आप अपने सपोर्ट और डायरेक्शन से कंट्रोल कर सकते हैं। यदि आपका बच्चा भी बहुत सेंसिटिव है, तो उसे शांत करने के लिए कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं।

भावनाओं को व्यक्त करना सिखाएं

अक्सर बच्चों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई महसूस होती है, जिससे वे अपने आप को व्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में आप अपने बच्चों को कुछ शब्द देकर, उन्हें अपनी भावनाएं व्यक्त करना सिखाएं, जैसे कि हां, नहीं, शायद, मैं दुखी हूं, निराश हूं या फिर मैं बहुत खुश हूं।

भावनाओं को मान्यता दें

अति संवेदनशील बच्चे अक्सर ऐसा समझ लेते हैं कि उनके पैरेंट्स और दोस्त उनकी भावनाओं को गलत समझ रहे हैं। ऐसे में आपको अपने बच्चे की भावनाओं को मान्यता देते हुए उन्हें किसी भी काम को करने का सही रास्ता बताना होगा और उन्हें सही और गलत के अंतर को भी समझाना होगा।

भावनाओं को शांत रखने के तरीके

संवेदनशील बच्चे भावनाओं में बहकर अपनी तीव्र प्रतिक्रिया दे सकते हैं, जो कि आक्रामक हो सकता है। ऐसे में उन्हें अपनी भावनाओं को कंट्रोल करने का तरीका सिखाएं। जैसे कि स्ट्रेस बॉल को दबाना, गहरी लंबी सांस लेना, स्थिर होकर गिनती गिनना आदि।

शांति और सुरक्षा का माहौल

अक्सर संवेदनशील बच्चे जिद करतें हैं, जिन्हें पूरा करना कई बार आसान नहीं होता और फिर ऐसे में बच्चे को शांत कराना पैरेंट्स के लिए एक टास्क बन जाता है। ऐसे में अपने बच्चे को उत्तेजक वातावरण से दूर रखना चाहिए और उनकी भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए एक शांति भरा सुरक्षित माहौल प्रदान करना चाहिए।

प्यार और सहानुभति जताएं

बच्चे को इस बात का एहसास कराएं कि वो आपके लिए खास हैं और आप उन्हें प्यार करतें हैं। इसके लिए आप अपने बच्चे के साथ समय व्यतीत करें, उनके काम में सहायता करें और उन्हें गले लगाएं।

जलवायु बदलाव के दौर में डा. रिछारिया की याद

कृषि वैज्ञानिक आर.एच. रिछारिया ने अविभाजित मध्यप्रदेश (जिसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था) से धान की 17 हजार से ज्यादा देसी किसानों को एकत्र किया था जिसमें अधिक उत्पादकता देने वाली, सुगंधित व अन्य तरह से स्वादिष्ट किस्में शामिल थीं। डा. रिछारिया चावल की किस्मों के विशेषज्ञ थे। वे मानते थे देसी किस्मों को ही देश में धान की खेती की प्रगति का आधार बनाना चाहिए। उन्होंने पता लगाया था कि धान की किस्मों की विविधता का बहुत अमूल्य भंडार है।

छत्तीसगढ़ में इन दिनों किसान बारिश न होने के कारण चिंतित हैं। कुछ किसानों ने छिड़काव कर धान की खेती की है, कई रोपा पद्धति से धान रोपाई के लिए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे समय में देसी बीजों की हल-बैल की खेती याद कर रहे हैं। मुझे याद आ रहे हैं विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक डा. आर.एच. रिछारिया, जिनकी मान्यता थी कि धान की खेती का विकास स्थानीय प्रजातियों के आधार पर ही होना चाहिए। क्योंकि उनमें काफी विविधता है, और वे मौसम बदलाव का भी मुकाबला कर सकती हैं। आज इस कॉलम में इस पर ही चर्चा करना उचित होगा।

छत्तीसगढ़, देश में विशिष्ट विविधता वाला प्रदेश है। यहां भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के साथ पारिस्थितिकीय विविधता भी काफी है। यहां सबसे बड़ी आबादी आदिवासियों की है। छत्तीसगढ़ के मध्य में महानदी बहती है और यही इलाका धान की खेती के लिए प्रसिद्ध माना जाता है। आज धान के देसी बीजों की जगह उच्च उपज देने वाली किस्मों ने ले ली है। जबकि एक जमाने में देसी धान की खेती होती थी।यहां खाद्यों और अनाजों की भी काफी विविधता थी। अलग-अलग खेती की पद्धतियां थीं। फसलें, दालें, तिलहन, फल, फूल, हरी पत्तीदार सब्जियां, कंद-मूल, मशरूम आदि भी होती थीं। यहां के आदिवासियों का जीवन मुख्य तौर पर जंगल पर आधारित रहा है। पारंपरिक रूप से छत्तीसगढ़ को धान के कटोरे के रूप में जाना जाता है। यहां इलाका धान की अद्भुत विविधता है। इनमें कई तरह के विशिष्ट सुगंधित, औषधीय व गुणधर्म वाले देसी धान शामिल हैं।यहां कम अवधि की धान किस्मों के साथ लंबी अवधि की धान है, तो कम पानी में होने वाली धान के साथ गहरे पानी में होने वाले धान भी शामिल है। छोटे चावल से लेकर लंबे, महीन और विभिन्न आकारों वाले चावल होते हैं। लाल, सफेद, काले, और कई रंगों व गुणवत्ता वाले चावल शामिल हैं।

मुझे डा. आर.एच.रिछारिया से एक बार रायपुर में मिलने का मौका था, जब वे स्वतंत्र रूप से धान की जैविक खेती को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे थे। डा. रिछारिया ने किसानों और आदिवासियों के साथ धान की देसी प्रजातियों पर काम किया था। उन्हें न केवल संग्रहीत किया था, बल्कि उनके गुणधर्मों व उत्पादन संबंधी अध्ययन किया था। उन्होंने किसानों

के परंपरागत ज्ञान को काफी सराहा था।धान की खेती की एक बुनियादी विशेषता यह है कि यह लगभग पूरे भारत में बहुत अलग-अलग परिस्थितियों में उगाया जाता है। एक ही गांव और कई बार तो एक ही किसान अलग-अलग खेत में अलग-अलग प्रजाति का धान उगाया जाता है। प्रत्येक किस्म अलग-अलग परिस्थितियों के लिए, अलग-अलग गुणों के साथ उपयुक्त होती है। ये प्रजातियां वहां की मिट्टी, पानी, हवा के अनुकूल होती हैं।सैंकड़ों सालों से छत्तीसगढ़ के किसानों ने धान की खेती की कई पद्धतियां विकसित की हैं। उनका पारंपरिक ज्ञान इसमें काफी है। बियासी पद्धति, जिसमें छिड़काव कर धान की खेती की जाती है, और जब बारिश होती है तो पौधे जब कुछ बड़े हो जाते हैं, तो खेत में हल चला दिया जाता है, जिससे खरपतवार नीचे दब जाती है, और जो पौधे दूर-दूर होते हैं, उन्हें पास रोपा दिया जाता है। इससे जमीन भी हवादार व पोली हो जाती है, जिससे पौधे की बढ़वार अच्छी होती है। इससे उत्पादन भी अच्छा होता है।इसी तरह उतेरा पद्धति है, जिसमें धान की यानी बारिश की नमी में रबी फसल ली जाती है। उतेरा खेती में एक फसल कटने से पहले दूसरी फसल को बोया जाता है। यानी दूसरी फसलों की बुआई पहली फसल कटने के पहले ही कर दी जाती है। फसल के ठंडलों से खेत में जैव खाद बन जाती है। इस तरह की खेती छत्तीसगढ़ के कई गांव में की जाती है, हालांकि इसमें भी कमी आ रही है।उतेरा पद्धति में धान की फसल जब खड़ी रहती है, जब उसमें फूल आने लगते हैं, फसल में 50 प्रतिशत फूल आ जाते हैं, तब उसमें दूसरी फसलें बोई जाती हैं। यह समय अक्टूबर आखिर में या नवंबर के पहले हफ्ते का होता है। यानी बारिश की नमी में धान की फसल के बीच तिवड़ा (खेसारी दाल),बटरी, अलसी, उड़द, सरसों व चना के बीज छिड़क दिए जाते हैं। इसमें सावधानी रखनी होती है कि खेत का पानी सूख जाए तभी बीजों का छिड़काव किया जाता है। इन फसलों को अलग-अलग नमी के हिसाब से छिड़कते हैं, या बोते हैं, एक साथ नहीं। क्योंकि हर बीज को अंकुरण होने के लिए अलग-अलग नमी चाहिए होती है, इसका किसानों को अनुमान है।इसमें धान कटाई बहुत ही सावधानी से की जाती है, जिससे दूसरी फसलों को नुकसान न पहुंचे। खेत में धान के डंठलों के बीच से तिवड़ा उग जाता है, जिसके पौधे को ठंडलों से मदद भी मिलती है। मार्च के आसपास यह फसलें तैयार हो जाती हैं और फिर काट ली जाती हैं। यानी बारिश की नमी में ही दूसरी फसलें भी पक जाती हैं। यह छत्तीसगढ़ के किसानों का परंपरागत जाना माना तरीका है। जिसमें बारिश की नमी का सही उपयोग होता है और दो फसलें भी मिल जाती हैं।इसी प्रकार, यहां किसान खेतों की मेड़ों पर भी अरहर, तिली, मूंग, अमाड़ी , भिंडी, बरबटी, झुनगा (बरबटी की तरह), चुटचुटिया(ग्वारफली) आदि लगाते हैं। यानी खेत में धान, उतेरा में तिवड़ा, अलसी, बटरी, सरसों, उड़द, चना आदि लगाते हैं और मेड़ पर भी अरहर, तिली, हरी सब्जियां लगाते हैं।कुल मिलाकर, एक खेत में धान यानी चावल, दलहन व तिलहन सब कुछ हो जाता है। छत्तीसगढ़ की खान-पान की संस्कृति, तीज-त्यौहार व खेती से जुड़े हैं। यहां का प्रमुख भोजन चावल है, यानी भात, दाल और सब्जियां। सब कुछ किसान खेतों में उगा लेते हैं। अतिरिक्त फसलें होने से आर्थिक लाभ भी होता है। भोजन में भी पोषण मिलता है।

यह मिश्रित फसलों का परंपरागत तरीका है।पशुपालन भी इससे जुड़ा है। धान का पैरा (ठंडल) मवेशियों को चराने के काम आता है। बैल खेतों में जुताई करते थे। यह सब एक दूसरे से जुड़ा है। फसलों की कटाई हाथ से हंसिए से की जाती है। ठंडल बहुत छोटे होते हैं और उन्हें जलाने की जरूरत नहीं पड़ती। और जो गाय- बैल का गोबर होता है, उसे खेतों में डालते हैं जिससे मिट्टी उपजाऊ बनती है। यह मवेशियों व मनुष्य में आपसी समझौता होता है। पशुओं को खेतों से चारा मिलेगा और वे खेतों को गोबर खाद देंगे।परंपरागत खेती में आत्मनिर्भरता होती है। किसानों का खुद का देसी बीज, गोबर खाद और खुद हाथ की मेहनत होती है। और इसमें पीढ़ियों के पारंपरिक ज्ञान का उपयोग होता है। यह स्वावलंबी होती है। जबकि रासायनिक आधुनिक खेती में बीज, खाद और कीटनाशक सभी कुछ बाजार से खरीदा जाता है। इसमें किसान की लागत बढ़ती है, किसान परावलंबी होता है।

लेकिन पिछले कुछ समय से परंपरागत खेती में कमी आई है। अब बैलों की जगह ट्रेक्टर से जुताई व फसलों की कटाई हारवेस्टर से होने लगी है। इसमें ठंडल बड़े होते हैं और इसे दूसरी फसल बोने के लिए किसान ठंडलों को जलाते हैं। इससे प्रदूषण होगा और गरमी की धान की फसल बोने से भूजल में कमी आएगी।बकि उतेरा जैसी पद्धतियां उपयोगी हैं। इससे किसानों को धान के साथ दलहन, तिलहन और अतिरिक्त उपज मिल जाती है। बारिश की नमी का उपयोग भी हो जाता है। दलहन व फली वाली फसलों से खेतों को नत्रजन भी मिलती है। भोजन के लिए चावल, दाल और सब्जियां मिल जाती हैं, जो छत्तीसगढ़ की खान-पान की संस्कृति भी है। यह खेती मिट्टी पानी के संरक्षण वाली है, जैव-विविधता व पर्यावरण का संरक्षण भी इससे होता है। और इसमें फसलों के ठंडल व पुआल जलाने की जरूरत नहीं पड़ती।छत्तीसगढ़ के किसान खेती के लिए ज़मीन का स्वास्थ्य भी सुधारना भी जानते हैं। जिस प्रकार मनुष्य को भोजन में सभी प्रकार के पोषक तत्व चाहिए होते हैं, उसी प्रकार मिट्टी को भी उपजाऊ बनाने के लिए पोषक तत्व चाहिए। रासायनिक खेती के कारण ज़मीन की उर्वरा शक्ति कमजोर होती जा रही है और उर्वर बनाने वाले सूक्ष्म जीवाणु खत्म होते जा रहे हैं। रासायनिक खाद के इस्तेमाल से ज़मीन सख्त होती जा रही है। भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए मिश्रित फ़सलों को खेतों में बोया जाता है। यह परंपरागत जाना माना तरीका है।हरी खाद को बनाने के लिए ढनढनी, सन, सोल, चरौरा को भी बोकर फिर मिट्टी में सड़ा दिया जाता है, जिससे ज़मीन उत्तरोत्तर उर्वर बनती जाती है। उन्होंने बताया कि इस भाटा कमजोर ज़मीन को हरी खाद से ही उर्वर बनाया है। यह तकनीक किसान बहुत अच्छी तरह जानते हैं।यहां बताना उचित होगा कि महान कृषि वैज्ञानिक आर.एच. रिछारिया ने अविभाजित मध्यप्रदेश (जिसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था) से धान की 17 हजार से ज्यादा देसी किसानों को एकत्र किया था जिसमें अधिक उत्पादकता देने वाली, सुगंधित व अन्य तरह से स्वादिष्ट किस्में शामिल थीं। डा. रिछारिया चावल की किस्मों के विशेषज्ञ थे। वे मानते थे देसी किस्मों को ही देश में धान की खेती की प्रगति का आधार बनाना चाहिए। उन्होंने पता लगाया था कि धान की किस्मों की विविधता का बहुत अमूल्य भंडार है। धान की विविधता जरूरी है क्योंकि विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल किस्मों को चुनकर उगाया जा सके। उनकी यह सोच आज जलवायु बदलाव के दौर में बहुत ही उपयोगी और विकेन्द्रित है। इससे बदलते मौसम के अनुकूल मिट्टी-पानी के हिसाब से खेती में देसी किस्मों का चुनाव कर खेती की जा सकती है।

संपादकीय

जहरीला भूजल

हमारे नीति-नियंता लगातार आ रहे उन विभिन्न संकेतों और सर्वेक्षणों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जो बताते रहे हैं कि पंजाब में भूजल लगातार जहरीला होता जा रहा है। यह जानते हुए भी कि भूजल में जहरीली धातुओं और प्रदूषकों की उपस्थिति खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, इस बाबत किसी प्रमाणिक जांच में बेहद कम प्रगति देखी गई है। दरअसल, पंजाब कई दशकों से इस संकट से लगातार पीड़ित है। लेकिन एक हालिया चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि पंजाब के भूजल में नाइट्रेट, लौह अयस्क, आर्सेनिक, क्रोमियम, मैंगनीज, निकल, कैडमियम, सीसा और यूरेनियम की खतरनाक उपस्थिति की पुष्टि हुई है। दरअसल, पंजाब में व्यावसायिक कृषि के क्रम में लगातार उत्पादन बढ़ाने के मकसद से जिस बड़ी मात्रा में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग हुआ है, उसका खमियाजा पंजाब के आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। दरअसल, देश की खाद्य श्रृंखला को सुनिश्चित करने के क्रम में हरित क्रांति में पंजाब ने जो योगदान दिया, उसकी कीमत किसानों और आम नागरिकों को चुकानी पड़ रही है। ये रासायनिक पदार्थ हमारे पेयजल व खाद्य पदार्थों में मिलकर गंभीर रोगों के वाहक बन रहे हैं। लेकिन पंजाब के इस महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद उसके पानी के संकट का समाधान तलाशने की कोई गंभीर पहल होती नजर नहीं आती। जिसका नतीजा यह हुआ कि प्रदूषित पानी की चपेट में आकर लोग कैंसर व अन्य गंभीर रोगों के शिकार बन रहे हैं। दरअसल, इन घातक रासायनिक पदार्थों के हमारे खान-पान में प्रवेश करने से उच्च स्तरीय अवसाद और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों का भी जन्म होता है। पेयजल व हमारे खाद्य पदार्थों में मैग्नीशियम व सोडियम की अधिकता से उपजे जानलेवा रोग जीवन पर संकट उत्पन्न कर सकते हैं। इसी तरह सीसा, निकल, यूरेनियम व मैंगनीज से दूषित पानी के उपयोग से कैंसर समेत कई अन्य गंभीर रोगों का खतरा बढ़ जाता है। लगातार गहराते इस संकट को नीति-नियंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए।दरअसल, हमारे राजनेताओं की प्राथमिकताओं में आम आदमी के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे शामिल ही नहीं रहे हैं। भूजल को जहरीला बनाने वाली फैक्ट्रियों व डिस्टिलरियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती क्योंकि वे राजनीतिक दलों की आय के स्रोत भी रहे हैं। विडंबना देखिये कि भूजल में अनुपचारित अपशिष्ट डालने पर जीरा डिस्टिलरी के खिलाफ ग्रामीण पिछले दो साल से आंदोलन कर रहे हैं। जो बताता है कि जनता से जुड़े गंभीर सरोकारों को भी सत्ताधीश नजरअंदाज करते हैं। दो साल से चला आ रहा आंदोलन बताता है कि जनता हालात बदलने के लिये प्रतिबद्ध है, लेकिन शासन-प्रशासन की उदासीनता समस्या के समाधान की राह नहीं दिखाती। बीते वर्ष पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने डिस्टिलरी को बंद करने की बात कही थी और इस बाबत एक रिपोर्ट भी मांगी थी। बताते हैं कि रिपोर्ट में भूजल में जहरीले प्रदूषण की पुष्टि भी हुई थी। दरअसल, आंदोलनकारी इस डिस्टिलरी को स्थायी रूप से बंद करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच सरकार की तरफ से भी समस्या के निदान के लिये कुछ कदम उठाये गए हैं। इन उपायों के अंतर्गत उचित उर्वरकों का उपयोग तथा जैविक खेती के बारे में शिक्षित करने के लिये 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' योजना का क्रियान्वयन भी शामिल है। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय और पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। इस दिशा में एक ईमानदार पहल की सख्त जरूरत है, जो नागरिकों के जीवन की रक्षा में सहायक बने। निस्संदेह, देश के जल शक्ति मंत्रालय को जल गुणवत्ता की निगरानी और सुधार को प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर किसानों को प्रेरित किया जाना चाहिए कि वे हानिकारक रसायनों पर निर्भरता को कम करें। इसके स्थान पर परंपरागत प्रथाओं को अपनाएं ताकि उनका और आम लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। उन्हें फसल विविधीकरण अपनाने पर अतिरिक्त आय का आश्वासन दिया जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो हम नागरिकों के जीवन से खिलवाड़ ही करेंगे। हमारी लापरवाही एक महत्वपूर्ण जीवन संसाधन को एक जहर के स्रोत में तब्दील कर देगी।

क्या हो जाएगी योगी की विदाई

योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व का कट्टर चेहरा हैं। वे सोशल इंजीनियरिंग करना नहीं जानते। शायद उनकी फितरत भी ऐसी नहीं है। जाहिर है कि भारत की सामाजिक व्यवस्था में सोशल इंजीनियरिंग या सामाजिक न्याय की राजनीति के बगैर अब सत्ता हासिल करना असंभव है। कोरोना काल में नरेंद्र मोदी ने एक जुमला दिया था- आपदा में अवसर। उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार नरेंद्र मोदी के लिए आपदा में अवसर बन गयी है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति इस समय एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है। गुजरात लॉबी और योगी आदित्यनाथ के बीच का सीधा संघर्ष जारी है। पिछले एक महीने से योगी आदित्यनाथ को हटाने के कयास लगाए जा रहे हैं। बहुत सारे प्रमाण मौजूद हैं जिससे जाहिर होता है कि उत्तर प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन अवश्यम्भावी है।दरअसल, योगी आदित्यनाथ का हटना उसी दिन तय हो गया था, जब लोकसभा चुनाव के बीचों बीच नरेंद्र मोदी को यह कहना पड़ा था कि योगी आदित्यनाथ उनके मुख्यमंत्री हैं। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जब जिस मुख्यमंत्री को चाहा, हटा दिया। गुजरात में पहले दो-दो मुख्यमंत्री बदले गए, फिर पूरी कैबिनेट को ही बदल दिया गया। इसी तरह उत्तराखंड में भी दो मुख्यमंत्री बदले गए। हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया गया। लेकिन कहीं विरोध की कोई आवाज नहीं सुनाई पड़ी। इतना ही नहीं, मध्य प्रदेश में भारी बहुमत से चुनाव जिताने वाले शिवराज सिंह चौहान भी विद्रोह करने की हिम्मत नहीं जुटा सके।

उनकी जगह पर मोहन यादव को मुख्यमंत्री बना दिया गया। शिवराज सिंह चौहान इतना भर कह पाए कि वे बीजेपी के एक समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्हें जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, वे उसका पालन करेंगे। राजस्थान भारतीय जनता पार्टी की बेहद कद्दावर लीडर वसुंधरा राजे सिंधिया को भी एक झटके में मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर कर दिया गया। दिल्ली से भेजी गई पर्ची में लिखे हुए नाम को उन्हें खुद पढ़ना पड़ा। भजन लाल शर्मा का नाम पढ़कर वह खुद हतप्रभ थीं, कि उनकी जगह पर एक अनजाने से, पहली बार के विधायक को मुख्यमंत्री बनाया जा रहा है और उसके नाम का ऐलान खुद उनसे करवाया जा रहा है। तथापि उनमें बगावत करने की हिम्मत नहीं हुई। ऐसे में यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या योगी आदित्यनाथ को इसी तरह हटाने की हिम्मत गुजरात लॉबी में नहीं है? नरेंद्र मोदी और अमित शाह का संगठन पर पूरा कब्जा है। पार्टी की कमान उनके हाथों में है। कॉरपोरेट लॉबी उनके पास है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह को चुनौती देने वाला कोई नहीं है। बावजूद इसके योगी आदित्यनाथ को हटाने की हिम्मत अभी गुजरात लॉबी नहीं कर पा रही है। हालांकि नरेंद्र मोदी अगर आज चाहें तो वे योगी आदित्यनाथ को हटा सकते हैं और योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। लेकिन योगी आदित्यनाथ की अपनी यूएसपी है। वे हिंदुत्व का फायर ब्रांड चेहरा हैं। योगी आदित्यनाथ के सामने मोदी और शाह को खतरा यह है कि आगे चलकर वे भाजपा के हिंदुत्व के असली दावेदार के रूप में अपने आप को पेश कर सकते हैं।गौरतलब है कि इस समय आरएसएस दो धड़ों नें बंटा हुआ है। इसी दरमियान मोहन भागवत ने भी नरेंद्र मोदी के नॉन बायोलॉजिकल वाले बयान पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रहार किया है। अब यह बहुत आसानी से समझा जा सकता है कि मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी के बीच दूरियां हैं। आरएसएस का मोहन भागवत वाला धड़ा गुजरात लॉबी का विकल्प चाहता है। असल में यह गुट, नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बीजेपी पर पकड़ को ढीली करना चाहता है। जाहिर तौर पर मोहन भागवत योगी आदित्यनाथ के साथ अप्रत्यक्ष रूप से खड़े हो सकते हैं। इसलिए नरेंद्र मोदी और अमित शाह योगी आदित्यनाथ को इतना कमजोर कर देना चाहते हैं, ताकि हटाने के बाद योगी कोई चुनौती ना बन सकें।

योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व का कट्टर चेहरा हैं। वे सोशल इंजीनियरिंग करना नहीं जानते। शायद उनकी फितरत भी ऐसी नहीं है। जाहिर है कि भारत की सामाजिक व्यवस्था में सोशल इंजीनियरिंग या सामाजिक न्याय की राजनीति के बगैर अब सत्ता हासिल करना असंभव है। कोरोना काल में नरेंद्र मोदी ने एक जुमला दिया था- आपदा में अवसर। उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार नरेंद्र मोदी के लिए आपदा में अवसर बन गयी है। यूपी में केवल तैतीस सीटों पर भारतीय जनता पार्टी सिमट गई। फिर भी नरेंद्र मोदी सरकार बनाने में कामयाब रहे। लेकिन यह एनडीए की सरकार है। उत्तर प्रदेश बीजेपी के राम मंदिर आंदोलन का केंद्र है। एक तरह से हिंदुत्व का सबसे बड़ा गढ़ यूपी है। बीजेपी की हिंदुत्व राजनीति का सबसे ऊर्जस्वित और आक्रामक नारा जय श्रीराम रहा है। लेकिन नरेंद्र मोदी ने 4 जून के बाद जय श्रीराम का नारा लगाना बंद कर दिया। क्या उत्तर प्रदेश में केवल पराजय के कारण नरेंद्र मोदी ने ऐसा किया है? अथवा इसमें भी कोई राजनीतिक खेल छिपा हुआ है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी की हार को विपक्ष हिंदुत्व की पराजय के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। खासतौर पर अयोध्या की हार ने हिंदुत्व पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, नरेंद्र मोदी भी आरएसएस के सामने यूपी की हार को इसी रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं। अलबत्ता, नरेंद्र मोदी ने कारपोरेट मीडिया, आईटी सेल और पार्टी पर मजबूत पकड़ के कारण अपने ब्रांड को बहुत कमजोर नहीं होने दिया। भाजपा के 240 के आंकड़े को नरेंद्र मोदी केवल ब्रांड मोदी की परफॉर्मेंस के रूप में दिखाना चाहते हैं। उनका मकसद यह दिखाना है कि बहुमत नहीं मिलने के पीछे हिंदुत्व की असफलता है। इस तीर से नरेंद्र मोदी सीधे तौर पर योगी आदित्यनाथ का शिकार करना चाहते हैं।

मोदी का मकसद यह बताना है कि योगी के हिंदुत्व के सहारे भारतीय जनता पार्टी कभी सत्ता में नहीं पहुंच सकती। इतना ही नहीं योगी आदित्यनाथ को केवल एक जाति के नेता के तौर पर टैग करने की भी कोशिश चल रही है। विपक्ष का आरोप रहा है कि योगी आदित्यनाथ ठाकुरवादी हैं। गुजरात लॉबी भी विपक्ष के इस आरोप को पुख्ता करना चाहती है। सरकारी नियुक्तियों से लेकर डीएम, एसपी और थानेदारों की तैनातियां; इस आरोप को मजबूत करती हैं। अगड़ी जातियों को छोड़कर अन्य जातियों पर हिंदुत्व का प्रभाव नगण्य है। अनुमान के तौर पर यह कहा जा सकता है कि हिंदुत्व के आधार पर भारतीय जनता पार्टी को 15 से 20 फ़ीसदी वोट मिल सकता है। योगी आदित्यनाथ को ब्राह्मण विरोधी भी स्थापित करने का खेल चल रहा है। इसीलिए केशव प्रसाद मौर्य के साथ बृजेश पाठक भी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के साथ होने वाली गुप्त मीटिंग में शामिल थे।4 जून के नतीजों के बाद लम्बे समय तक उत्तर प्रदेश में बीजेपी की हार पर खामोशी बनी रही। लेकिन जब नरेंद्र मोदी एनडीए की सरकार बनाने में कामयाब हो गए तो उसके बाद उत्तर प्रदेश के नेताओं द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से योगी आदित्यनाथ को हार के लिए जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की जाने लगी। योगी आदित्यनाथ पर तो यह भी आरोप लगाया गया कि चुनाव में प्रशासन ने बीजेपी की मदद नहीं की। गोया, बीजेपी चुनाव प्रशासन की मदद से जीतना चाहती थी, जनता के जरिए नहीं। इसी दरमियान पिछड़ी जाति से आने वाले अनेक नेता अचानक योगी आदित्यनाथ पर हमलावर हो गए। अनुप्रिया पटेल ने योगी सरकार पर ओबीसी आरक्षण की अनदेखी करने का आरोप लगाया। ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद ने तो यहां तक आरोप लगा दिया कि उन्हें चुनाव हराने में योगी सरकार का योगदान है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में योगी पर हमला बोलते हुए कहा कि संगठन सरकार से बड़ा है। इसके बाद दिल्ली से लौटकर उन्होंने योगी आदित्यनाथ की सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए आरक्षण के साथ खिलवाड़ करने का आरोप जड़ दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने मांग की, कि कॉन्ट्रैक्ट और ठेके की नौकरियों में भी आरक्षण का अनुपालन होना चाहिए। दरअसल, इसके जरिए गुजरात लॉबी योगी आदित्यनाथ को पिछड़ा विरोधी साबित करना चाहती है।

केशव प्रसाद मौर्य हों या अनुप्रिया पटेल, संजय निषाद हों या ओमप्रकाश राजभर ये तमाम मोहरे हैं। इन मोहरों के जरिए वजीर को निशाना बनाया जा रहा है। जाहिर तौर पर योगी आदित्यनाथ सोशल इंजीनियरिंग के लिए नहीं जाने जाते। पिछड़ों में उनकी कोई खास पहुंच और पहचान भी नहीं है। पहले विपक्षियों द्वारा और अब उनकी ही पार्टी के तमाम नेताओं द्वारा आरक्षण नहीं देने और ओबीसी समाज की अवहेलना करने का आरोप पुख्ता करने की कोशिश हो रही है। यही असली दांव है जिसके जरिए गुजरात लॉबी योगी आदित्यनाथ को राजनीतिक रूप से निपटाना चाहती है। आरोपों का यह दौर अभी और चलने वाला है। योगी आदित्यनाथ को ठाकुरवादी और खास तौर पर पिछड़ा विरोधी साबित करने के बाद उनकी विदाई की तारीख पक्की होगी। इस प्रकार सांप भी मर जाएगा और लाठी भी नहीं टूटेगी!

आज जिस तेजी से दुनिया की जनसंख्या बढ़ रही है, उस हिसाब से इस दवा उद्योग का भी विस्तार हो रहा है. इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर हमेशा ही मौजूद हैं. दुनिया की विशाल आबादी के बीच औषधि का कारोबार भी बढ़ता जा रहा है. औषधि उद्योग, जिसे फार्मा इंडस्ट्री के नाम से भी जाना जाता है, का विस्तार उदारीकरण के बाद रिसर्च एंड डेवलपमेंट से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, क्लीनिकल ट्रायल, जेनेटिक ड्रग तक हो चुका है.

रोजगार के द्वार खोलती फार्मा इंडस्ट्री

फार्मा में बढ़ रही है मांग

दवाओं के वितरण से लेकर मार्केटिंग, पैकेजिंग और मैनेजमेंट सभी फार्मास्यूटिकल के अहम हिस्से हैं. इसमें भारत की भागीदारी अहम है. ज्यादातर कंपनियों को यहां अपने उद्योग को बढ़ाने और फलने-फूलने का मौका मिलता है. एक अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र में आज तकरीबन पांच लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है. आए दिन इस क्षेत्र की जिस तरह से तरक्की हो रही है, उसमें फार्मा विशेषज्ञ और इससे जुड़े लोगों की मांग और बढ़ेगी.

इन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ही देशभर में कुशल या दक्ष फार्मासिस्ट तैयार करने के लिए जगह- जगह फाम्रेसी के कॉलेज खोले जा रहे हैं. पहले से भी सरकारी स्तर पर जिला और राज्य स्तर पर फार्मेसी कॉलेज चल रहे हैं. उनमें डिग्री, डिप्लोमा से लेकर रिसर्च का काम हो रहा है. कार्य क्षेत्र सामान्य उत्पादों की मार्केटिंग के लिए जहां सीधे डीलर या कस्टमर से संपर्क करना होता है, वहीं दवाओं की मार्केटिंग में डॉक्टर भी अहम कड़ी होता है. दवाओं के बारे में डॉक्टरों को संतुष्ट करना जरूरी है, तभी वे इसे मरीजों के प्रिस्क्रिप्शन में लिखते हैं. कौन सी दवाएं किस रोग के इलाज में असरदार होंगी, इसका ज्ञान औषधि विशेषज्ञ के पास ही होता है. उसे रिसर्च करके आए दिन नई-नई दवाएं और ड्रग्स भी विकसित करने पड़ते हैं. इसलिए फार्मा मैनेजमेंट के क्षेत्र में काम करने के लिए दवाओं की बिक्री के साथ-साथ उसमें इस्तेमाल होने वाले पदार्थ व तकनीक के ज्ञान की भी अपेक्षा होती है.

इस तरह के हुनर से लैस लोगों को दवा के निर्माण, मार्केटिंग से लेकर वितरण तक अपनी भूमिका निभानी पड़ती है. फार्मासिस्ट को अस्पतालों में, डिस्पेंसरी और मेडिकल स्टोर में इस काम के लिए विशेष रूप से रखा जाता है. इसके अलावा बाजार में जगह बनाने के लिए बतौर मेडिकल रिप्रजेंटेटिव और मार्केटिंग ऑफिसर के रूप में आगे आना पड़ता है.

मेडिकल साइंस से जुड़े विषय की करें पढ़ाई

दाखिले की प्रक्रिया इस क्षेत्र में आने के लिए 10वीं से ही खुद को दिमागी तौर पर तैयार रखना पड़ता है क्योंकि इसमें 12वीं के अंकों के आधार पर उन्हीं छात्रों को दाखिला दिया जाता है जिन्होंने मेडिकल साइंस से जुड़े विषय की पढ़ाई की है.

छात्रों को न्यूनतम पचास फीसद अंक के साथ बारहवीं में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, जूलॉजी आदि विषय पढ़ा होना चाहिए. कोर्स की पढ़ाई के लिए मेडिकल साइंस और बायोलॉजी में रुचि और उसकी समझ होना जरूरी है. इसके अलावा इनोवेटिव आइडिया की भूमिका अहम है. अनुसंधान यानी जांच-पड़ताल की समझ होना जरूरी है. वेतनमान बीफार्मा की डिग्री धारकों को आमतौर पर बाजार में 25 से 30 हजार की नौकरी मिल जाती है. इसमें जो छात्र डिप्लोमा करते हैं उन्हें मेडिकल सेंटर या केमिस्ट शॉप पर सेल्स व मार्केटिंग के काम में शुरुआती स्तर पर 20 से 25 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं. रिसर्च स्तर के छात्रों को 30 से 40 हजार प्रतिमाह पैकेज दिया जाता है. सस्ती व प्रभावी दवाएं चिकित्सा जगत में हाथों-हाथ ली जाती हैं. पुरानी दवाओं में भी समय रहते सुधार कर सकते हैं. काफी मेहनत के बाद पहचान मिलती है. दवाओं और ड्रग्स का निर्माण या विकास भी इस क्षेत्र में काफी हुनर की अपेक्षा रखता है.

विभिन्न कोर्स

डिप्लोमा इन फाम्रेसी बैचलर इन फाम्रेसी बीबीए फार्मा मैनेजमेंट एमबीए इन फार्मा मैनेजमेंट मास्टर इन फाम्रेसी पीएचडी इन फार्मेसी क्या है. सिलेबस फाम्रेसी से जुड़ा डिप्लोमा कोर्स दो साल का है. इसमें छात्रों को फाम्रेसी से जुड़ी आधारभूत चीजें बताई जाती हैं. बीफार्मा चार साल का बैचलर डिग्री कोर्स है. इसमें चार साल के अंदर औषध विज्ञान के विभिन्न पहलुओं के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया जाता है. बीफार्मा के बाद पीजी लेवल पर एमफार्मा में स्पेशलाइजेशन का दौर शुरू हो जाता है. इसमें छात्रों को फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, हॉस्पिटल फाम्रेसी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, क्लिनिकल रिसर्च, क्वालिटी सुधार प्रोग्राम, फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट और हर्बल ड्रग टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेष रूप से दक्ष बनाया जाता है. पीएचडी में दवाओं और ड्रग्स को लेकर अनुसंधान का काम करना होता है.

संभावनाएं

फाम्रेसी का कोर्स करने के बाद रिसर्च एंड डे वलपमेंट में नौकरी पा सकते हैं. साथ ही फार्मास्यूटिकल्स और मैन्युफैक्चरिंग कंपनी में सेल्स व मार्केटिंग का काम कर सकते हैं. जनसंख्या के अनुपात में बीमारियों की बढ़ोतरी से फार्मा इंडस्ट्री का विस्तार हो रहा है. आज निजी अस्पताल, नर्सिंग होम और क्लीनिक देश के कोने-कोने में खोले जा रहे हैं. सरकारी अस्पताल का भी विस्तार हो रहा है. ऐसे में इन क्षेत्रों में फार्मा स्पेशलिस्ट की मांग काफी है. मेडिकल स्टोर में फार्मासिस्ट के रूप में छात्रों को रखा जाता है. भारत में इस समय 23 हजार से भी अधिक रजिस्टर्ड फार्मास्यूटिकल कंपनियां हैं. इनमें से करीब 300 ऑर्गनाइज्ड सेक्टर में हैं. अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र में करीब पांच लाख लोगों को नौकरी मिली हुई है. मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट्स एग्जीक्यूटिव, बिजनेस अधिकारी व एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्शन केमिस्ट, क्वालिटी कंट्रोल और इंश्योरेंस एग्जीक्यूटिव जैसे पद पर निजी कंपनियों में काम करने का मौका मिलता है. एमफार्मा करने के बाद साइंटिस्ट और रिसर्च ऑफिसर जैसे पद पा सकते हैं. फार्मेसी कॉलेज में अध्यापन का काम भी कर सकते हैं. रिसर्च और दवा निर्माता कंपनियों में प्रोडक्शन के काम से जुड सकते हैं.

अवसरों के द्वार खोलने को तैयार नैनो टेक्नोलॉजी

नैनो टेक्नोलॉजी को भविष्य की तकनीक भी कहा जाता है. 21वीं सदी में साइंस के कदम जिस ओर सबसे अधिक बढ़ेंगे, उनमें नैनो साइंस एक है. इस क्षेत्र में करियर और काम करने की अपार संभावनाओं को देखते हुए ही देश के कई कॉलेज और संस्थान अपने यहां नैनो टेक्नोलॉजी का कोर्स चलाने लगे हैं. कहीं यह सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में है तो कहीं डिप्लोमा या डिग्री के रूप में. इस कोर्स को कराने का मकसद छात्रों को नैनोमैटीरियल्स और नैनो टेक्नोलॉजी के प्रायोगिक और सैद्धातिक पहलू से रू-ब-रू कराना होता है. इस क्षेत्र में रिसर्च की संभावनाओं को बढ़ावा देना है. दिल्ली विश्वविद्यालय में इन संभावनाओं को देखते हुए ही नैनो साइंस टेक्नोलॉजी में एमटेक का तीन वर्षीय कोर्स पांच साल पहले शुरू किया गया था.

कोर्स में क्या है

कोर्स में छात्रों को पहले पहल नैनो स्केल साइंस और तकनीक से परिचय कराया जाता है. प्राचीन भारत में भारतीय मेडिसिन में इसका रोल क्या रहा है और उसके नैनो टेक्नोलॉजी में साइंस का फंडामेंटल क्या है, इसकी जानकारी दी जाती है. इसके तहत इलेक्ट्रांस, आयंस, एटम्स, मैटीरियल सहित फोटोंस आदि के साथ इंटरएक्शन दिखाया जाता. इसमें मैटीरियल साइंस की पढ़ाई भी कराई जाती है. यहां नैनो मैटीरियल के उद्योगों में नैनो मैटीरियल्स के प्रयोग के बारे में बताया जाता है. कोर्स में थियरी पेपर और लैबोरेटरी वर्क और प्रोजेक्ट वर्क का काम भी कराया जाता है. छात्रों को प्रोजेक्ट वर्क किसी उद्योग, रिसर्च संस्थान और प्रयोगशाला में करना होता है. उसके कार्य का विशेषज्ञ मूल्यांकन करते हैं.

नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

देश-विदेश में एटमोस्फेयर, एयरोस्पेस टेली कम्यु निकेशन, सौर ऊर्जा, कंप्यूटिंग, मेडिसिन जैसे क्षेत्रों मे इसका इस्तेमाल चल रहा है.

इस क्षेत्र में काम करने वालों ने नैनो की मदद से ऐसा फैब्रिक बनाया है, जिसके बने कपड़े पर किसी रसायन या जैविक हमले का असर नहीं होगा. इसको आग और पानी से नुकसान नहीं पहुंचेगा. इन रिसर्चरों ने ऐसी तकनीक भी बनाई है जिससे पर्यावरण में आने वाले बदलाव को समझा जा सके. इस क्षेत्र में बायो नैनो टेक्नोलॉजी की मदद से ऐसे कण बनाए गये हैं जो शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों में दवा पहुंचाने का काम करेगी.

दाखिले की प्रक्रिया

दिल्ली विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रेशन का काम 28 जून तक चलेगा. कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया दो तरह से आयोजित की जाती है. पहला आईआईटी में रसायन और भौतिकी में एमएससी में दाखिले के लिए आयोजित जैम यानी संयुक्त प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण छात्र यहां आवेदन कर सकते हैं. इसके अलावा, इस कोर्स में उन छात्रों को भी दाखिले का मौका दिया जाता है जो दिल्ली विश्वविद्यालय की एमएससी प्रवेश परीक्षा में अव्वल आते हैं. इनके लिए भी कुछ सीटें आरक्षित हैं. कुल 15 सीटें हैं. आवेदन के बाद साक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरना होता है. इसके बाद छात्रों की लिस्ट लगाई जाती है. इस कोर्स में अन्य संस्थान भी आमतौर पर दाखिला उन्हीं छात्रों को देते हैं जिनका बैकग्राउंड साइंस का है तथा जिन्होंने 12वीं में भौतिकी, रसायन, गणित और जीव विज्ञान पढ़ा है और ग्रेजुएशन भी साइंस से किया है. इससे जुड़े कोर्स में दाखिला कहीं एप्टीट्यूट टेस्ट पर तो कहीं मेरिट के आधार पर होता है. आईआईटी में इसकी पढ़ाई हो रही है. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलूर, इं द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और एमिटी यूनिवर्सिटी जैसे कई नामचीन संस्थान भी इससे जुड़े कोर्स चला रहे हैं.

करियर की संभावनाएं

इस कोर्स को करने वालों के लिए आज विभिन्न सेक्टरों में ढेरों अवसर सामने हैं. वे चाहें तो नैनो-मेडिसिन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं. स्टेम सेल डेवलपमेंट, फार्मास्यूटिकल्स कंपनी, नैनो-टॉक्सिकोलॉजी आदि कई ऐसे क्षेत्र है जहां काम करने का मौका मिलेगा. सीएसआई यानी काउंसिल ऑफ साइं टिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ने देशभर में 38 लैबारेटरी बनायी हैं जहां इस क्षेत्र में अनुसंधान और डेवलपमेंट के क्षेत्र में काम किया जा सकता है. विशेषज्ञों के मुताबिक, छात्रों के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने के भी कई अवसर हैं. भारत सरकार ने साइंस में इसका रोल समझते हुए विज्ञान और तकनीक विभाग में एक अलग शाखा के रूप में नैनो टेक्नोलॉजी को स्वीकृति दी है. अभी इस साइंस के विशेषज्ञ बहुत कम हैं इसलिए नौकरी आसानी से मिल जाती है.

फिजियोथैरेपी से संवारें अपना भविष्य

फिजियोथैरेपी चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसमें शारीरिक व्यायाम और कुछ मशीनरी के सहयोग से हड्डियों और मांसपेशियों की बीमारियों को ठीक किया जाता है. आज हाईटेक लाइफस्टाइल के कारण ज्यादातर लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों की समस्याएं ज्यादा होती हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र में इलाज की मांग भी तेजी से बढ़ रही है. फलस्वरूप रोजगार का आगाज भी तेजी से हो रहा है. फिजियोथैरेपी, चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसमें शारीरिक व्यायाम और कुछ मशीनरी सहयोग से हड्डियों और मांसपेशियों की बीमारियों को ठीक किया जाता है. इसके सहयोग से निष्क्रिय पड़ी मांसपेशियों को क्रियाशील बनायी जाती है. फलस्वरूप, रोजगार का आगाज भी तेजी से हो रहा है. उल्लेखनीय है कि इस प्रक्रिया में दवाइयों का सेवन लगभग न के बराबर होता है, अत- इसका साइड इफेक्ट नहीं होता है. चूंकि यह प्रक्रिया एक्सरसाइज और मशीनरी के सहयोग से पूरी की जाती है, अत- इसका लाभ भी ज्यादा होता है. इस तकनीक के विशेषज्ञ को फिजियोथैरेपिस्ट कहते हैं. फिजियोथैरेपी के सहयोग से शरीर की क्रियान्वयन क्षमता बढ़ती है. इसका प्रयोग ज्यादातर शारीरिक रूप से कमजोर लोगों, स्पोर्ट्सपर्सन, हड्डियों की समस्या से जूझ रहे लोगों और न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम्स के इलाज में इसका प्रयोग किया जाता है. प्रमुख शिक्षण संस्थान- गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपुर इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकली हैंडीकैप्ड, नई दिल्ली निजाम इंस्टीट्यू ट ऑफ मेडिकल साइंस, हैदराबाद.

पाठ्यक्रम - इस क्षेत्र में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के स्तर की पढ़ाई होती है. इसके अलावा, इसमें पीएचडी भी होती है. बैचलर स्तर के कोर्स को बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी यानी बीपीटी कहते हैं जबकि पीजी स्तर पर मास्टर ऑफ फिजियोथैरेपी यानी एमपीटी का कोर्स किया जाता है. इसके अलावा, कुछ शिक्षण संस्थान डिप्लोमा कोर्स भी कराते हैं. सामान्यत- स्नातक स्तर का कोर्स साढ़े चार साल का होता है जिसमें अंतिम छह महीने इंटर्नशिप के होते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएशन का कोर्स दो साल का होता है. इसके अंतर्गत, न्यू रो लॉजिकल, फिजियोथैरे पी, स्पोर्ट्स फिजियोथैरेपी, पेडियाट्रिक फिजियोथैरेपी आदि में विशेषज्ञता हासिल की जाती है. इसके अलावा, ऑनलाइन कोर्स भी इस क्षेत्र में उपलब्ध है. इन पाठ्यक्रमों के तहत, मूवमेंट साइंस, आर्थोपेड्रिक्स, न्यूरोलॉजिकल साइंस आदि के बारे में अध्ययन कराया जाता है.

योग्यता - इस पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए बारहवीं में बायोलॉजी, फिजिक्स और केमेस्ट्री में उत्तीर्ण होना जरूरी है. नौकरियां इसमें सरकारी और निजी दोनों सेक्टरों में रोजगार के अवसर हैं. अस्पतालों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्पोर्ट्स एकेडमी, फिटनेस सेंटर में नौकरी की तलाश की जा सकती है. साथ ही, स्वयं का फिजियोथैरेपी सेंटर भी खोला जा सकता है. शिक्षण संस्थान में बतौर प्राध्यापक भी काम कर सकते हैं. व्यक्तिगत गुर इसमें लोगों की समस्याओं को समझने का हुनर होना जरूरी है. धैर्य होने की काफी जरूरत है क्योंकि इस सेक्टर में इलाज के लिए वही आता है जो अपनी बीमारी से आजिज हो चुका होता है. इसमें धैर्य की भी काफी जरूरत होती है. एक्सरसाइज कराने का सही तरीका आना जरूरी है ताकि इलाज में आसानी रहे.

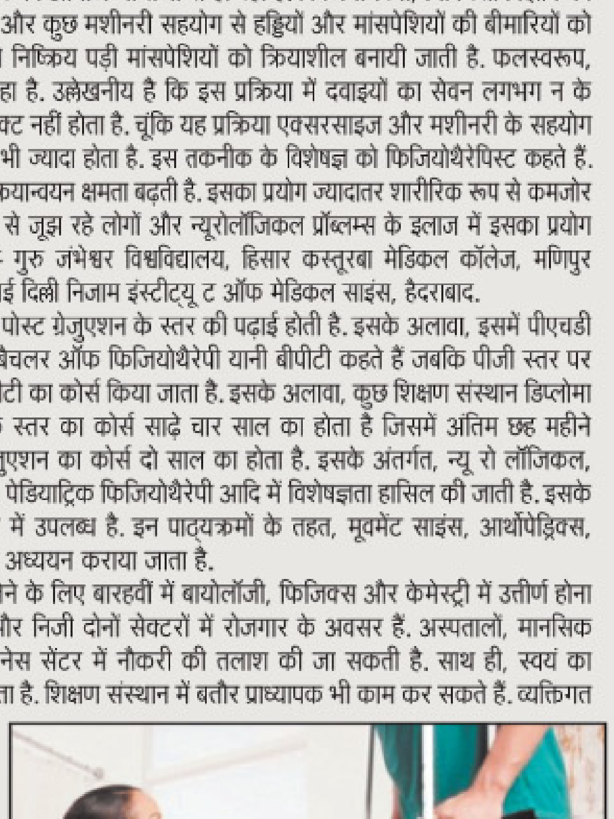

आमदनी - इस सेक्टर में अनुभव के आधार पर लाख रुपये तक मासिक आमदनी की जा सकती है. वैसे तो बतौर, ट्रेनी फिजियो के तौर पर बारह से पंद्रह हजार की सेलरी मिल सकती है. इसके अलावा, स्वयं के निजी सेंटर से सिटिंग के आधार पर दो सौ से पांच सौ रुपये प्रतिघंटे कमाया जा सकता है. प्राध्यापक के तौर पर पचास हजार से एक लाख रुपये तक की मासिक आमदनी संभव है.

क्या आप भी सुबह खाली पेट पीते हैं चाय? हो जाएं सावधान

भारतीय घरों में लोग ज्यादातर अपने दिन की शुरुआत चाय के साथ करना पसंद करते हैं। शायद उनकी यह सोच बन चुकी है कि सुबह-सुबह चाय पिए बगैर उनकी आंख नहीं खुलती। मगर शायद आप नहीं जानते कि आपकी यह सोच आपको धीरे-धीरे बीमार करती जा रही है। आज हम बात करेंगे सुबह के वक्त दूध वाली चाय पीने के नुकसान और साथ ही जानेंगे दूध वाली चाय की जगह आप किस तरह से अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं...

एसिडिटी

यदि आप खाली पेट चाय पीते हैं तो आपको एसिडिटी हो सकती हैं। गर्म चाय का सेवन एसिडिटी पैदा करता है और खाने को पचाने वाले रसों पर बुरा प्रभाव डालता है।

कब्ज

कई लोग समझते हैं कि सुबह उठकर चाय पीने से पेट साफ होता है। मगर चाय पीने से पेट साफ नहीं बल्कि पेट की आंते कमजोर होती हैं, जिससे आप कब्ज के शिकार होते हैं।

कैंसर

सुबह-सुबह दूध वाली मीठी चाय पीने से आप कैंसर जैसी बीमारी की चपेट में भी आ सकते हैं।

मूड-खराब

चाय पीने से एसिडिटी बनती है, जिस वजह से आप सारा दिन गुस्से में और चिड़चिड़े बने रहते हैं।

वजन बढ़ना

खाली पेट दूध वाली मीठी चाय पीने से आपका वजन भी बढ़ता है, जिस वजह से आप एक्टिव होने की बजाय सुस्त महसूस करने लगते हैं।

अल्सर का खतरा

सुबह-सुबह चाय पीने से पेट में जख्म होने लगते हैं, जिसे डॉक्टरी भाषा में अल्सर का नाम दिया जाता है। तो ये थे सुबह खाली पेट चाय पीने के नुकसान, अब बात करेंगे सुबह उठकर आपको कौन सी चाय पीनी चाहिए।

ग्रीन-टी

सुबह के वक्त ग्रीन-टी पीने से आप दिन भर एक्टिव फील करते हैं। ग्रीन-टी आपकी बॉडी के लिए एंटी-ऑक्सीडेंट्स का काम करती है। जो आपको डायबिटीज, कैंसर और हाई बीपी जैसी बीमारियों से बचाकर रखती है।

ब्लैक-टी

जो लोग दिन-भर घर से बाहर रहते हैं, उनके अंदर काफी हद तक धुआं और प्लयूशन जा चुका होता है। ऐसे में ब्लैक-टी पीने से धुएं के संपर्क की वजह से फेफड़ों को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। यह हार्ट-स्ट्रोक के खतरे को भी कम करने का काम करती है।

लेमन-टी

दूध वाली चाय की जगह लेमन-टी पीएं। नींबू जहां आपकी बॉडी को डिटॉक्सीफाई करने का काम करता है वहीं आपको दिन भर एक्टिव रखने में भी मदद करता है। आप इसमें शहद डालकर चाय की गुणवत्ता को और भी बढ़ा सकते हैं।

सिंपल गुनगुना पानी

अगर आपको इनमें से कोई भी चाय नहीं पसंद तो आप दूध वाली चाय पीने की बजाय गुनगुने पानी में शहद मिलाकर दिन की शुरुआत करें।

जिद्दी से जिद्दी दाग-धब्बों की छुट्टी करेगा यह पैक

ब्यूटी प्रॉब्लम्स दूर करने के लिए आप बहुत कुछ करते होंगे पर क्या आपने कभी घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करके देखा है? आज हम आपको एक ऐसा ही होममेड मास्क बताएंगे जो त्वचा को निखारने के साथ-साथ काले दाग-धब्बे, ब्लैकहेड्स, झाइयां और झुर्रियों जैसी समस्याओं को दूर करने में काफी असरदार है।

जरूर लगाएं सनस्क्रीन लोशन

सर्दी हो या गर्मी, धूप हमेशा ही स्किन को नुकसान पहुंचाती है। वहीं प्रदूषण, धूल-मिट्टी के कारण भी स्किन खराब होने लगती है। ऐसे में घर से बाहर जाते समय बॉडी पर सनस्क्रीन लोशन जरूर लगाएं। इस का का ध्यान रखें कि लोशन आपकी स्किन टाइप के हिसाब से हो। साथ ही बाहर जाने से कम से कम आधा घंटा पहले सनस्क्रीन लोशन अप्लाई करें। इससे आपको इन सभी समस्याओं से बची रहेंगी।

चलिए अब हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताते हैं, जिससे आप अपनी कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स से छुटकारा पा सकती हैं।

कितनी बार लगाएं?

हफ्ते में कम से कम 2-3 बार यह मास्क लगाएं। महीनेभर में ही आपकी झाइयों की समस्या दूर हो जाएगी। साथ ही यह मास्क जिद्दी दाग-धब्बों, पिंपल्स, झुर्रियों व डार्क सर्कल्स से भी छुटकारा दिलाएगा।

सामग्री

बेसन - 1 चम्मच

खीरे का रस - 1 चम्मच

बनाने का तरीका

बाउल में दोनों को अच्छी तरह मिक्स कर लें और ध्यान रखें कि इसमें गांठे ना बने। अगर पेस्ट गाढ़ा हो तो उसमें खीरे का रस थोड़ा-सा मिक्स कर लें।

इस्तेमाल करने का तरीका

- सबसे पहले चेहरे को अच्छी तरह फेसवॉश से क्लीन करें, ताकि सारी धूल मिट्टी निकल जाएं।
- अब इस मास्क को चेहरे पर अप्लाई करें और 30-35 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद हल्का-सा पानी लगाकर मसाज करें और पेस्ट को ताजे पानी से धो लें।
- अगर आप रात को सोने से पहले यह मास्क लगाएंगे तो आपको ज्यादा अच्छा रिजल्ट मिलेगा।
- अब चेहरे पर क्रीम, लोशन या माइश्चराइजर लगाएं, ताकि स्किन ड्राई ना हो।

रेसिपी

बेसन ब्रेड टोस्ट

सामग्री

- 4 व्हाइट ब्रेड ▪ 1 प्याज बारीक कटी हुई ▪ 1 टमाटर बारीक कटा हुआ ▪ 1 हरी मिर्च बारीक कटी ▪ हरी धनिया बारीक कटी ▪ 1/2 कप बेसन ▪ 4 छोटे चम्मच तेल ▪ नमक स्वादानुसार

विधि

बेसन ब्रेड टोस्ट बनाने के लिए बाउल में बेसन, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया के पत्ती, नमक और थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। तवा गर्म होने के लिए रख दें और आंच मीडियम रखें। अब ब्रेड स्लाइस लेकर इसे बेस्ट के पेस्ट में डालें और फिर तवे पर रखें। दोनों तरफ थोड़ा-थोड़ा तेल डालें जिससे ब्रेड तवे पर चिपके नहीं। बहुत ज्यादा ब्राउन न करें सुनहरा रंग का हो जाएं तो उतार लें। बाकी टोस्ट को भी ऐसे ही बना लें। हरी चटनी और चाय के साथ परोसें।

बथुए का साग

सामग्री

- बथुआ- 500 ग्राम, टमाटर- दो (बारीक कटे हुए), हरी प्याज- 100 ग्राम बारीक कटी हुई, हरी मिर्च- 2 बारीक कटी हुई, जीरा- ½ चम्मच, सरसों तेल- 2 बड़े चम्मच, सरसों तेल- 2 बड़े चम्मच, काली मिर्च पाउडर- ½ चम्मच, नमक- स्वादानुसार

विधि

बथुए के डंठल तोड़कर साफ कर लें और अच्छे से धोकर बारीक काट लें। हरी प्याज को भी धोकर बारीक काट लें। कढ़ाई को गर्म कर इसमें तेल डालें। गर्म होने के बाद इसमें जीरा और हरी मिर्च का तड़का लगाएं। अब बारीक कटी हुई प्याज डालकर भूनें और गोल्डेन ब्राउन होने के बाद इसमें मटर, हरी प्याज भी डाल दें। 1-2 मिनट बाद काली मिर्च और स्वादानुसार नमक डाल दें। अब इसमें बथुए का साग डालकर अच्छे से चलाएं और फिर इसे ढककर पकाएं। जब साग पूरी तरह से गल जाएं तो आंच धीमी कर दें और इसका पूरा पानी सुखा लें। तैयार है बथुए का साग। जिसे आप लंच या डिनर किसी में भी सर्व कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 5024

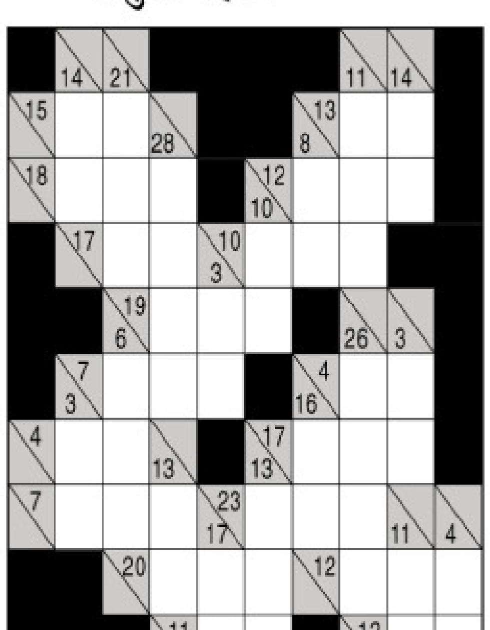

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः: 1 2 3 4 / 1 2 3

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5023 का हल

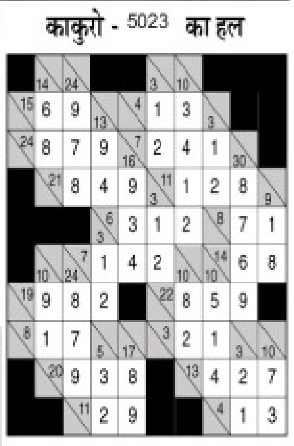

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।

युवती बोली- तुमने ये क्या किया?

युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।

युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर क चाँटा रसीद कर दिया।

युवक- अब ये क्या था?

युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5024

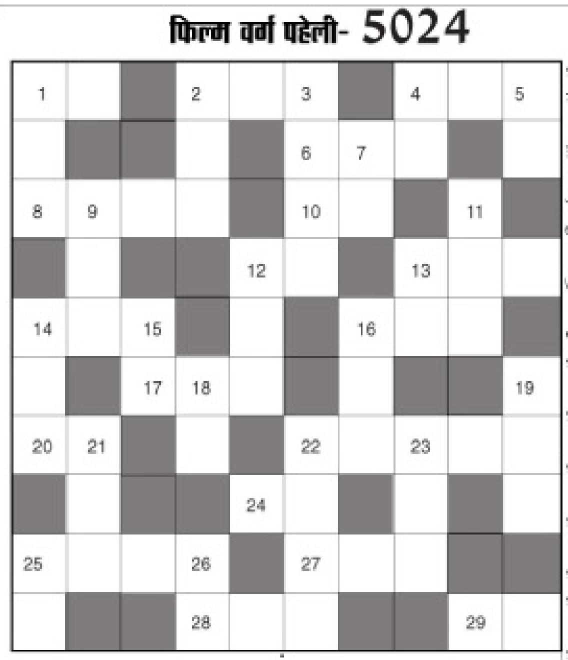

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सोनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लकी अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरुख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हूँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5023

5024

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5023

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 5024

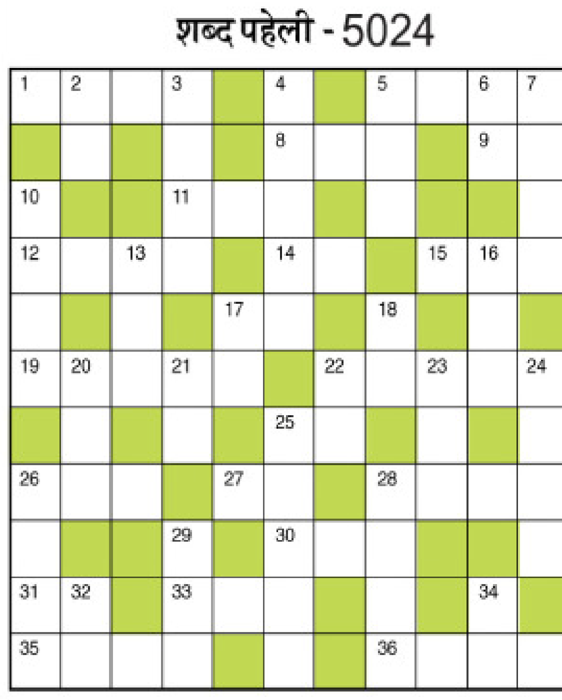

बाएँ से दाएँ

1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांघ-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली -5023 का हल

कोचिंग सेंटरों तथा छात्रावासों के सुरक्षा मानकों की जाँच कराये सरकारः अभाविप

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दिल्ली के राजेन्द्र नगर में राव आईएएस कोचिंग सेंटर के भूमिगत तल में पानी भरने से विद्यार्थियों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है और सरकार से राजधानी के सभी कोचिंग सेंटरों तथा छात्रावासों के सुरक्षा मानकों की जाँच करने की मांग की है। अभाविप ने कहा है कि कोचिंग सेंटर के भूमिगत तल में पानी भरने से विद्यार्थियों की मृत्यु समाचार अत्यंत दुखद है। अभाविप मृतक मेधावी छात्राओं के परिवार के प्रति शोक संवेदना प्रकट करती है।

जम्मू कश्मीर की जनता अब्दुल्ला मुफ्ती और गांधी नेहरू परिवारों से नफरत करती है-चुघ

कठुआ। आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से जम्मू कश्मीर टूरिज्म कैपिटल बनकर तैयार हो गया है। आंतकवाद की राजधानी से पर्यटन की राजधानी में बदलने का श्रेय मोदी सरकार की नीतियों को जाता है। वहीं दूसरी तरफ जम्मू कश्मीर की जनता अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी नेहरू परिवारों से नफरत करती है। यह बातें राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कठुआ में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहीं। पूर्व मंत्री राजीव जसरोटिया के निवास स्थान पर आयोजित पत्रकारवार्ता में राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि यासीन मलिक के साथ तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह फोटो शूट करते थे, मीटिंग करते थे आखिर क्या रिश्ता है उनका। क्योंकि 90 के दशक में यासीन मलिक ने खुद माना है कि उसने देश के सैनिकों को मारा है, कश्मीरी पंडितों के खून से उसके हाथ रंगे हैं। चुघ ने कहा कि बटला कांड पर सोनिया गांधी रोती है लेकिन मैं सोनिया गांधी से पूछना चाहता हूं कि पुलवामा अटैक पर उनकी आंखों में आंसू क्यों नहीं थे। जब उड़ी के अंदर देश के वीर सैनिकों को जिंदा जलाया गया, जब सैनिकों की हत्या होती है तो उन शहीदों की शहादत पर सोनिया गांधी की आंखों में आंसू क्यों नहीं आते हैं, आखिर क्या रिश्ता है कश्मीर को दहलाने वालों के साथ। क्यों कसाब को बचाने के लिए कांग्रेस रात को न्यायालय का सहारा लेती है। वहीं दूसरी तरफ आज जम्मू कश्मीर के अंदर अगर शांति बहाली हुई है तो उसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्वास और विकास है।

जन शिक्षण संस्थानों की 82 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं-जयंत

जयपुर। केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा है कि जमीनी स्तर पर लोग सामाजिक उत्थान के लिए जन शिक्षण संस्थानों (जेएसएस) के विजन और मिशन के वास्तविक प्रभाव के साक्षी हैं और इसके 82 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं।श्री चौधरी यहां मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) में आयोजित जेएसएस के लिए आयोजित जोनल कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि हमारे 82 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं और वे भी हाशिए पर पड़े समुदायों से हैं, जिनके पास पहले अवसरों और औपचारिक शिक्षा का अभाव था। इस योजना की गतिशीलता हमारे राष्ट्र की भावना एक विकसित भारत के सपने को दर्शाती है। आज के तेजी से बदलते हुए समय में एक बात तय है कि उत्सुक भारत-युवा भारत इंतजार नहीं करेगा।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी ने रामभुआल के निर्वाचन को दी चुनौती

लखनऊ। पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी ने अपने अधिवक्ताओं प्रशांत सिंह अटल, अमित जायसवाल, विजय विक्रम सिंह, डॉ पूजा सिंह के सहयोग से शनिवार को सीनियर रजिस्ट्रार हाईकोर्ट के समक्ष चुनाव याचिका दाखिल किया। जिसमें मेनका गांधी ने सुल्तानपुर से समाजवादी पार्टी के निर्वाचित लोकसभा उम्मीदवार रामभुआल निषाद के निर्वाचन को चुनौती दी। चुनाव याचिका में रामभुआल निषाद पर कहा गया है कि निर्वाचित उम्मीदवार पर कुल बारह आपराधिक मामले लंबित हैं। जबकि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के दौरान फॉर्म-26 दाखिल करते समय उन्होंने केवल आठ आपराधिक मामलों की जानकारी दी। चुनाव याचिका में आरोप लगाया गया है कि आपराधिक इतिहास का खुलासा न करना या जानबूझकर छोड़ना रामभुआल के भ्रष्ट आचरण का प्रदर्शन करता है। इसके लिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 100 के अंतर्गत रामभुआल पर दोष आता है। चुनाव याचिका में प्रार्थना की गई कि केवल इसी आधार पर लोकसभा सुल्तानपुर सीट को चुनाव शून्य घोषित किया जाए।

भारत की क्षमताओं की परीक्षा लेने वालों के सिर कुचल दिये जायेंगेः मनोज सिन्हा

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि देश में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है और चेतावनी दी है कि जल्द ही उन लोगों के सिर कुचल दिये जायेंगे जो भारत के धैर्य और क्षमताओं की परीक्षा लेना चाहते हैं।

श्री सिन्हा ने शुक्रवार को यहां जम्मू-कश्मीर संभव उत्सव 2.0 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बल देकर कहा ,जम्मू क्षेत्र में, चाहे वह जम्मू-कश्मीर पुलिस हो, सेना के हमारे बहादुर सैनिक हों या हमारे सीएपीएफ जवान हों, एक रणनीति तैयार की गई है और यह समय की बात है; जो लोग यहां समस्याएं उत्पन्न कर रहे हैं उनका भी वही हश्र होगा जो दूसरों का हुआ।

उपराज्यपाल कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद डॉ. कर्ण सिंह द्वारा उठाई गई चिंताओं का जवाब दे रहे थे। डॉ. सिंह ने कहा , विकास के लिए सुरक्षा बहुत आवश्यक है। पिछले चार से छह हफ्तों में जम्मू क्षेत्र में हुई आतंकवादी घटनाओं ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। मैं उपराज्यपाल से सेना, पुलिस और अन्य एजेंसियों की मदद से इन घटनाओं में वृद्धि के कारण का पता लगाने का आग्रह करता हूं।

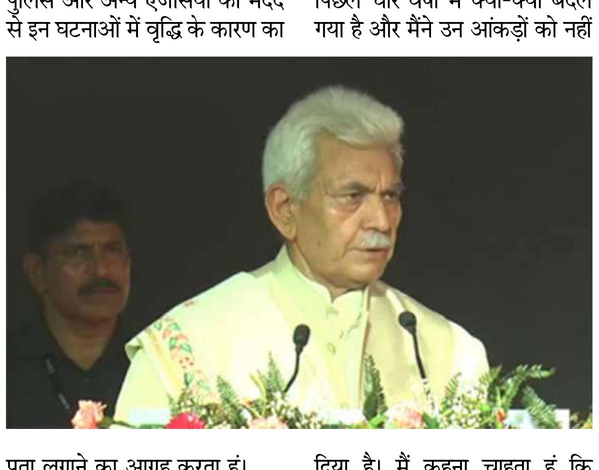

श्री सिन्हा ने कहा , यह सच है कि जम्मू क्षेत्र से आतंकवाद का पूरी तरह से सफाया हो गया था। आतंकवाद के खात्मे के बाद स्वाभाविक है कि पहले जो प्रतिष्ठान थे, वे कमजोर हुए हैं। आंकड़ों को देखते हुए, मैं कह सकता हूं कि पिछले चार वर्षों में क्या-क्या बदल गया है और मैंने उन आंकड़ों को नहीं दिया है। मैं कहना चाहता हूं कि कश्मीर में सभी बड़े आतंकी संगठनों के 'कमांडर' जीवित नहीं हैं और नई भर्तियां लगभग ना के बराबर हुई हैं। उन्होंने कहा, 'जम्मू क्षेत्र में, हमारा पड़ोसी देश, जो अपने नागरिकों को भोजन उपलब्ध कराने में असमर्थ है, हमारी क्षमताओं का परीक्षण करने का दुस्साहस कर रहा है। मैं कहना चाहता हूं कि हम उस सिर को जरूर कुचल देंगे जो जहर से भरा है। आतंकवाद के लिए यहां कोई जगह नहीं है। यहां तक कि हमारे प्रधानमंत्री ने भी आज एक कड़ा संदेश भेजा है और आप सभी जानते हैं कि उनका क्या मतलब था। श्री सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश के खजाने को प्रदर्शित करने के लिए जम्मू-कश्मीर संभव उत्सव 2.0 को एक अच्छी पहल बताते हुए कहा, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में वृद्धि देखी गई है। पिछले साल, मई में, जी 20 कार्य समूह की बैठक के बाद, अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में ढाई गुना की वृद्धि हुई और पिछले साल दो करोड़ से अधिक पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए हैं। हमें उम्मीद है कि इस साल पर्यटकों की संख्या का रिकॉर्ड 2.5 करोड़ होगी।

जानकीचट्टी में फंसे दिल्ली व मप्र के 06 यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। जानकीचट्टी में भारी बारिश के चलते भारी परेशानियों में घिरे मध्य प्रदेश और दिल्ली के 06 यात्रियों को बचाव दल ने सुरक्षित निकाल लिया है। पुलिस के मुताबिक राममंदिर के ऊपर 06 यात्री लगातार हो रही बारिश के चलते फंस गए थे। इनके पास टॉर्च की व्यवस्था नहीं थी और बारिश के कारण वे नीचे नहीं आ पा रहे थे। जानकीचट्टी पोस्ट से मिली सूचना पर एसडीआरएफ हेड कांस्टेबल सत्येंद्र रावत के नेतृत्व में बचाव दल रवाना हुआ। रविवार को टीम ने जानकीचट्टी चौकी से 2 किमी दूर इन यात्रियों को सुरक्षित रूप से निकाल लिया। इनमें अभिषेक सोनी (दिल्ली), वैशाली (मध्य प्रदेश), भारती अशोक (मध्य प्रदेश),अशोक जाटव (मध्य प्रदेश), जितेंद्र (दिल्ली), विलास (दिल्ली) शामिल हैं। घटनास्थल के आसपास मूसलाधार बारिश और नदी का जलस्तर बढ़ने से बचाव दल को काफी दिक्कतें आई।

महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, राजस्थान समेत कई राज्यों के राज्यपाल बदले

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, झारखंड समेत कई राज्यों के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल की नई नियुक्ति की है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उनकी जगह गुलाब चंद कटारिया को नियुक्त किया गया है जो फिलहाल असम के राज्यपाल हैं। सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य अब असम के नये राज्यपाल होंगे। उन्हें मणिपुर का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। ओम प्रकाश माथुर को सिक्किम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। सी.पी. राधाकृष्णन महाराष्ट्र के नये राज्यपाल होंगे। वह फिलहाल झारखंड के राज्यपाल हैं। उनके पास तेलंगाना का अतिरिक्त प्रभार भी है। संतोष कुमार गंगवार को झारखंड का और जिष्णु देव वर्मा को तेलंगाना का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। हरिभाऊ किशनराव बाग्डे को राजस्थान, रमन डेका को छत्तीसगढ़ और सी.एच. विजयशंकर को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। इसके अलावा के. कैलाशनाथन को पुडुचेरी का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि सभी नियुक्तियां उनके कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होंगी।

अमित शाह पर अनर्गल टिप्पणी के लिए शरद पवार को माफी मांगनी चाहिएः पीयूष गोयल

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मुंबई में कहा कि राकांपा नेता शरद पवार को हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध की गई अर्नगल टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए। पीयूष गोयल ने कहा कि तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की सरकार ने अमित शाह पर झूठे मामले दर्ज किए थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अमित शाह को इन मामलों में बरी कर दिया था। इसलिए शरद पवार की अनर्गल टिप्पणी पूरी तरह गलत और भ्रामक है। उल्लेखनीय है कि अमित शाह ने हाल ही में शरद पवार को भ्रष्टाचार गिरोह का सरगना बताया था। अमित शाह के इसी व्यक्तव्य पर शरद पवार ने कहा था कि अमित शाह को तो तड़ीपार किया गया था। ऐसे नेताओं पर वे क्या बोलें? शरद पवार के इसी व्यक्तव्य पर आज पीयूष गोयल ने शरद पवार को घेरने की कोशिश की और कहा कि तत्कालीन सरकार ने अमित शाह को झूठे मामलों में फसाने का प्रयास किया था। हालांकि इन मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने अमित शाह को बरी कर दिया था। इससे यह साबित हो गया था कि अमित शाह को फंसाने का प्रयास किया गया था। ऐसे में शरद पवार को अपने व्यक्तव्य के लिए माफी मांगनी चाहिए। पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्रीय बजट में महाराष्ट्र के साथ कोई अन्याय नहीं किया गया है, बल्कि बजट में महाराष्ट्र के लिए बड़े प्रावधान किए गए हैं। राज्य में बंदरगाह के विस्तार के लिए 76 हजार करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। रेलवे विभाग के प्रावधान में महाराष्ट्र की परियोजनाओं के लिए 15 हजार करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। इस बजट ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। गोयल ने कहा कि देशभर में 12 औद्योगिक पार्क स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें राज्य के दिघा में बनने वाला औद्योगिक पार्क भी शामिल है। इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए रिकॉर्ड 11 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। इससे महाराष्ट्र को भी काफी हद तक फायदा होगा। गोयल ने इस बजट के प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह बजट 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के संकल्प को दर्शाता है। चूंकि यह भविष्योन्मुखी बजट है, इसलिए उद्योग जगत ने इस बजट का स्वागत किया है। यह बजट अगले तीन वर्षों में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है।

हरिगिरी महाराज ने दुकानदारों से की अपील, हिन्दुओं का धर्म भ्रष्ट न हो स्वतः अंकित करें दुकानों पर नाम

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कावड़ यात्रा को लेकर जो निर्णय लिया है वह बहुत सराहनीय कदम है। हम सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हैं, लेकिन हिन्दुओं का धर्म भ्रष्ट न हो इसके लिए दुकानदारों से अपील है कि वह अपने दुकान के सामने दुकान स्वामी का नाम अवश्य लिखें। यह बात कानपुर श्री आनंदेश्वर मंदिर के बाबा घाट समाधि स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक हरि गिरि जी महाराज ने मीडिया से कही।

उन्होंने कहा कि हम अक्षरधाम, अहमदाबाद, वाराणसी के संकट मोचन, अयोध्या में हुई वारदातों को भुला नहीं पाएंगे। कानून व्यवस्था को बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी होती है। सुरक्षा की दृष्टि से सरकार के लोग एवं अधिकारी समय-समय पर अपना निर्णय लेते हैं। भीड़ के बीच में कोई भी किसी भेष में पहुंचता है और आपराधिक वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाता है। अपनी आईडी लेकर चलना कोई गुनाह नहीं है। ईश्वर न करें किसी के साथ कोई अनहोनी हो जाए। ऐसी घटनाएं होने पर आईडी या पहचान पत्र रहने से पुलिस एवं प्रशासन को बहुत आसानी होती है और दुर्घटना के शिकार हुए लोगों के परिवार तक सूचना देने में सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई रूकेगी नहीं इसे लड़ा जाएगा, कश्मीर का मुद्दा संघर्ष करने की वजह से हल हो चुका है। यह भी मामला हल होगा। हम प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हैं, वह सुरक्षा को लेकर बहुत गंभीर है। कुंभ मेला को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए तेजी तैयारी की जा रही है।

आरक्षण से छेड़छाड़ के प्रयास किये गये तो राजनीति छोड़ दूंगा - प्रफुल्ल पटेल

एजेंसी

गोंदिया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि यदि आरक्षण से छेड़छाड़ का कोई प्रयास किया गया तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे।

राकांपा नेता ने राज्य के विदर्भ क्षेत्र के गोंदिया में कहा, ...ऐसी स्थिति में किसी पद पर बने रहने या राजनीति में बने रहने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने हमारे संविधान में आरक्षण दिया है। कोई भी उसमें छेड़छाड़ नहीं कर सकता या उसके मूल ढांचे को नहीं बदल सकता। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान, लोग इस झूठी कहानी के शिकार हो गए कि संविधान बदल दिया जाएगा और आरक्षण खत्म हो जाएगा।

उन्होंने कहा, लेकिन अब लोगों

को एहसास हो गया है। हमारे जैसे कई लोग जो संसद में बैठकर संविधान की शपथ ले रहे हैं, वे ऐसा नहीं होने देंगे।

मराठा आरक्षण के राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दे पर पटेल ने कहा कि महायुति सरकार आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, सरकार ने मराठा समुदाय को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए कानून बनाया है। कांग्रेस और अन्य सभी दल कई वर्षों से सत्ता में हैं। मराठों के लिए आरक्षण का सवाल कल का है, आज का नहीं... यह बहुत पुराना है। यह समुदाय वर्षों से आरक्षण की मांग कर रहा है। पटेल ने कहा, महाराष्ट्र में तीनों दल एक महागठबंधन (महायुति) के रूप में काम कर रहे हैं और महाराष्ट्र में इस चुनाव का सफलतापूर्वक सामना करेंगे। विधानसभा चुनाव के बाद महायुति अगली सरकार बनाएगी।

शिक्षक की तलवार से हत्या के मामले में पीड़ित परिवार को मिलना चाहिए न्याय-गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सलूंबर जिले के जावरमाइंस थाना क्षेत्र में सरकारी शिक्षक शंकर लाल मेघवाल की तलवार से हत्या एवं उनके पिता डालचंद मेघवाल को घायल करने की घटना को बेहद विचलित करने वाली बताते हुए कहा है कि इस मामले की तह में जाकर पीड़ित परिवार को न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। श्री गहलोत ने शनिवार रात अपने बयान में कहा कि प्रशासन से प्राप्त जानकारी के मुताबिक हमलावर की भी मृत्यु हो गई है। पुलिस को इस मामले की तह तक जाकर पता करना चाहिए कि इस जघन्य अपराध के पीछे की वजह क्या थी एवं पीड़ित परिवार को न्याय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा राशि भी दी जानी चीहिए।

पंचक्रोशी परिक्रमा मार्ग के दूसरे पड़ाव भीमचंडी का जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया

वाराणसी। सावन माह में पंचक्रोशी परिक्रमा मार्ग पर सड़क के किनारे उखड़े इंटरलॉकिंग को देख जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने

नाराजगी जताई। उन्होंने इंटरलॉकिंग की व्यवस्था को दुरुस्त कराने तथा अतिक्रमण व मलबे के हटवाने को कहा। अपराह्न में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल के साथ भीमचंडी स्थित पंचकोशी परिक्रमा मार्ग पर पहुंचे जिलाधिकारी ने मां भीमचंडी देवी का दर्शन पूजन किया। इसके बाद उन्होंने दूसरे पड़ाव पर स्थित मंदिरों तथा सभी धर्मशालाओं और शौचालयों को साफ सफाई करने को कहा।

छत्तीसगढ़ का जीएसडीपी अगले पांच सालों में 10 लाख करोड़ करने का लक्ष्य

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वर्तमान में 5.05 लाख करोड़ रुपये है, जिसे अगले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है और इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार और लक्ष्यों पर काम शुरू किया गया है।

सीएम साय ने नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की आज यहां नौवीं बैठक में राज्य की विकास योजना प्रस्तुत की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राज्य की प्राथमिकताओं और विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी, जिसमें शिक्षा, मानव संसाधन विकास , स्वास्थ्य, और तकनीकी उन्नति पर जोर दिया गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए प्रस्तावित योजनाओं को साझा किया, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में राज्य की भूमिका

को स्पष्ट करती हैं।

श्री साय ने छत्तीसगढ़ के विकास में युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार का मुख्य फोकस स्किल्ड मानव संसाधन तैयार करने पर है। प्रदेश में शिक्षा को व्यावसायिक कौशल और ट्रेनिंग से जोड़ा जा रहा है। राज्य में प्रत्येक छात्र के लिए 'वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी कार्ड' बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसमें छात्र के शैक्षणिक अनुभव से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारी डिजिटल रूप में मौजूद होंगी।उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर उपलब्धता, सतत विकास, राज्य की संस्कृति एवं परंपरा के संरक्षण की योजना साझा की। उन्होंने कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण के लिए छत्तीसगढ़ सुपर फूड्स की पैदावार और प्राकृतिक औषधालयों का निर्माण किया जायेगा जिससे स्थानीय उत्पादों की प्रोसेसिंग और ब्रांडिंग को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईटी सेक्टर के विस्तार के साथ-साथ सड़कों, इमारतों जैसी भौतिक संरचनाओं और इंटरनेट, मोबाइल नेटवर्क जैसी डिजिटल सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया जायेगा।

सौर ऊर्जा लगाने की प्रक्रिया को किया सरल

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए केंद्र से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि छतों पर सौर ऊर्जा लगाने की प्रक्रिया को सरल कर दिया गया है और 100 गांवों को पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित बनाने की योजना बनायी है। सरकारी भवनों में रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए सर्वे पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मार्च 2026 तक 96 प्रतिशत घरों में पेयजल पहुंचा दिया जायेगा। भारत का लक्ष्य 2047 तक केवल विकसित ही नहीं, बल्कि जल-सुरक्षित भारत 2047 भी होना चाहिए।

नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री के नहीं जाने से हुआ हिमाचल का नुकसान - जयराम ठाकुर

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में शामिल न होने प्रदेश के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। भाजपा नेता ने कहा कि शिमला से दिल्ली जाने के बाद 'इंडिया' ब्लॉक के सभी नेताओं ने न जाने का फैसला किया। इस फैसले के बाद सीएम सुक्खू भी इस बैठक में शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा, ÷राजनीतिक विरोध एक अलग मंच का विषय है, वहां राजनीति करने के कई अवसर हैं। जब बात प्रदेश के विकास और हित की हो तो राजनीति को आगे नहीं लाना चाहिए। उस समय राजनीति को किनारे रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है, बहुत बड़ी क्षति हुई है। खासकर जब मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि हिमाचल प्रदेश को और मिलना चाहिए, तो यही सही जगह थी, जहां वह अपनी बात रख सकते थे क्योंकि प्रधानमंत्री भी इस बैठक में मौजूद थे। साथ ही वित्त मंत्री भी बैठक में

मौजूद थे।जयराम ठाकुर ने कहा कि वह वहां अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकते थे, लेकिन बैठक का बहिष्कार करना सही तरीका नहीं था। हिमाचल जैसे छोटे राज्य के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह केंद्र के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें और केंद्र से जो भी मदद मिल सकती है, उसे पाने की कोशिश करें, ताकि राज्य में काम और विकास हो सके। उन्होंने कहा कि पिछले 18-19 महीने से पूरे प्रदेश का काम और विकास ठप है। इन्होंने 18 महीने में उतना कर्ज ले लिया जितना भाजपा सरकार ने पांच साल में लिया था। इसके बावजूद काम नहीं हो रहा है। पिछली बरसात में बंद हुई सड़कें अब तक नहीं बन सकी हैं।

जैसे लोग चन्द्रगुप्त मौर्य के स्वर्ण युग को याद करते थे वैसे ही मोदी युग के भारत को याद करेंगेः डॉ. मनसुख मांडविया

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय श्रम व रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने पिछले एक दशक से एक नई संस्कृति विकसित की है। एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बजट की कार्य संस्कृति को बदल दिया। डॉ. मांडविया राजधानी में केंद्र सरकार के बजट पर संवाद हेतु आहूत बुद्धिजीवियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि जैसे लोग चन्द्रगुप्त मौर्य के स्वर्ण युग को याद करते थे वैसे ही मोदी युग के भारत को याद करेंगे। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि मोदी जी की विकसित भारत यात्रा के साक्षी हैं।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि बजट घोषणाओं और आर्थिक प्रावधानों का दस्तावेज भर नहीं हो सकता है बल्कि बजट सरकार की कार्यशैली का प्रतिबिंब होता है। सरकार क्या चाहती है, सरकार कौन-सी दिशा में जा रही है, सरकार ने बजट में क्या कहा, सरकार का इस कथन के पीछे उद्देश्य क्या है, कुल मिलाकर, एक साल का शॉर्ट टर्म प्लान होता है और उसके साथ-साथ लॉन्ग टर्म विजन उसमें से दिखाई देता है। डॉ. मंडाविया ने कहा कि श्री मोदी ने 9 प्राथमिकता तय की है। पहली प्राथमिकता को बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि 5 साल तक के बजट में कृषि में उत्पादकता और अनुकूलनीयता पर जोर दिया है। देश में कृषि सशक्त नहीं होगी तो राष्ट्र सशक्त नहीं होगा। इसलिए कृषि कल्याण का कार्यक्रम उठाना होगा। देश में व्यापार उद्योग को वर्तमान समय की परिभाषा में उसको रूपांतरित करें तो देश के व्यापार को प्रोत्साहित करना होगा और देश के व्यापार वाणिज्य को प्रोत्साहित करने से संपत्ति का सृजन होता है जिसमें कुशलता है, एंटरप्रेन्योरशिप है, अच्छी स्किल है, ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करने से इस संपत्ति का सृजन होगा तो राज्य की तिजोरी में टैक्स डालेगा और राज्य की तिजोरी में टैक्स आएंगे तो राज्य की तिजोरी समृद्ध होगी, इसलिए श्री मोदी ने कहा कि राज्य में किसानों का कल्याण होना चाहिए। आज किसान सम्मान निधि दी जाती है, आज उनको फर्टिलाइजर में सब्सिडी दी जाती हैं।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि अब प्राकृतिक खेती पर जोर देने की आवश्यकता है। बजट में इसके लिए बड़ा प्रावधान किया गया है। श्री मांडविया ने कहा कि रोजगार और कौशल प्रशिक्षण, रोजगार, एंपावरमेंट पर ध्यान देना जरूरी है। हमारे देश के युवाओं में रही शक्तियों को कैसे सपोर्ट करें, उसको रोजगार का अवसर कैसे मिले, इसलिए देश में इस बजट में 5 साल में चार करोड़ युवाओं को रोजगार देने के लिए कार्यक्रम तय किया। आज पहली बार मोदी जी ने इम्प्लॉमेंट लिंक दिया है, जॉब लेने वाले को भी मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि केंद्रीय पोर्टल पर जाकर देखिए 30 लाख जॉब देने वाले अपॉइंटमेंट देने वाले लोग एक प्लेटफार्म पर है और हर महीने में 15-20 लाख जॉब का विज्ञापन वहां देते हैं और कहते हैं कि हमारे यहां जॉब है लेकिन हमारे पास स्किल्ड मैन पावर नहीं है। बजट में प्रावधान के तहत स्किल्ड मैन पावर तैयार करेंगे, एक हजार आईटीआई को ट्रेनिंग का काम हब के रूप में करेगी। दूसरा एक महत्वपूर्ण निर्णय हुआ कि हम ऐसे एक करोड़ युवाओं को टॉप मोस्ट 500 कंपनी में इंटर्नशिप करने के लिए पांच हजार रुपये का स्टाइपेंड भी देंगे।

साइज जीरो के टशन में बोन होंगी कमजोर

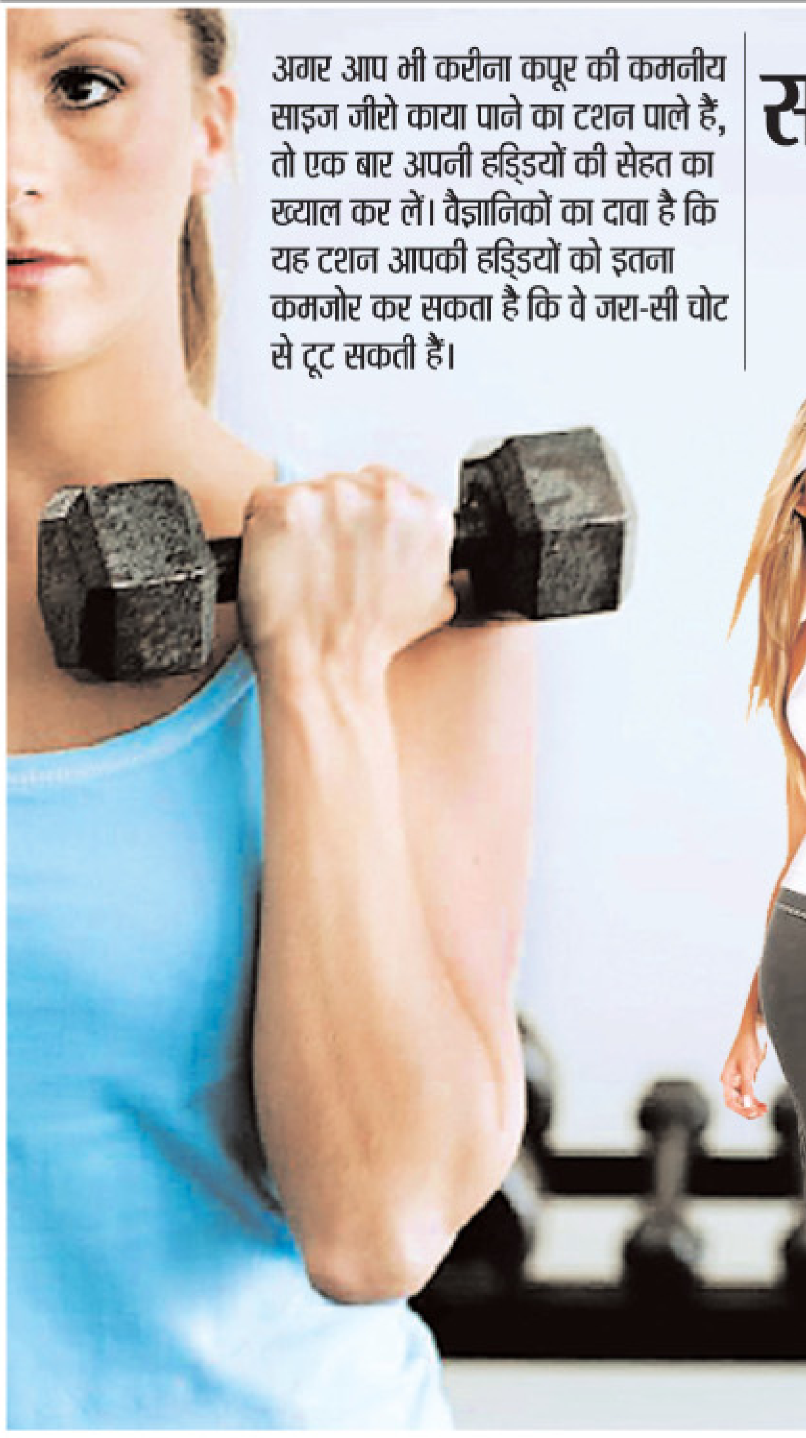

अगर आप भी करीना कपूर की कमनीय साइज जीरो काया पाने का टशन पाले हैं, तो एक बार अपनी हड्डियों की सेहत का ख्याल कर लें। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह टशन आपकी हड्डियों को इतना कमजोर कर सकता है कि वे जरा-सी चोट से टूट सकती हैं।

रिसर्चरों के हवाले से यह छापा है कि हड्डियों की मजबूती सीधे तौर पर फैट के लेवल से जुड़ी है। इसका मतलब है कि पतले होने का दबाव हड्डियों के टूटने के खतरे को बढ़ा सकता है। साइज जीरो का भूत लड़कियों और महिलाओं में ज्यादा चढ़ता है, जबकि रिसर्चर्स का कहना है कि उनमें हड्डियों का मजबूत होना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि महिलाओं में हड्डियों के पतले होने या ऑस्टियोपरोसिस के अलावा कूल्हे की हड्डी टूटने का खतरा भी पुरुषों से तीन गुना ज्यादा होता है।

ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के चीफ रिसर्चर प्रो. जॉन टोबियस कहते हैं कि लड़कियों पर पतले होने का दबाव बहुत ज्यादा होता है, लेकिन उन्हें समझना जरूरी है कि यह उनके बढ़ते हुए शरीर के लिए खतरा है और ऑस्टियोपरोसिस के खतरे को और बढ़ा देता है। लोग यह मानते हैं कि एक्सरसाइज वजन कम करने और हड्डियां मजबूत करने का काम साथ-साथ करती है, लेकिन यह एक हद तक ही सही है। अगर आप पैदल चल रहे हों, तो आपका वजन कम होगा, लेकिन हड्डियों का मजबूत होना जरूरी नहीं है। एक्सरसाइज में दौड़ने या कूदने का विकल्प हड्डियों को कुछ मजबूती जरूर देता है।

ताली बजाने के कई फायदे

हमारे देश में आरती या भजन गाते समय ताली बजाने की जो प्रथा है। यह वैज्ञानिक है और शरीर और स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। ताली बजाने से न सिर्फ रोगों के आक्रमण से रक्षा होती है, बल्कि कई रोगों का इलाज भी हो जाता है।

हाथों से नियमित रूप से ताली बजाकर कई रोग दूर किये जा सकते हैं। प्रतिदिन यदि नियमित रूप से कम से कम 1 या 2 मिनट ताली बजाई जाए तो शरीर की नसों का व्यायाम हो जाता है, रक्त प्रवाह तेज होता है। लगातार ताली बजाने से मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति की वृद्धि होती है।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो हाथ की हथेलियों में शरीर के सभी आन्तरिक उत्सर्जन संस्थानों के बिन्दु होते हैं व ताली बजाने से जब इन बिन्दुओं पर बार-बार दबाव पड़ता है तो सभी आन्तरिक संस्थान ऊर्जा पाकर अपना काम सुचारु रूप से करते हैं- जिससे शरीर स्वस्थ और निरोग बनता है। ताली बजाने से शरीर की अतिरिक्त वसा कम होती है, जिससे मोटापा कम होता है, शरीर के विकार नष्ट होते हैं, वात, पित्त, कफ का संतुलन ठीक रहता है। ताली बजाना मन की प्रसन्नता का भी प्रतीक है। इस कारण प्रसन्नता में ताली बजाई जाती है।

कम्प्यूटर पर काम करते समय

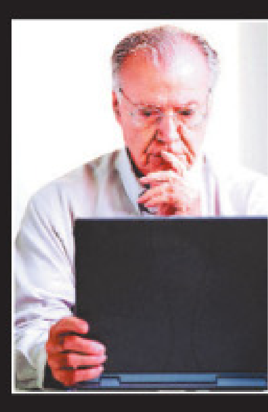

मॉनीटर को इस प्रकार से रखें कि मॉनीटर का टाप आपकी आंखों की सीध में आए। स्क्रीन के ही स्तर पर एक डाक्युमेंट होल्डर भी रखें।

गर्दन दर्द में कैसा करें व्यवहार

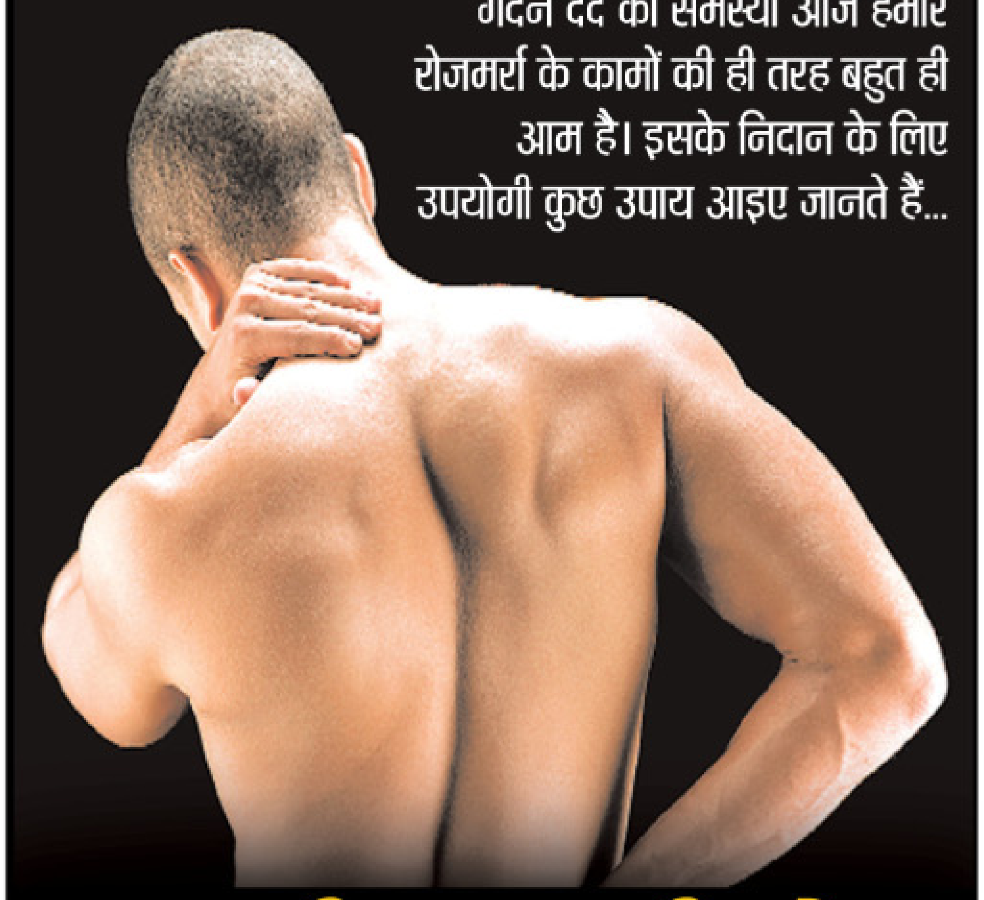

गर्दन दर्द की समस्या आज हमारे रोजमर्रा के कामों की ही तरह बहुत ही आम है। इसके निदान के लिए उपयोगी कुछ उपाय आइए जानते हैं...

- गर्दन दर्द का कारण गर्दन को गलत दिशा में रखना तक हो सकता है। बहुत सी स्थितियों में गर्दन दर्द का कारक अधिक समय तक गर्दन की मांस पेशियों, लिगामेंट, टेंडन हड्डियों या जोड़ों का अधिक समय तक इस्तेमाल होता है।
- इसका कारण मांस-पेशियों और गले के जोड़ों में किसी प्रकार का सूजन या दबाव भी हो सकता है। सर्वाइकल स्पाइन में किसी भी प्रकार की चोट के कारण भी गर्दन दर्द हो सकता है, लेकिन ऐसा बहुत कम होता है।
- काम करते समय, पढ़ते समय, टी. वी. देखते समय या फोन पर बात करते समय गर्दन को अधिक समय तक आगे की ओर या गलत दिशा में रखना भी इस समस्या का जनक हो सकता है।
- ऐसी तकिया पर सिर रखकर सोना जो बहुत ज्यादा ऊंची या बहुत ज्यादा नीची हो, जिससे आपका सिर सही दिशा में ना रहता हो।
- अधिक समय तक चिंतक की स्थिति में बैठना। अधिक समय तक पेंटिंग का काम करना या शरीर के ऊपरी भाग का इस्तेमाल करने वाले काम करना।

अपनाएं ये उपाय

हालांकि गर्दन दर्द से बचने के बहुत से उपाय भी हैं जैसे आइस पैक लगाना, मसाज करना और दवाएं लेना, लेकिन सबसे अच्छा तरीका है बचाव की तकनीक अपनाना और निवारण, क्योंकि बचाव हमेशा इलाज से बेहतर होता है। हमारे शरीर के पोस्चर में थोड़ा सा भी परिवर्तन हमें दर्द से बचा सकता है।

सिर को सही मुद्रा में रखें

अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ जाएं और अपने लोअर बैक को सपोर्ट दें। कुर्सी पर एक ही स्थिति में अधिक समय तक ना बैठें। गर्दन की मांस-पेशियों को आराम देने के लिए समय-समय पर छोटे ब्रेक लेते रहें।

हैडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल

अगर आप अधिक समय तक टेलीफोन का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसे में आपको हैडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल करना चाहिए।

कार सीट की अपराइट पोजीशन

कार की सीट को अपराइट पोज़ीशन में रखने से आपके सर और लोअर बैक को सपोर्ट मिलेगा। ध्यान रखें ड्राइव करते समय आपको स्टीयरिंग व्हील तक पहुंचने में जहमत ना उठानी पड़े और आपके हाथ आराम की स्थिति में होने चाहिए।

सही तकिया का इस्तेमाल

विशेष तरह की सर्वाइकल तकिया जो ना बहुत ज्यादा ऊंची हो, ना बहुत ज्यादा नीची हो, उनसे गर्दन के दर्द से राहत मिलती है। तकिया को इस प्रकार रखें कि आपको किताबें हाथों में ना उठानी पड़े।

प्रापर लिफ्टिंग तकनीक से मिलेगी मदद

शरीर का भार घुटनों पर ना उठाकर पीठ के बल उठाना ज्यादा अच्छा होगा और इससे गर्दन दर्द से भी आराम मिलेगा। तीव्र गर्दन दर्द से बचाव के लिए विशेषज्ञ स्वस्थ आदतें बनाने की सलाह देते हैं। ऑफिस या घर में तनाव से बचें, मसल रिलैक्सेशन एक्सरसाइज और मसाज से भी दर्द से राहत मिलती है। ऐसे में टहलने जैसे एरोबिक व्यायाम की भी सलाह दी जाती है। विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि धूम्रपान से घाव भरने में समय लगता है, क्योंकि इससे रक्त के संचय की गति धीमी हो जाती है और टिश्यूज के बनने में भी समय लगता है। गर्दन दर्द एक सामान्य समस्या है, जिसका कारण किसी प्रकार का संक्रमण, सर्वाइकल स्पाइनल स्टेनोसिस या यूमेंटायड आर्थराइटिस हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से सम्पर्क करना और सही तरीके की चिकित्सा लेना ही अच्छा विकल्प है। हममें से बहुत से लोगों के लिए गर्दन दर्द व्यस्त जीवनशैली या बुरी मुद्रा का प्रतीक है। इसका समाधान निकालना भी एक दर्द है, इसलिए अच्छा होगा कि गर्दन दर्द के कारणों से बचें, क्योंकि सर्वाइकल कालर भी आज फैशन से बाहर है।

जानें अनार के औषधीय गुण

अनार को राजसिक फल भी कहते हैं। यह स्वादिष्ट मधुर, मीठा होता है और कई प्रकार के रोगों में औषधि के भी रूप उपयोग किया जाता है। इसके कुछ प्रमुख गुणों के बारे में आइए जानते हैं।

हृदय रोग में एथिरोस्क्लेरोसिस एक ऐसा रोग है, जिसमे धमनियों में जमाव (एथिरोमा) होने से धमनियों के दीवारे मोटी और कठोर हो जाती है, जिससे धमनी का रास्ता संकरा हो जाता है। इसमें रक्त के बहाव में रुकावट आती है। अनार धमनियों के अवरोध को खोलता है। यह तथ्य नवीनतम वैज्ञानिक खोजों से सिद्ध हो गया है। अनार रक्तवाहिनियों की आंतरिक लाइनिंग को अच्छा बनाते हुए रक्तचाप को संतुलित रखकर तथा एलडीएल से होने वाली हानि से बचाकर हृदय और रक्तवाहिनियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

- धमनियों के अवरोधों को खोलने के लिए अनार का रस सदा सालों-साल 50 मिली, (आधा कप) पियें। शुरुआत में एक बार, फिर तीन बार पीते रहें या मीठे अनार खाते रहें।
- अनार के सेवन से ब्लड शुगर, एलडीएल या एचडीएल, कोलेस्ट्रोल लेबल पर भी कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। हृदय, गुर्दे और यकृत के कार्यों में भी कोई दिक्कत नहीं आती।
- हृदय की धड़कन को सुचारु रूप से चलने रहने नियंत्रित रहने हेतु 15 ग्राम अनार के ताजे पते बहूत बारीक पीसकर आधा गिलास पानी घोलकर छानकर पीयें। अनार का शरबत नित्य पीने से लाभ होता है।
- गर्भाशय का बाहर आना, क्रीमी होना, सोरायसिस, दाद, रक्तविकार इन समस्याओं में अनार के पते 4 किलोग्राम, ले कर पानी में धोकर छाया मं सुखाकर पीसकर बारीक छान ले, इसकी एक चम्मच पानी में नित्य एक बार फंकी लेते रहना लाभप्रद है।
- टीबी यानी राजयक्ष्मा) में अनार का रस लगातार पीने से लाभ मिलता है।
- 200 ग्राम तिल के तेल में अनार के पतों का रस एक किलो मिलाकर उबालें। उबालने पर जब तेल ही बचे तब ठंडा करके छानकर बोतल में भर लें।
- नित्य सोते समय इस तेल की मालिश से स्तन सुदृढ होते हैं। साथ में एक चम्मच अश्वगंधा चूर्ण गर्म दूध से सुबह-शाम लें।
- अनार के छिलके को सु खा क र बारीक पाउडर बनाकर गुलाब जल के साथ मिलाकर उबटन की तरह लगाने से त्वचा के दाग, चेहरे की झाइयां भी नष्ट हो जाती है। अनार छीलकर दाने निकलकर, सामान मात्रा में पपीते के गुदे में मिलाकर बारीक पीसकर चेहरे पर लेप करके आधे घंटे बाद धोएं।
- गर्भावस्था में उल्टी की समस्या से निजात पाने के लिए अनार खाएं, अनार का शर्बत पीएं, उल्टियां बंद हो जाएंगी। प्रात:काल अनार का रस पीने से उल्टी नहीं आती।
- अनार रक्तवर्धक है, इससे त्वचा चिकनी बनती है, रक्त-संचार बढ़ता है। यह मूर्च्छा में, हाइपरटेंशन, अम्लपित्त, एसिडिटी, मूत्र जलन, उलटी, जी-मचलना, खट्टी-डकारें, घबराहट, प्यास आदि में लाभप्रद है।

कजाकिस्तान ने पेरिस ओलंपिक का पहला पदक जीता

एजेंसी

पेरिस। कजाकिस्तान ने पेरिस 2024 ओलंपिक का पहला पदक जीता, जब उसने चेटेउरौक्स में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक मैच में जर्मनी को 17-5 से हराया। कजाख निशानेबाज एलेक्जेंड्रा ले और इस्लाम सतपायेव ने पहला राउंड 21.4-20.7 से जीतकर 2-0 की बढ़त बना ली। जर्मनी की अन्ना जानसेन और मैक्सिमिलियन उलब्रिच 3-3 और 4-4 से बराबरी करने में सफल रहीं लेकिन कभी बढ़त नहीं ले सकीं ले और सतपायेव ने अगले तीन राउंड जीतकर स्कोर 10-4 कर दिया। हालाँकि जर्मनों ने बराबरी हासिल की , लेकिन अंत में कज़ाकों ने एक आरामदायक जीत हासिल की। बाद में चीन ने इस स्पर्धा के फाइनल में कोरिया गणराज्य, को हराकर पेरिस खेलों का पहला स्वर्ण जीता।

पेरिस ओलंपिकः चीन की स्वर्णिम शुरुआत, जीते दो स्वर्ण, पदक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी

पेरिस। चीन ने पेरिस 2024 ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो खेलों का पहला पदक आयोजन था। चीन के हुआंग युटिंग और शेंग लिहाओ ने शिखर मुकाबले में कोरिया गणराज्य के किम जिह्योन और पार्क हाजुन को 16-12 से हराया। इसके अलावा चीन ने पहले दिन महिलाओं की सिंक्रोनाइज़्ड 3 मीटर स्प्रिंगबोर्ड स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता और दो स्वर्ण के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। चीन की चेन यिवेन और चांग यानि, जिन्होंने पिछले तीन विश्व चैंपियनशिप में इस प्रतियोगिता को जीतने के लिए जोड़ी बनाई है, ने धीरे-धीरे प्रत्येक गोता के बाद साथी प्रतिद्वंद्वियों के साथ अंकों के अंतर को बढ़ाया और 337.68 अंकों के साथ आसानी से खिताब जीत लिया। यह जीत चीनी डाइविंग ड्रीम टीम के लिए पहला स्वर्ण पदक और पेरिस खेलों में चीन का दूसरा समग्र पदक है।अमेरिका की सारा बेकन और कासिडी कुक 314.64 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, उसके बाद ब्रिटेन की यास्मीन हार्पर और स्कारलेट मेव जेन्सेन 302.28 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। 2004 एथेंस खेलों के बाद से चीन के लिए इस स्पर्धा में यह लगातार छठा ओलंपिक स्वर्ण पदक है ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का 33वां संस्करण शुक्रवार को पेरिस में शुरू हुआ और 11 अगस्त को समाप्त होगा।

बील इंटरनेशनल ओपन शतरंज : भारत के लियॉन और आयुष सयुंक्त दूसरे स्थान पर , कज़ाकिस्तान के रिनात बने विजेता

बील, स्विट्जरलैंडद्ध। बील शतरंज महोत्सव में मास्टर्स और चैलेंजर के साथ साथ ओपन टूर्नामेंट भी खेला जा रहा था , मास्टर्स मास्टर्स और चैलेंजर में जहां 6 खिलाड़ियों के बीच राउंड रॉबिन आधार पर अलग अलग फॉर्मेट में मुक़ाबले हुए तो ओपन वर्ग में 34 देशो के 128 खिलाड़ियों के बीच स्विस लीग के आधार पर 10 राउंड के खेले गए जिसमें अंत में चार खिलाड़ी 7.5 अंक बनाकर सयुंक्त पहले स्थान पर थे पर टाईब्रेक के आधार पर कज़ाकिस्तान के रिनात जुमाबयेव विजेता बनने में कामयाब रहे जबकि भारत के लियॉन मेन्दोंसा , आयुष शर्मा और उज़्बेक्सितान के मदामीनोव मुखिद्दीन क्रमशः दूसरे से चौंथे स्थान पर रहे ।

तूफानी अर्धशतक लगाकर सूर्यकुमार ने इस बड़े रिकॉर्ड की बराबरी की

पल्लेकल। भारत ने पल्लेकल में खेले गए तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में श्रीलंका को 43 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। रविवार को दूसरा मुकाबला खेला जाएगा और भारतीय टीम के पास अजेय बढ़त हासिल करने का मौका होगा। पहले मैच में एक वक्त ऐसा आया था, जब लगा था कि भारत यह मैच गंवा भी सकता है। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों द्वारा डेथ ओवर्स में शानदार गेंदबाजी ने टीम इंडिया को एक बार फिर जीत दिलाई। इस जीत के साथ गंभीर-सूर्यकुमार युग का शानदार आगाज हुआ। सूर्यकुमार ने भी कप्तानी पारी खेलते हुए 26 गेंद में आठ चौके और दो छक्के की मदद से 58 रन बनाए थे। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था। यह अवॉर्ड पाते ही सूर्यकुमार ने विराट कोहली के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दरअसल, इस मैच से पहले तक विराट के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड था। उनके नाम 125 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 16 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड हैं। वहीं, अब सूर्यकुमार ने लगभग उनसे आधे मैच खेलकर उनकी बराबरी कर ली है। सूर्यकुमार 69वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 16वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच बने।

पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का विजयी आगाज, न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया

एजेंसी

पेरिस। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में जीत के साथ आगाज किया है। ग्रुप-बी के अपने पहले मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 3-2 से मात दी है। वहीं भारत का अगला मुकाबला 29 जुलाई को अर्जेंटीना के साथ होगा।

मैच में भारत को न्यूजीलैंड के जबरदस्त डिफेंस का सामना करना पड़ा। पहले क्वार्टर में लेन सैम ने एक पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर न्यूजीलैंड को बढ़त दिला दी। न्यूजीलैंड ने इस गोल को बराबर करने से भारतीय खिलाड़ियों को पहले क्वार्टर तक रोके रखा। हालांकि भारत को हमले के कई मौके मिले लेकिन न्यूजीलैंड की तगड़ी रक्षापंक्ति ने सभी प्रयास विफल कर दिए। इसके बाद भारत ने अपने हमले को तेज किया और दूसरे क्वार्टर के 7वें मिनट में ही मिले पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल

में बदल दिया। मनदीप सिंह के इस गोल से टीम इंडिया ने स्कोर को बराबर किया। इतना ही नहीं भारत ने तीसरे क्वार्टर में भी तेजी बनाई रखी और एक और गोल कर स्कोर में 2-1 से अपनी बढ़त बना ली। यह गोल विकेक सागर प्रसाद के नाम रहा। एक गोल से पिछड़ने पर न्यूजीलैंड पूरी तरह बौखला गई और लगातार हमले करने की ताक में लगी रही लेकिन भारतीय गोलकीपर श्रीजेश के शानदार डिफेंस को भेद पाने में सफलता नहीं मिली।

आखिर के साढे सात मिनट के बाकि खेल में न्यूजीलैंड को एक पेनाल्टी कॉर्नर मिला जिसे साइमन चाइल्ड ने गोल में तब्दील कर स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया। चौथा क्वार्टर के समाप्त होने में 2 मिनट बचे होने के समय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनाल्टी स्ट्रोक के मौके को गोल में बदलकर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। इस तरह भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में अपना पहला मैच 3-2 से जीत लिया।

पेरिस ओलंपिक: 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के फाइनल में पहुंचीं निशानेबाज मनु भाकर

जेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में निशानेबाजी के खेल से भारत के लिए स्वर्ण पदक की उम्मीद प्रबल हो गई है। भारतीय शूटर मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। इवेंट का फाइनल राउंड रविवार, 28 जुलाई को दोपहर के समय खेला जा जाएगा। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर 60 शॉट के क्वालिफाइंग राउंड में 580 अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहीं। क्वालिफिकेशन इवेंट में 600 में से 580 पॉइंट्स हासिल किए और 45 शूटर्स में तीसरे स्थान पर रहीं। मनु ने छह राउंड में क्रमशः 97, 97, 98, 96, 96 और 96 अंक हासिल किए। स्वर्ण पदक के लिए फाइनल कल (28 जुलाई) दोपहर भारतीय समयानुसार 3.30 बजे खेला जाएगा वहीं, इसी इवेंट में दूसरी भारतीय शूटर रिद्म सांगवान फाइनल में क्वॉलिफाई ने नहीं कर सकीं। सांगवान 573 पॉइंट्स के साथ 15वें नंबर पर रही।

भारत ने श्रीलंका को पहले टी20 में 43 रन से हराया, श्रृंखला में बनाई 1-0 की बढ़त

एजेंसी

पल्लेकल (श्रीलंका)। तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 43 रन से हरा दिया है। भारतीय टीम के लिए पहली बार कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने शानदार अर्धशतक बनाया। वहीं आखिर में रेयान पराग ने मात्र 8 गेंदों में तीन विकेट चटकाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ भारत ने श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है।

भारत की ओर से मिले 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान श्रीलंकाई टीम ने जबरदस्त शुरुआत की। पहले विकेट के लिए पथुम निशंका और कुसल मेंडिस ने 84 रन की साझेदारी की। कुसल मेंडिस 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद निशंका ने कुसल परेरा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 56 रन जोड़े। 140 के कुल योग पर निशंका 79 रन बनाकर आउट हुए। निशंका के जाने के बाद श्रीलंकन बल्लेबाजों ने तू चल मैं आया की नीति अपनाई और पूरी टीम 170 रन पर सिमट

गई। भारत के लिए रियान पराग ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए जबकि अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल को 2-2 सफलता मिली। रवि विश्नोई और मो. सिराज के खाते में भी 1-1 विकेट रहा। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 213 रन बनाए। पहली बार फुल फ्लेज में टीम की अगुवाई कर रहे सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंदों में 58 रन की तेजतर्रार पारी खेली। जबकि ऋषभ पंत ने 49 रन का योगदान किया। वहीं दोनों सलामी बल्लेबाजी शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। गिल ने 34 रन और जायसवाल ने 40 रन बनाए।

मैरा मांदरेया प्रीमियर लीग का फाइनल रहा सुनैल क्रिकेट क्लब के नाम

अखनूर। विधानसभा छंब के ब्लॉक मैरा मांदरेया में चल रही पंचायत प्रीमियर लीग मैरा मांदरेया सीजन- 2 के फाइनल मैच में भाजपा नेता एवं जिला विकास परिषद के सदस्य पंडित सुरेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे और उनके साथ भाजपा नेता नरेंद्र सिंह भाऊ भी उपस्थित रहे।

इस क्रिकेट प्रतियोगिता में 16 टीमों ने भाग लिया और 35 के करीब मैच हुए। फाइनल मैच सुनैल क्रिकेट क्लब और धनु क्रिकेट क्लब के बीच हुआ जिसमें सुनैल क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 199 रन बनाए। वहीं पर धनु की टीम 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 100 रन पर ऑल आउट हो गई। सुनैल क्रिकेट क्लब ने 99 रन से फाइनल मैच को जीत लिया। विजेता टीम को इनाम के तौर पर भाजपा नेता पंडित सुरेश शर्मा और नरेंद्र सिंह भाऊ ने 25000 रुपए की नगद राशि और वहीं पर उपविजेता टीम को 15000 की नगद राशि दी। सुरेश शर्मा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों और ग्राउंड में उपस्थित तमाम युवाओं और अन्य साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा है जिससे शरीर तंदुरुस्त तो रहता ही है मानसिक संतुलन भी अच्छा रहता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि नशाखोरी आज के समय में एक चिंता का विषय है। ऐसे प्रतियोगिताओं के आयोजन होते रहें ताकि हमारी युवा पीढ़ी खेलकूद में रुचि ले और अन्य कुरीतियों से दूर रहे। यह हम सबको मिलकर प्रयास करना है। वहीं पर सुरेश शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में ब्लॉक मैरा मांदरेया में एक स्टेडियम बनाया जाएगा जिसमें हर एक खेलकूद के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ेगी।

सुरेश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के ऑर्गेनाइजर राजेंद्र कुमार, संजीव सिंह, आशीष, राहुल और बंटी राजपूत को

इस टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए बधाई देते हुए कहा कि इसी तरह की प्रतियोगिताएं और भी करवाई जाएं। इस मौके पर भाजपा नेता राम सरूप, मंडल अध्यक्ष रामलाल शर्मा, पूर्व सरपंच त्रिलोचन दत, मंडल महामंत्री मास्टर चंचल सिंह, तरसेम लाल, रवि कुमार, रमेश चंद्र, बलवंत सिंह, शमशेर सिंह व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अर्जुन, सरबजोत पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल

एजेंसी

पेरिस। भारतीय निशानेबाज सरबजोत सिंह और अर्जुन सिंह चीमा फ्रांस के चेटेउरौक्स में चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। सरबजोत नौवें स्थान पर रहे (क्वालीफाइंग स्थानों से एक स्थान कम)।

उन्होंने 60 शॉट्स के बाद 577 अंक हासिल किए, जो जर्मनी के रॉबिन वाल्टर के बराबर था, लेकिन उन्होंने 16 इनर 10 लगाए, जो जर्मन से एक कम था। चीमा 574 और 17 इनर 10 के स्कोर के साथ 18वें स्थान पर रहे। उन्होंने 96, 97 और 97 की श्रृंखला के साथ जोरदार शुरुआत की। हालांकि, चौथी श्रृंखला में एक '7' और

पांचवीं श्रृंखला में दो 8 ने उनके राह को कठिन बना दिया। उन्होंने अंतिम श्रृंखला में भी 97 अंक बनाए लेकिन नुकसान पहले ही हो चुका था। सरबजोत ने 94 की श्रृंखला के साथ शुरुआत की और फिर 97 और 96 के साथ आगे बढ़े। चौथी श्रृंखला में परफेक्ट 100 ने उनकी योग्यता की उम्मीदों को बढ़ा दिया। हालाँकि, अगली श्रृंखला में वह केवल 93 अंक ही बना सके, जिसमें एक '8'शॉट भी शामिल था।

अंतिम श्रृंखला में, सरबजोत ने पहले नौ शॉट्स में 87 अंक बनाए। भारतीय को वाल्टर की संख्या से मेल खाने के लिए इनर 10 की आवश्यकता थी लेकिन वह एक भी नहीं पा सके। क्वालिफिकेशन राउंड में सर्बिया के दामिर मिकेक 584 के साथ शीर्ष पर रहे, उनके बाद इटली के फेडेरिको निलो मालदिनी (581) और जर्मनी के क्रिश्चियन रिट्ज (580) रहे।

स्वियातेक, अल्काराज और जोकोविच दूसरे दौर में

जेंसी

पेरिस। सात सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाले कार्लोस अल्काराज और इगा स्वियातेक ने रोलां गैरो में खेले जा रहे ओलंपिक टेनिस स्पर्धा में अपने अभियान का आगाज सीधे सेटों में जीत के साथ किया। बारिश के कारण छत को बंद करके इन मुकाबलों को खेला गया। स्वियातेक और अल्काराज की तरह नोवाक जोकोविच ने भी सीधे सेटों में जीत हासिल की। जोकोविच के सामने दूसरे दौर में लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी राफेल नडाल की चुनौती हो सकती है जो पुरुष एकल में रविवार को अपने अभियान का आगाज करेंगे नडाल ने अपने 22 ग्रैंड स्लैम खिताब में से फ्रेंच ओपन को रिकॉर्ड 14 बार जीता है। वह ओलंपिक में भी दो स्वर्ण पदक के विजेता है। नडाल शुक्रवार की रात उद्घाटन समारोह के दौरान मशाल वाहक थे। वह अल्काराज के साथ युगल मुकाबलों में चुनौती पेश करेंगे। फ्रेंच ओपन में तीन बार की गत चैंपियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी स्वियातेक ने रोमानिया की इरिना कैमेलिया बेगु को सीधे सेट में हराया।

सात हफ्ते पहले रोलां गैरो पर चौथा फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली पोलैंड की स्वियातेक ने बेगु को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी। मौजूदा फ्रेंच ओपन और विंबलडन चैंपियन अल्काराज ने लेबनान के हेडी हबीब को 6-3, 6-1 से हराया। ओलंपिक में शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया के जोकोविच ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को आसानी से 6-0, 6-1 से हराया।

रोवर बलराज पंवार हीट में रहे चौथे स्थान पर, रेपेचेज राउंड के लिए हैं पात्र

एजेंसी

पेरिस। रोइंग में भारत के पेरिस ओलंपिक अभियान की शुरुआत खराब रही और पहली हीट रेस में बलराज पंवार चौथे स्थान पर रहे। बलराज ने 7:07:11 मिनट का समय निकाला और अपनी हीट में छह प्रतियोगियों में से चौथे नंबर पर रहे। प्रत्येक हीट रेस से केवल तीन खिलाड़ी ही सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंच सके। हालाँकि, बलराज के लिए सारी उम्मीदें खत्म नहीं हुई हैं, क्योंकि वह अभी भी रविवार को होने वाले रेपेचेज राउंड में प्रतिस्पर्धा करने के पात्र हैं।

हीट वन में न्यूजीलैंड के थॉमस मैकिंटोश 6ः55.92 मिनट के समय के साथ पहले स्थान पर रहे। ग्रीस के रोवर स्टेफ़ानोस नटौस्कोस ने 7ः01.79 मिनट के समय के साथ दूसरा स्थान अर्जित किया। तीसरा स्थान मिस्र के अब्देलखलेक अल-बन्ना को मिला, जिन्होंने 7:05.06

मिनट का समय निकाला।

भारत ने पेरिस 2024 ओलंपिक में केवल एक रोवर को मैदान में उतारा है। अप्रैल में, पंवार ने दक्षिण कोरिया के चुंगजू में एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के पुरुष एकल स्कल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहकर रोइंग में भारत का पहला पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया था।

पेरिस ओलंपिक में सात्विक-चिराग की शानदार शुरुआत, कड़े मुकाबले में फ्रांस की जोड़ी को हराया

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में पदक के दावेदार सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग सेन की जोड़ी ने पुरुष युगल स्पर्धा में पहले दौर में आसान जीत दर्ज की, जबकि ओलंपिक डेब्यू कर रहे लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल स्पर्धा में जीत के साथ शुरुआत की। सात्विक और चिराग ने 46 मिनट तक चले मुकाबले में फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनान लाबार की जोड़ी को 21-17, 21-14 से हराया।

चिराग और सात्विक ने टोक्यो ओलंपिक में भी हिस्सा लिया था, लेकिन ग्रुप स्टेज में ही हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। हालांकि, अब हालात काफी बदल चुके हैं। सात्विक-चिराग दुनिया की नंबर एक जोड़ी है और उन्होंने मैच में भी अपना प्रभुत्व दिखाया। चिराग और सात्विक से पदक की काफी उम्मीदें हैं।इससे पहले लक्ष्य ने ग्रुप एल में

दुनिया के 41वें नंबर के खिलाड़ी केविन कोर्डन को सीधे गेम में हराया। दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को गुआटेमाला के केविन ने दूसरे गेम में कड़ी टक्कर दी लेकिन भारतीय खिलाड़ी 42 मिनट में 21-8, 22-20 से जीत दर्ज करने में सफल रहा। लक्ष्य ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए लगातार पांच अंक जुटाकर 5-0 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी ब्रेक तक 11-2 से आगे था।

ब्रेक के बाद भी लक्ष्य ने दबदबा बनाए रखा और स्कोर 18-5 तक पहुंचाया। लक्ष्य ने 19-8 के स्कोर पर क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ 12 गेम प्वाइंट हासिल किए और फिर केविन ने कोर्ट से बाहर शॉट मारकर पहला गेम भारतीय खिलाड़ी की झोली में डाल दिया। केविन ने दूसरे गेम में बेहतर शुरुआत करते हुए 4-1 की बढ़त बनाई। केविन लक्ष्य की गलतियों का फायदा उठाते हुए ब्रेक तक 11-6 से आगे हो गए। लक्ष्य ने इस दौरान कई शॉट नेट पर और बाहर मारे।

गुआटेमाला के खिलाड़ी ने कुछ दमदार स्मैश और अच्छे शॉट लगाकर बढ़त को 15-8 किया। लक्ष्य ने इसके बाद जोरदार वापसी करते हुए 16-20 के स्कोर पर लगातार छह अंक के साथ 22-20 से गेम और मैच जीत लिया।

बृजभूषण का POCSO मामले में इंतजार बढ़ा, कोर्ट ने फैसला टाला

नई दिल्ली। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह को पोक्सो मामले में पूरी तरह राहत नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ POCSO मामले में कैंसलेशन रिपोर्ट दायर की थी। हालांकि, कोर्ट ने इस रिपोर्ट पर आदेश पारित करने का फैसला टाल दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 27 सितंबर 2024 को होनी है। अगस्त 2023 में चैंबर में हुई सुनवाई के दौरान नाबालिग पहलवान ने अदालत से कहा था कि वह दिल्ली पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट से सहमत है। वह इसका विरोध नहीं करेंगी। बृजभूषण सिंह को पोक्सो मामले में पूरी तरह राहत नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ POCSO मामले में कैंसलेशन रिपोर्ट दायर की थी।

लक्ष्य सेन ने एकतरफा अंदाज में जीत के साथ की शुरुआत, इस खिलाड़ी को सीधे गेम में हराया

एजेंसी

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जीत के साथ पेरिस ओलंपिक में अपने अभियान की शुरुआत की। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के मैच में केविन कॉर्डन को 21-8, 22-20 से हराकर विजयी शुरुआत की। ग्रुप एल के मुकाबले में दुनिया के 41वें नंबर के खिलाड़ी कॉर्डन के खिलाफ लक्ष्य का प्रदर्शन दमदार रहा। हालांति, गुआटेमाला के इस खिलाड़ी ने दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को दूसरे गेम में टक्कर देने की कोशिश की, लेकिन अंत में लक्ष्य ने वापसी करते हुए इस गेम को भी अपने नाम मैच एकतरफा अंदाज में अपने नाम किया।

कारागी से होगा सामना

2022 राष्ट्रमंडल खेलों और 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन का ग्रुप के अपने दूसरे मुकाबले में बेल्जियम के जुलियन कारागी से सामना होगा।

पहले गेम में लक्ष्य ने किया दमदार प्रदर्शन : अपने पहले ओलंपिक में हिस्सा ले रहे 22 वर्षीय लक्ष्य ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए लगातार पांच अंक जुटाकर 5-0 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी ब्रेक तक 11-2 से आगे था। ब्रेक के बाद भी लक्ष्य ने दबदबा बनाए रखा और स्कोर 18-5 तक पहुंचाया। लक्ष्य ने 19-8 के स्कोर पर क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ 12 गेम प्वाइंट हासिल किए और फिर केविन ने कोर्ट से बाहर शॉट मारकर पहला गेम भारतीय खिलाड़ी की झोली में डाल दिया। केविन ने दूसरे गेम में बेहतर शुरुआत करते हुए 4-1 की बढ़त बनाई। केविन लक्ष्य की गलतियों का फायदा उठाते हुए ब्रेक तक 11-6 से आगे हो गए। लक्ष्य ने इस दौरान कई शॉट नेट पर और बाहर मारे। गुआटेमाला के खिलाड़ी ने कुछ दमदार स्मैश और अच्छे शॉट लगाकर बढ़त को 15-8 किया। लक्ष्य ने इसके बाद जोरदार वापसी करते हुए 16-20 के स्कोर पर लगातार छह अंक के साथ 22-20 से गेम और मैच जीत लिया।

जो रूट के 12 हजार टेस्टरन पूरे, 7वें बल्लेबाज बने, लारा का रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी

एजबेस्टन। इंग्लैंड के जो रूट 12,000 टेस्ट रन पूरे करने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने एजबेस्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। दाएं हाथ के बल्लेबाज, जिन्हें अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट खिलाड़ियों में से एक माना जाता है, इतिहास में इस मुकाम तक पहुंचने वाले केवल 7वें खिलाड़ी हैं और एलिस्टर कुक के बाद केवल दूसरे अंग्रेजी खिलाड़ी हैं, जो इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे। इस प्रक्रिया के दौरान, उन्होंने ब्रायन लारा (11,953) के टेस्ट रनों को भी पीछे छोड़ दिया और टेस्ट इतिहास में सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। रूट ने मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान 12,000 रन का आंकड़ा पार किया। खेल के पहले सत्र में टीम के 54/5 पर सिमटने के बाद उन्होंने कप्तान बेन स्टोक्स के साथ मिलकर इंग्लैंड को बचाया। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने 2012 में भारत के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था और तब से उन्होंने 50.25 की शानदार औसत से 143 मैच खेले हैं, जिसमें 32 शतक और 63 अर्धशतक शामिल हैं।

यश के साथ फिल्म Toxic में नजर नहीं आएंगी

तारा सुतारिया

एक्ट्रेस ने खुद इस मामले में दी सफाई

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी फिल्म टॉक्सिक को लेकर काफी चर्चा में हैं। फैंस को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। पिछले दिनों ये खबर आ रही थी कि तारा सुतारिया को एक्टर के अपोजिट रोल के लिए अप्रोच किया गया है। हालांकि अब एक्ट्रेस ने इन सभी अफवाहों पर फुल स्टॉप लगा दिया है।

तारा ने दी सफाई

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में तारा ने इस बात को कंफर्म किया कि वो यश के साथ किसी प्रोजेक्ट पर काम नहीं कर रही हैं। उन्होंने लिखा, हेलो ऑल! पिछले दिनों मैंने कई ऐसे आर्टिकल पढ़े जिसमें मेरा नाम एक प्रोजेक्ट से जोड़ा जा रहा था। आपको बता दूं कि ये मैंने शेयर नहीं किया है। अगर कभी ऐसा कुछ होगा तो मैं आपके साथ शेयर करूंगी। सभी को मेरा प्यार।

अन्य किरदार आएंगे नजर

बता दें कि 23 जुलाई को पीपिंग मून की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यह कहा गया था कि तारा आगामी फिल्म टॉक्सिक में यश की प्रेमिका का किरदार निभाएंगी। फिल्म में यश की दो प्रेमिकाएं होंगी जिनमें से एक किरदार कियारा आडवाणी निभाएंगी जबकि दूसरे किरदार के लिए तारा सुतारिया का नाम सामने आ रहा था।वहीं इस फिल्म में नयनतारा यश की बहन का किरदार निभाएंगी और हुमा कुरेशी नेगेटिव किरदार में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी ड्रग माफिया की डार्क पृष्ठभूमि पर आधारित है। टॉक्सिक में यश को एक गैंगस्टर के तौर पर दिखाया जाएगा। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का पहला शेड्यूल लंदन, गोवा या श्रीलंका में होगा। जबकि बाद की शूटिंग बैंगलोर में होगी। फिल्म के शूट के लिए 200 दिनों का शेड्यूल तय किया गया है जो 2025 में रिलीज होगी।

100 करोड़ रुपये खुद देते होज्बढ़ती फीस के मुद्दे पर इस एक्टर ने करण जौहर और फराह खान को घेर लिया

पिछले कुछ समय से फिल्म इंडस्ट्री में एंटॉरेज कॉस्ट पर खूब बातें हो रही हैं. एंटॉरेज कॉस्ट वो खर्च है, जो फिल्म में काम करने वाले एक्टर्स की एक्स्ट्रा डिमांड और उसके क्रू के पीछे होता है. कई बड़े फिल्ममेकर्स इस बारे में बात कर चुके हैं और ये कह चुके हैं कि इससे फिल्म के बजट और प्रॉफिट पर असर पड़ता है. कुछ समय पहले फराह खान ने भी ये मुद्दा उठाया था और उन्होंने भी कहा कि था कि स्टार्स की एस्ट्रा मांग की वजह से फिल्ममेकिंग का कॉस्ट बढ़ जाता है.करण जौहर भी इस बारे में बात कर चुके हैं. उन्होंने कहा था कि वो एक्टर्स 35 करोड़ की फीस मांगते हैं, जिनकी फिल्म 3.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग भी नहीं करती है. अब इस बारे में एक्टर समीर सोनी ने बात की है और इसको लेकर उन्होंने फराह और करण पर ही सवाल खड़े किए हैं. चलिए जानते हैं कि समीर ने क्या कहा है.

एक्टर्स की बढ़ती फीस का जिम्मेदार कौन ?

उज्जवल त्रिवेदी को दिए इंटरव्यू में समीर सोनी से पूछा गया कि फिल्मों में काम करने के लिए ज्यादा फीस मांगने पर फिल्ममेकर्स एक्टर्स को क्रिटिसाइज कर रहे हैं. इस पर अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, मैं तो बस यही बोलना चाहूंगा कि करण और फराह अगर आपको लगता है कि खर्च बढ़ रहा है तो वो आप ही हैं, जो पैसे दे रहे हैं. 100 करोड़ रुपये में बड़े स्टार को साइन करने के बाद आप ये नहीं कह सकते हैं कि ये लोग ज्यादा पैसे लेते हैं. कुछ कमी तो आप में भी है. क्योंकि लोग तो ऐसे भी हैं जो 1 करोड़ और 50 लाख में भी काम कर लेंगे. ये सब आप लोगों ने ही किया है.

26 सालों से फिल्म इंडस्ट्री में हैं समीर

समीर फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के एक पॉपुलर एक्टर हैं. वो लगभग 26 सालों से इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं. साल 1998 में 'चाइना गेट' के नाम से एक फिल्म आई थी. समीर ने उसी फिल्म से डेब्यू किया था. उसके बाद उन्होंने कई बड़ी फिल्मों और टीवी शोज में भी काम किया. 'विवाह', 'बागबान', उनकी कुछ पॉपुलर फिल्में हैं. आखिरी बार समीर प्राइम वीडियो की सीरीज 'पीआई मीना' में दिखे हैं.

रोहित शेट्टी ने फिल्म के बढ़ते बजट पर क्या कहा था ?

हाल ही में न्यूज 18 को दिए इंटरव्यू में रोहित शेट्टी ने भी एंटॉरेज कॉस्ट पर बात की थी. हालांकि, उन्होंने एक्टर्स को सपोर्ट किया था और कहा था कि ऐसा नहीं है कि बहुत सारा पैसा कास्ट पर खर्च हो रहा है. उन्होंने कहा था टिकट, ट्रैवेलिंग, होटल पर भी पैसे खर्च होते हैं. और इन सब चीजों का खर्च बढ़ गया है. इसकी वजह से प्रोडक्शन पर असर होता है.

Animal Park कब बनेगी, कहानी क्या होगी? इन सवालों पर Tripti Dimri ने तोड़ी चुप्पी

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल में छोटा सा रोल करने के बाद एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी का स्टारडम अचानक ही सातवें आसमान पर पहुंच गया था. इन दिनों तृप्ति अपनी हालिया रिलीज़ फिल्म बैड न्यूज़ के चलते चर्चा में हैं. इस फिल्म में वो एमी विर्क और विकी कौशल के साथ नज़र आ रही हैं. उनकी ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है. अब तृप्ति ने एक इंटरव्यू में एनिमल के बाद आए बदलाव और फिल्म एनिमल के सीक्वल पर बात की है.वैरायटी से बात करते हुए तृप्ति डिमरी ने संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल के सीक्वल एनिमल पार्क का ज़िक्र किया. उन्होंने कहा कि वो जानती हैं कि फिल्म एनिमल पार्क बनेगी, पर फिल्म कब बनेगी और इसका शेड्यूल क्या होगा इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है. इस दौरान उन्होंने फिल्म पर हुए विवाद के बारे में भी बात की. उन्होंने कहा, अभी, अगर सच कहूं तो मैं ऑडियंस की तरह ही कुछ भी नहीं जानती हूं.

फिल्म की शूटिंग शुरू होने पर क्या बोलीं तृप्ति

तृप्ति आगे कहती हैं, मुझे नहीं पता कि ये फिल्म कब शुरू होगी या इस फिल्म की कहानी क्या होगी. मैं बस ये जानता हूं कि ये बनेगी, पर कब बनेगी इस बारे में मुझे कुछ नहीं पता है. फिल्म की आलोचना पर उन्होंने कहा कि ये एक शानदार एक्सपीरियंस था. हां, इसके साथ आलोचना भी हुई. पर मुझे लगता है कि ये सब तो इसका हिस्सा है. हर हर कलाकार को इससे गुज़रना ही पड़ता है. उन्होंने कहा कि एनिमल के बाद लोगों ने मेरी और भी फिल्में देखीं.

एनिमल पर हुआ था तगड़ा विवाद

संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल 1 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में आई और ये देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई. फिल्म को लेकर लोगों में गज़ब का उत्साह देखने को मिला था. हालांकि साथ ही इस फिल्म को महिला विरोधी भी बताया गया. कई सीन और डायलॉग्स को लेकर काफी विवाद और आलोचना हुई. अल्फा मेल और टॉक्सिक रिलेशन जैसे मुद्दे चर्चा में रहे. इंडस्ट्री के कई बड़े नामों ने संदीप रेड्डी वांगा का विजन की आलोचना की थी.फिल्म में रणबीर कपूर और तृप्ति के अलावा रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल जैसे कलाकार नज़र आए थे. फिल्म खास तौर पर पिता और बेटे के रिश्ते पर बेस्ड थी, जिसमें कई और पहलू जोड़े गए थे. फिल्म के गाने और इसके एक्शन को खूब पसंद किया गया. इस फिल्म ने दुनियाभर में 900 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिज़नेस कर हर किसी को चौंका दिया था.

Paris Olympics 2024 पर भड़कीं कंगना रनौत, कहा- सेक्सुएलिटी हमारे बेडरूम तक क्यों नहीं रह सकती?

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन कंगना रनौत किसी भी मुद्दे पर अपनी बात कहने से पीछे नहीं हटती हैं। किसी व्यक्ति या किसी कार्य के खिलाफ कुछ भी कहना हो, कंगना निडर होकर अपनी राय रखती हैं। इस बार उनका निशाना पेरिस ओलंपिक गेम रहा।पेरिस ओलंपिक 2024 का शानदार आगाज हो चुका है। विश्व खेल जगत के इस सबसे बड़े इवेंट पर पूरी दुनिया की नजर है। जहां हर कोई पेरिस ओलंपिक की ओपनिंग सेरेमनी की तारीफ कर रहा है, वहीं कंगना रनौत ने इसकी आलोचना की है।

पेरिस ओलंपिक में इस बात की कंगना ने की आलोचना

सोशल मीडिया पर ओलंपिक सेरेमनी से कुछ तस्वीरें शेयर कर कंगना ने बताया कि इसमें उन्हें क्या नहीं अच्छा लगा। कंगना ने सेरेमनी के तमाम इवेंट्स में से एक %द लास्ट सपर एक्ट के फोटो और वीडियो शेयर किए। उन्होंने एक बच्चे को शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई।क्ट्रेस ने लिखा, पेरिस ओलंपिक ने अपने हाइपर सेक्शुअलाइज्ड एक्ट द लास्ट सपर में बच्चे को शामिल किया। इतना ही नहीं, उन्होंने बिना कपड़ों के एक व्यक्ति को दिखाया, जिस पर नीले रंग का पेंट है और वह जीजस है। इन्होंने ईसाई धर्म का मजाक बनाया है।वामपंथियों ने 2024 ओलंपिक को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है।कंगना ने वह फोटो भी शेयर की, जिसमें एक व्यक्ति नीले रंग से पेंटेड है। एक्ट्रेस ने लिखा, पेरिस ओलंपिक की ओपनिंग सेरेमनी में बिना कपड़ों के इस व्यक्ति को ईसा मसीह दिखाया गया है।

इस फोटो पर भी बिफरीं कंगना

कंगना यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने एक अन्य तस्वीर शेयर की, जिसमें गर्दन को हाथ में पकड़े एक महिला खड़ी है।

इसे लेकर एक्ट्रेस ने लिखा, क्या इसी तरह फ्रांस ने ओलंपिक 2024 का स्वागत किया...और इस तरह के एक्ट्स का संदेश क्या है?? सैटन की दुनिया में आपका स्वागत है? क्या वह यही दिखाना चाहते हैं?कंगना ने एक फोटो कोलाज शेयर करते हुए अपनी बात को इस नोट पर खत्म किया कि ओलंपिक की ओपनिंग सेरेमनी में सब कुछ पर होमोसेक्शुअलिटी पर आधारित था।उन्होंने लिखा, मैं होमोसेक्शुअलिटी के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन ये बात मेरी सोच से परे है कि ओलंपिक सेक्शुअलिटी से कैसे जुड़ा हो सकता है? मानवीय उत्कृष्टता का दावा करने वाले सभी देशों के खेलों में भागीदारी पर सेक्सुअलिटी का कब्जा क्यों हो रहा है? सेक्सुअलिटी सिर्फ हमारे बेडरूम तक ही क्यों नहीं रह सकता? यह नेशनल आइडेंटिटी क्यों बन गया है?

एक्ट्रेस कंगना रनौत ने बॉलीवुड से निकलकर राजनीति में अपने करियर की शुरुआत की है। हिमाचल प्रदेश की मंडी से सांसद कंगना ने हाल ही में पेरिस ओलंपिक की ओपनिंग सेरेमनी का कटाक्ष किया। उन्होंने कुछ तस्वीरों को शेयर कर ओलंपिक की ओपनिंग सेरेमनी पर अपनी भड़ास निकाली है। कंगना ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि ईसा मसीह को किस तरह दिखाया गया।